नई दिल्ली
रविवार, 20 जुलाई, 2025
श्रावण मास कृष्ण पक्ष, दशमी वर्ष : 29, अंक : 96
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 35
न्यून. 29

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

मोतिहारी दौरे के दौरान...

पीएम ने स्वामी शक्ति शरणानंद से की मुलाकात लिया आशीर्वाद

"पीएम ने लिखा- उनके व्यक्तित्व में जहां तेज और ओज का वास है, वहीं वाणी में आध्यात्मिकता रची-बसी है"

एजेंसी ▸▸ मोतिहारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को एक दिवसीय दौरे पर बिहार के मोतिहारी पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने प्रदेश को 7,200 करोड़ रुपए की परियोजनाओं की सौगात दी। इसके अलावा, उन्होंने स्वामी शक्ति शरणानंद सरस्वती महाराज से भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मुलाकात की जानकारी खुद प्रधानमंत्री मोदी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दी। मुलाकात की तस्वीरें शेयर करते हुए उन्होंने लिखा कि मोतिहारी में स्वामी शक्ति शरणानंद सरस्वती जी महाराज से आशीर्वाद लेने का सौभाग्य मिला। उनके व्यक्तित्व में जहां तेज और ओज का वास है, वहीं वाणी ▸▸ शेष पेज 5 पर

भारत-पाकिस्तान संघर्षविराम में अमेरिका की भूमिका के बाद ट्रंप का नया दावा...

'ऑपरेशन सिंदूर के दौरान गिरे थे 5 लड़ाकू विमान'

अमेरिका के दोनों दावों को पहले ही सिरे से खारिज कर चुका है भारत

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान के बीच 7 से 10 मई 2025 तक चले सैन्य संघर्ष को

व्यापार समझौते के नाम पर खत्म कराने (संघर्षविराम) के अलावा एक और बड़ा दावा किया है। जिसमें उन्होंने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 5 लड़ाकू विमान गिरे थे। बीते शुक्रवार को अमेरिका के राष्ट्रपति ने व्हाइट हाउस में रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों को दिए गए रात्रिभोज के एक कार्यक्रम में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने कई बड़े युद्ध रोके हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच भी ऐसा ही हुआ था। वहां विमान नष्ट हो रहे थे, शायद पांच विमान गिरे थे। हमने दोनों के बीच सैन्य तनाव को व्यापार समझौते के जरिए समाप्त किया है। ट्रंप के मुताबिक, अमेरिका ने साफ किया कि अगर आप दोनों (भारत-पाक) देश एक-दूसरे पर हमला करेंगे और उसमें हथियारों (परमाणु) का प्रयोग करेंगे। तो हम आपके साथ कोई समझौता नहीं करेंगे? अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने बयान में हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया कि भारत-पाकिस्तान संघर्ष में वह किस देश के पांच लड़ाकू विमान गिरने की बात ▸▸ शेष पेज 5 पर

पीएम ने साफ किया संघर्षविराम पर रुख

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के संघर्षविराम के दावे को कनाडा की अपनी हालिया यात्रा के दौरान सिरे से खारिज कर दिया था। उन्होंने कहा था कि भारत की ऑपरेशन सिंदूर (100 से ज्यादा आतंकी मार गिराए) की कार्रवाई 22 अप्रैल को पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन टीआरएफ द्वारा पहलगाम में किए गए आतंकवादी हमले के जवाब में की गई थी। जिसमें आतंकियों ने बेहद नृशंस तरीके से कुल 26 लोगों की उनका धर्म पूछकर हत्या कर दी थी। यह सभी पर्यटक थे और पहलगाम घूमने के ▸▸ शेष पेज 5 पर

जारी है ऑपरेशन सिंदूर

भारत से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी साफ कर चुके हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच सीमाओं पर संघर्षविराम लागू है। लेकिन ऑपरेशन सिंदूर अभी पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है। बल्कि यह अस्थायी विराम पर है। भविष्य में यदि सीमा पार (पाकिस्तान) से भारत पर कोई आतंकवादी हमला किया गया तो हम उसे युद्ध की कार्रवाई के ▸▸ शेष पेज 5 पर

नुकसान का प्रमाण दिखाने की दी चुनौती

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने भी बीते दिनों आईआईटी मद्रास के एक कार्यक्रम में मामले पर विदेशी मीडिया के रुख पर तंज कसते हुए कहा कि संघर्ष में पाकिस्तान की तरफ से भारत का बाल भी बांका नहीं हुआ यानी उसे कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि इस संबंध में अगर आपके पास ▸▸ शेष पेज 5 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

घायल हुए खान, इलाज के लिए अमेरिका रवाना

मुंबई। शूटिंग के दौरान अभिनेता शाहरुख खान चोटिल हो गए हैं और उन्हें इलाज के लिए अमेरिका ले जाया गया है।

अब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी ने इसको लेकर एक पोस्ट किया है। जिसमें उन्होंने शाहरुख खान के चोटिल होने की बात की भी पुष्टि करते हुए उनके जल्द ठीक होने की भी दुआएं की हैं। उन्होंने खान के स्वास्थ्य पर चिंता जाहिर की है।

अभिनेता राकेश रोशन की एंजियोप्लास्टी हुई

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर और फिल्ममेकर राकेश रोशन की तबीयत ज्यादा खराब हो गई थी।

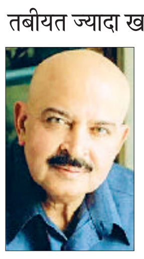

जिसके बाद उनके गर्दन की एंजियोप्लास्टी हुई है। उन्हें मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि फैंस को घबराने की जरूरत नहीं। उनकी बेटी सुनैना रोशन ने बताया है कि उनके पापा एकदम ठीक हैं।

थाईलैंड जा रहा विमान वापस हैदराबाद लौटा

हैदराबाद। शनिवार को हैदराबाद से फुकेत जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट को टेकऑफ

के कुछ ही देर बाद वापस हैदराबाद लौटना पड़ गया। टेकऑफ के बाद विमान में कुछ तकनीकी दिक्कत आ गई थी, जिससे प्लेन को वापस मोड़ लिया गया। क्रू मेंबर्स ने तकनीकी दिक्कत महसूस की और सावधानी बरतते हुए फ्लाइट को वापस मोड़ लिया।

ब्रिटेन के साथ ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते पर करेंगे हस्ताक्षर

23 से 26 जुलाई तक ब्रिटेन और मालदीव की यात्रा पर रहेंगे प्रधानमंत्री!

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगले सप्ताह होने वाली दुनिया के दो देशों ब्रिटेन और मालदीव के आधिकारिक यात्रा कार्यक्रम की जानकारी सामने आ गई है। 23 से 26 जुलाई तक उनकी यह यात्रा होगी। जिसका पहला पड़ाव ब्रिटेन होगा। जहां प्रधानमंत्री 23 से 24 जुलाई तक रहेंगे और ऐतिहासिक भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर करेंगे। इसके बाद 25 से 26 जुलाई तक पीएम की यात्रा का दूसरा पड़ाव मालदीव होगा। जिसका उद्देश्य मालदीव के 60वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करना है। बीते समय में दोनों देशों के मध्य आए कूटनीतिक तनाव के बीच भारत के शीर्ष नेता की यह पहली मालदीव की यात्रा होगी। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2019 में मालदीव की यात्रा की थी।

मालदीव के 60वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में करेंगे शिरकत

ट्रंप के टैरिफ, ईयू की पाबंदियों के बीच होगी यात्रा

गौरतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ट्रेड टैरिफ की बढ़ती चुनौती और रूस-यूक्रेन युद्ध के मद्देनजर रूस से तेल खरीद को लेकर यूरोपीय संघ (ईयू) से भारत को मिलती सख्त पाबंदियों की धमकी के बीच भारतीय प्रधानमंत्री की ब्रिटेन की ये यात्रा हो रही है। जिसमें दोनों देशों के बीच होने वाले मुक्त व्यापार समझौते से द्विपक्षीय व्यापार संबंधों में सराहनीय विस्तार के साथ ही सुरक्षा संबंधों को भी और अधिक गहराई मिलेगी। भारत और ब्रिटेन ने वर्ष 2030 तक अपना द्विपक्षीय व्यापार कुल करीब 120 बिलियन डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। यह समझौता इसी दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। साथ ही भारत से ब्रिटेन को होने वाले 99 फीसदी व्यापार को प्रभावित करेगा। जिसमें मुख्य रूप से कपड़े, चमड़े और फुटवेयर जैसे श्रम प्रधान उत्पादों पर लगाया जाने वाला कर (टैक्स) हटाया जाएगा। जबकि दूसरी ओर ब्रिटेन से भारत को किया जाने वाला व्हिस्की और कारों का आयात एफटीए के बाद सस्ता होगा। समझौते को अंतिम रूप देने के लिए दोनों देशों के बीच तीन साल तक व्यापक रूप से विचार-विमर्श किया गया है। इस बातचीत का लक्ष्य बाजार तक पहुंच बढ़ाना और भारत-ब्रिटेन के लिए अधिक सुविधाजनक व्यापार संबंधी माहौल तैयार करना है। व्यापार से संबंधित बाधाओं को कम करके दोनों देश पहले के मुकाबले और अधिक व्यापक आर्थिक भागीदारी करने के इच्छुक हैं। यह समझौता दोनों के बीच सामरिक और आर्थिक सहयोग को भी सुदृढ़ता प्रदान करेगा।

राष्ट्रपति मोइज्जू से होगी मुलाकात

ब्रिटेन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मालदीव जाएंगे। जहां वह मालदीव के 60वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इसके अलावा पीएम की मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मोइज्जू के साथ एक बैठक हो सकती है। जिसमें दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े विभिन्न आयामों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। राष्ट्रपति मोइज्जू के कार्यकाल और उसके साथ ही दोनों देशों के राजनयिक संबंधों में आई तल्खी के बीच की जा रही प्रधानमंत्री मोदी की यह पहली मालदीव यात्रा है। जिसमें हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) के इस द्वीपीय देश के कुछ नेताओं द्वारा की गई भारत विरोधी टिप्पणियां और बयानबाजी (इंडिया आउट अभियान, चीन का खुला समर्थन) मुख्य रूप से शामिल है।

क्षेत्रीय स्थिरता के लिए जरूरी

पीएम की मालदीव की यात्रा की बात करें तो यह दोनों देशों के बीच चिंताओं से जुड़े मामलों के अलावा आपसी सहयोग को मजबूत बनाने, क्षेत्रीय स्थिरता और भारत की आईओआर में पड़ोस सबसे पहले नीति के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करेगी। यात्रा के केंद्र में दोनों देशों के बीच विश्वास की पुनर्बहाली और भागीदारी को और व्यापक बनाने का मुद्दा भी रहेगा। क्षेत्रीय स्थायित्व और देश के सामरिक हितों के लिहाज से भी प्रधानमंत्री से यह खासा महत्व रखती है।

बीजेपी बोली, रॉबर्ट वाड्रा के अपराधों को संरक्षण देने में जुटे राहुल गांधी

राहुल ने वाड्रा के मामले में विपक्ष के नेता के रूप में अपने संवैधानिक पद का किया दुरुपयोगः त्रिवेदी

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

बीजेपी ने आरोप लगाया है कि राहुल गांधी ने रॉबर्ट वाड्रा के मामले में विपक्ष के नेता के रूप में अपने संवैधानिक पद का दुरुपयोग करते हुए अपने परिवार के अपराधों को 'संरक्षण' देने का काम किया है। गौरतलब है कि रॉबर्ट वाड्रा पर प्रवर्तन निदेशालय की ओर से मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाया गया है। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने शनिवार को पत्रकारों से बात करते हुए राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। राहुल गांधी से सवाल करते हुए सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबी कांग्रेस पार्टी के सभी परिवार के प्रथम सदस्य एक दूसरे के भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए साथ आकर खड़े हो गए ▸▸ शेष पेज 5 पर

विपक्षी गठबंधन आतंरिक कलह से जूझ रहा

सोमवार से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र से पहले विपक्षी गठबंधन आतंरिक कलह और बिखराव से जूझ रहा है। बीजेपी नेता ने इंडिया गठबंधन पर कटाक्ष करते हुए सवाल किया कि जब उसकी वर्तमान इतना बुरा है, तो उसका भविष्य कितना बदतर होगा। ज्ञात हो कि मानसून सत्र से पहले ही आम आदमी पार्टी (आप) ने पहले ही घोषणा कर दी है कि वह अब गठबंधन में शामिल नहीं है, जबकि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने केरल सरकार पर गांधी के हमले के बाद उनकी आलोचना की थी।

यह पारिवारिक मुद्दा, न कि राजनीतिक

राहुल गांधी ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा हरियाणा के शिकोहपुर में एक जमीन सौदे से जुड़े धन शोधन के मामले में रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किए जाने के बाद शुक्रवार को उनका खुलकर बचाव करते हुए कहा था कि दुर्भावनापूर्ण एवं राजनीति से प्रेरित कार्रवाई हो रही है, लेकिन वह अपने बहनोई और उनके परिवार के साथ खड़े हैं। गांधी की इस टिप्पणी पर सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस नेता के लिए यह स्पष्ट ▸▸ शेष पेज 5 पर

हरियाणा के मनोनीत राज्यपाल प्रो. अशीम कुमार घोष राजभवन पहुंचे

मुख्यमंत्री के साथ मिलकर गरीब और वंचित वर्गों के कल्याण के लिए काम करूंगाः घोष

सीएम सैनी ने भावी राज्यपाल का मंत्रिमंडल सहयोगियों के साथ किया स्वागत

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

हरियाणा के मनोनीत राज्यपाल प्रो. अशीम कुमार घोष ने कहा है कि वे पश्चिम बंगाल से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की प्रगतिशील पहलों को समर्थन और प्रोत्साहन देने आए हैं। मुख्यमंत्री के साथ मिलकर हरियाणा में समाज के गरीब और वंचित वर्गों के कल्याण के लिए काम करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि विपक्ष को धैर्यपूर्वक सुनने और उनके विचारों और दृष्टिकोणों को समझने की भी उनकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। प्रो. अशीम कुमार घोष एवं उनकी धर्मपत्नी मित्रा घोष शनिवार को चंड़ीगढ़ स्थित हरियाणा राजभवन पहुँचे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और उनके मंत्रिमंडल सहयोगियों ने उनका स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने हाल ही में श्री बंडारू दत्तात्रेय का कार्यकाल पूरा होने के बाद प्रो. अशीम कुमार घोष को हरियाणा का राज्यपाल नियुक्त किया है। इस अवसर पर बोलते हुए प्रो. घोष ने कहा ▸▸ शेष पेज 5 पर

किसानों ने खेती में आने वाली मौसमी चुनौतियों के बारे में बताया

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज ने गुजरात में खेतों में उतरकर मूंगफली की 'निराई-गुड़ाई' की

बाजार मूल्य और सिंचाई से जुड़ी समस्याओं से कराया अवगत

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को गुजरात दौरे के दौरान किसानों से मुलाकात की। इस दौरान वह जूनागढ़ के मानेकवाड़ा गांव में मूंगफली के खेत में गए और किसानों से जानकारी लेते हुए उनसे संवाद किया। केंद्रीय मंत्री ने खेत में उतरकर मूंगफली की 'निराई-गुड़ाई' भी की।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण चौहान ने जूनागढ़, गुजरात में भारतीय मूंगफली अनुसंधान संस्थान का निरीक्षण किया, कार्यों की समीक्षा की और किसानों व स्वयं सहायता ▸▸ शेष पेज 5 पर

"केंद्रीय कृषि मंत्री ने ड्रोन सहित आधुनिक कृषि यंत्रों का निरीक्षण भी किया

खाद्य सुरक्षा में किसानों की भूमिका अमूल्य

केंद्रीय कृषि मंत्री ने विशेष रूप से गुजरात की प्रमुख और उन्नत मूंगफली वैरायटी 'गिरनार-4' की विशेषताओं के संबंध में अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। खेत में उपलब्ध ड्रोन और आधुनिक कृषि यंत्रों का भी उन्होंने निरीक्षण किया और उनके प्रभाव और उपयोगिता को लेकर किसानों से प्रतिक्रिया जानी। उन्होंने किसानों की मेहनत की सराहना करते हुए कहा, देश की खाद्य सुरक्षा में हमारे अन्नदाताओं की भूमिका अमूल्य है। सरकार हर स्तर पर किसानों के साथ है और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने राष्ट्रीय ▸▸ शेष पेज 5 पर

सीडीएस ने किया वेलिंगटन का दौरा, 81वें स्टाफ कोर्स के छात्रों को किया संबोधित

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने शनिवार को तमिलनाडु के वेलिंगटन स्थित डिफेंस स्टाफ कॉलेज का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने 81वें स्टाफ कोर्स के छात्र अधिकारियों, कॉलेज के स्थायी कर्मचारियों और स्टेशन अधिकारियों को संबोधित किया।

रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि अपने संबोधन में सशस्त्र सेनाओं के सर्वोच्च अधिकारी सीडीएस जनरल चौहान ने ऑपरेशन सिंदूर पर व्याख्यान दिया। साथ ही भारतीय सशस्त्र बलों के सफल अभियानों में तीनों सेनाओं के बीच शानदार तालमेल के अहम पहलुओं पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कॉलेज के संकाय सदस्यों के साथ संवाद में तीनों सेनाओं के एकीकरण और संयुक्तता की अनिवार्यता, क्षमता विकास, आत्मनिर्भरता और सेना में किए जा रहे बदलावों पर जोर दिया। मंत्रालय ने कहा, कॉलेज में वर्तमान में 45 सप्ताह का 81वां स्टाफ कोर्स चल रहा है। पाठ्यक्रम में 500 छात्र अधिकारी शामिल हैं, जिनमें मित्र देशों की ▸▸ शेष पेज 5 पर

नियामी में भारतीय मिशन शवों को वापस लाने और अपहृत भारतीय की सुरक्षित रिहाई के लिए स्थानीय प्राधिकारियों के संपर्क में है

सभी भारतीयों को नाइजर में सतर्क रहने की सलाह दी गई है

नाइजर में आतंकी हमले में हुई दो भारतीयों की मौत, एक का किया गया अपहरण

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

अफ्रीकी देश नाइजर के डोसो क्षेत्र में हुए जघन्य आतंकवादी हमले में दो भारतीयों की मौत हो गई है और एक का अपहरण कर लिया गया है। राजधानी नियामी में भारतीय मिशन दोनों मृतकों के शवों को वापस लाने और एक अपहृत भारतीय की सुरक्षित रिहाई सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय प्राधिकारियों के साथ संपर्क में बना हुआ है।

इसके अलावा मिशन की तरफ से नाइजर में रह रहे सभी भारतीयों को मौजूदा चिंताजनक सुरक्षा हालातों ▸▸ शेष पेज 5 पर

शोक संतप्त परिवारों के प्रति जताई संवेदना

मिशन ने पोस्ट में बताया कि इस सप्ताह मंगलवार को आतंकी हमले की यह घटना हुई थी। जिसमें दो भारतीय नागरिक मारे गए और एक का अपहरण कर लिया गया है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मिशन ने अपनी संवेदनाएं प्रकट की ▸▸ शेष पेज 5 पर

आतंकियों के निशाने पर विदेशी

भारत के अलावा नाइजर में आतंकवादियों द्वारा दुनिया के अन्य देशों के नागरिकों पर किए गए हमलों की घटनाओं में लगातार वृद्धि देखने को मिल रही है। डोसो क्षेत्र की उक्त घटना के अलावा कई अन्य विदेशी नागरिकों का भी आतंकियों ने अपहरण किया है। जिसमें ऑस्ट्रिया की एक महिला, जो नाइजर में बीते दो दशक से अधिक वक्त से रह रही थी। उसका अपहरण ▸▸ शेष पेज 5 पर

जिहादी आतंकवाद से जूझता नाइजर

नाइजर में वर्ष 2023 में सेना द्वारा किए गए तत्कालीन सरकार के तख्तापलट के बाद से सुरक्षा संकट चरम पर जा पहुंचा था। बीते समय में अफ्रीका का यह देश जिहादी आतंकवाद का भी शिकार रहा है। जिसका संबंध अलकायदा और इस्लामिक स्टेट जैसे वैश्विक आतंकी समूहों से है। इनके सशस्त्र संघर्ष की जगहों में जून का महीना सबसे ज्यादा रक्तपात वाला नजर आ रहा है। जिसमें आईएस के लड़ाकों ने तिलाबेरी और डोसो क्षेत्र में एक बड़ा अभियान चलाकर 100 से ज्यादा लोगों को ▸▸ शेष पेज 5 पर

खबर संक्षेप

सेल्समैन को चाकू मारकर 50 लाख की जूलरी लूटने वाला दबोचा

नई दिल्ली। सुभाष प्लेस इलाके में एक सेल्समैन को चाकू मारकर 50 लाख रुपये की जूलरी लूटने का आरोपी क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। वारदात को तीन बदमाशों ने अंजाम दिया था। पकड़े गये इस वांछित भगोड़े बदमाश का नाम शिवम उर्फ शुभम उर्फ शिबू (22) निवासी मंगोलपुरी बताया गया है।

पुलिस के अनुसार 12 जून को तीन सशस्त्र हमलावरों ने एक सेल्समैन को चाकू मारकर 50 लाख से अधिक मूल्य के सोने और चांदी के आभूषण लूट लिए थे। इस संबंध में सुभाष प्लेस थाने में केस दर्ज हुआ था। हमलावरों में से एक जितेंद्र उर्फ सुजल और आपराधिक षड्यंत्र रचने में शामिल दो अन्य सह-आरोपियों विजय कुमार और विशाल सैन को स्थानीय पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी थी। लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद शिवम कानून की गिरफ्त से बच रहा था। हाल ही में इसके आगरा में होने की सूचना मिली थी। पुलिस ने सती नगर, नरायच, आगरा के पास जाल बिछाकर इसे दबोचा।

डिजिटल अरेस्ट कर डॉक्टर से 15 लाख की ठगी के दो आरोपी धरे

नई दिल्ली। मध्य जिले की साइबर पुलिस ने धोखाधड़ी के लिए कमीशन पर बैंक खातों की व्यवस्था करने वाले एक बैंक कर्मचारी को कोलकाता से गिरफ्तार किया गया है। पूरा मामला 'डिजिटल अरेस्टिंग' प्रकरण से जुड़ा हुआ है जिसमें दिल्ली के एक डॉक्टर से लगभग 15 लाख रुपये की ठगी की गई थी। आरोपी बैंककर्मी का नाम बुद्धदेव हाजरा (31) बताया गया है। वह कई बैंकों के लोन विभागों में काम कर चुका है। पुलिस के अनुसारा हाजरा ने उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद से एमबीए की डिग्री प्राप्त की है। इसने पश्चिम बंगाल के बैरकपुर निवासी जॉन नामक व्यक्ति के प्रभाव में आकर कथित रूप से साइबर ठगों के लिए कमीशन पर कॉरपोरेट बैंक खाते उपलब्ध कराना शुरू किया था। दिल्ली निवासी डॉक्टर से 14.85 लाख रुपये की धोखाधड़ी के मामले में एक अन्य आरोपी मोहम्मद साहिन खान (30) को कर्नाटक के बेंगलुरु से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, केरल और कर्नाटक सहित विभिन्न राज्यों से कम से कम 10 और शिकायतें आरोपियों द्वारा संचालित उन्हीं बैंक खातों से जुड़ी पाई गई हैं। शिकायतकर्ता डॉक्टर ने आरोप लगाया था कि उन्हें एक व्यक्ति का फोन आया, जिसने खुद को फोन पर सरकारी अधिकारी बताया और उन्हें एक मनगढ़ंत कानूनी मामले में गिरफ्तार करने की धमकी दी। फोन करने वाले व्यक्ति ने डॉक्टर को गिरफ्तारी से बचने के लिए 14,85,921 रुपये भेजने के लिए मजबूर किया था।

मादक पदार्थ तस्करी के आरोप में सब्जी विक्रेता दबोचा

नई दिल्ली। आनंद विहार रेलवे स्टेशन से एक सब्जी विक्रेता को गिरफ्तार किया गया है। इसके पास से 200 ग्राम से अधिक मादक पदार्थ जब्त हुआ है। पुलिस गिरफ्त में आये शख्स का नाम उत्तर प्रदेश के बदायूं निवासी राहुल बताया गया है। इसे आनंद विहार रेलवे स्टेशन से सटे चौधरी चरण सिंह मार्ग के पास सर्विस रोड से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार राहुल की तलाशी लेने पर उसके पास से 213.5 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। मामला दर्ज कर पूछताछ की गई तो पता चला कि वह उत्तर प्रदेश के बरेली से हेरोइन खरीदता था और उसे दिल्ली में अपने संपर्कों को भेजता था। पुलिस ने बताया कि वह कूरियर का काम करता था और आनंद विहार जैसे व्यस्त परिवहन केंद्रों पर नियमित यात्रियों के साथ घुल-मिल जाता था ताकि पकड़ा ना जा सके। आरोपी ने 12 वीं तक पढ़ाई की है और वह सब्जी बेचता है। आर्थिक तंगी के कारण जल्दी पैसा कमाने के लालच में आकर वह मादक पदार्थ की तस्करी के धंधे में शामिल हुआ।

32 बोर के दो अत्याधुनिक पिस्तौल और छह कारतूस बरामद

ईरानी गिरोह के दो बदमाश मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

उत्तर पूर्वी जिले की हजरत निजामुद्दीन और एसटीएफ टीम ने मुठभेड़ के बाद ईरानी गिरोह के दो कुख्यात बदमाशों को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ में दोनों बदमाशों के बांए पैरों में गोली लगी है। इनके नाम मुर्तजा अली उर्फ डामर और सिराज अली हैं। डामर मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में चोरी, लूट और डकैती के 46 मामलों में पहले से शामिल रहा है। इनके पास से .32 बोर के दो अत्याधुनिक पिस्तौल और छह कारतूस बरामद हुये हैं।

एडिशनल डीसीपी एश्वर्या शर्मा के अनुसार 18/19 जुलाई की दरमियानी रात को मुठभेड़ के बाद एक कुख्यात ईरानी गिरोह के दो सदस्यों मुर्तजा अली उर्फ डामर और सिराज अली को सफलतापूर्वक गिरफ्तार किया गया। पुलिस को सूचना मिली थी कि ईरानी गिरोह के सदस्य अपराध करने के इरादे से मेरठ एक्सप्रेसवे टी-पॉइंट के पास इंद्रप्रस्थ पार्क के सामने से गुजरने वाले हैं। इसके बाद टीम का गठन किया गया था। लगभग 12:30 बजे, टीम ने मोटर साइकिल पर सवार आरोपियों को सफलतापूर्वक रोका। जब पुलिस पार्टी ने संदिग्ध अपराधियों को आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया, तो दोनों ने तुरंत गोली चला दी। पुलिस टीम परचार राउंड फायर किए गये, जिसमें से एक राउंड सिपाही राजेंद्र की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगा। आत्मरक्षा और जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी तीन राउंड फायर किए, जिससे दोनों आरोपियों को उनके बाएं पैरों में गोली लगी। घायल संदिग्धों को तुरंत चिकित्सा उपचार के लिए सफदरजंग ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। इस ऑपरेशन के दौरान कुल सात राउंड फायर किए गए, जिसमें आरोपियों द्वारा चार राउंड औरपुलिस टीम द्वारा तीन राउंड शामिल हैं। बदमाशों के पास से बरामद मोटर पल्सर साइकिल जंगपुरा से चोरी की गई थी। दोनों आरोपियों ने खुलासा किया कि वे दिल्ली और दिल्ली एनसीआर में अन्य गिरोह के सदस्यों के साथ डकैती करने के लिए विशेष रूप से दिल्ली आए थे। ईरानी गिरोह के शेष बदमाशों को पकड़ने के लिए आगे की जांच जारी है।

बुराड़ी पुलिस की कार्रवाई

एटीएम में मदद के बहाने 98 हजार का चूना लगाने वाले तीन पकड़े

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

- बिहार के तीन रिक्शा चालक दिल्ली में करते थे चीटिंग
- 30 एटीएम कार्ड, 75 हजार कैश बरामद

बुराड़ी पुलिस ने एटीएम पर मदद के बहाने चीटिंग या चोरी करने वाले बिहार के तीन शातिर ठगों को गिरफ्तार किया है। इनके नाम धर्मेंद्र, साहेब कुमार और टुनटुन बताये गये हैं। तीनों फिलहाल साउथ दिल्ली के अलग-अलग इलाके में रह रहे थे। इनके पास से 30 एटीएम कार्ड व 75 हजार कैश बरामद किया गया है।

डीसीपी नॉर्थ राजा बांठिया के अनुसार इन्होंने एटीएम के अंदर 15 जुलाई को बुराड़ी इलाके में वारदात की थी। इस दौरान 98 हजार कैश चोरी किया गया था। दरअसल एक शख्स एटीएम मशीन में कैश डिपॉजिट करने के लिए गया था। वहीं पर इन लोगों ने उसे कैश जमा करने में मदद के बहाने चूना लगाया था। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से ठगों का पता लगाना शुरू किया। आखिर में तीनों आरोपियों को अलग-अलग इलाकों से पकड़ लिया गया। पता चला कि यह सभी रिक्शा चलाने और मजदूरी का काम करते हैं। ज्यादा पैसा कमाने के लिए इन लोगों ने मिलकर चीटिंग और चोरी की वारदात को अंजाम देना शुरू किया था।

लाखों की डकैती का मास्टरमाइंड लखनऊ से किया अरेस्ट

नई दिल्ली। पश्चिमी जिले के मोती नगर थाना इलाके में लाखों की डकैती के मामले में फरार मास्टरमाइंड को आखिरकार दिल्ली पुलिस ने लखनऊ में छापा मारकर गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी का नाम मनीष रावत बताया गया है। वह मूलरूप से उत्तर प्रदेश के गोंडा का रहने वाला है। डीसीपी विचित्र वीर के अनुसार डकैती की यह वारदात पिछले साल 28 अक्टूबर को शाम के समय अंजाम दी गई थी। एक घर में सात से आठ बदमाश घुस गए थे। इसके बाद हथियार के बल पर 11 लाख कैश और जूलरी लूटकर फरार हुये थे। मामले में मोती नगर पुलिस और आपरेशन सेल की टीम ने बाकी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। लेकिन मनीष रावत लगातार फरार चल रहा था। पुलिस से बचने के लिए वह लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। केस में इसे कोर्ट द्वारा भगौड़ा भी घोषित कर दिया गया था। हाल ही में एएटीएस को इसकी लोकेशन के बारे में पता चला और लखनऊ के केशव नगर इलाके में छापा मारकर इसे गिरफ्तार किया गया। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

विकास के लिए फंड की नहीं होगी कोई कमी : बिधूड़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

- 15 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का किया उद्घाटन

दिल्ली की जनता ने 27 साल बाद भाजपा को सत्ता की जिम्मेदारी का जो उपहार दिया, उसी के अंतर्गत दिल्ली में हर क्षेत्र का विकास किया जा रहा है। दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने शनिवार को यह बात कही। उन्होंने कहा है कि दक्षिण दिल्ली के क्षेत्रों में विकास के लिए फंड की कोई कमी नहीं होगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने शनिवार अपने संसदीय क्षेत्र में 15 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का उद्घाटन करके मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का जन्मदिन मनाया। उन्होंने कहा कि रेखा गुप्ता ने दिल्ली के विकास के लिए एक लाख करोड़ रुपए का जो बजट दिया है, उससे विशेष रूप से दक्षिण दिल्ली के गांवों, अनधिकृत बस्तियों और अन्य कॉलोनियों में सभी नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। यह क्षेत्र की जनता को मुख्यमंत्री की तरफ से रिटर्न गिफ्ट है।

बिधूड़ी ने बताया कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के जन्म दिवस पर दक्षिण दिल्ली में 15 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का आज शुभारंभ किया गया। छतरपुर विधानसभा क्षेत्र में लगभग 10 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का क्षेत्र के विधायक करतार सिंह तंवर के साथ शुभारम्भ किया। स्थाई समिति के उपाध्यक्ष तथा निगम पार्षद सुन्दर सिंह तंवर भी इस मौके पर उपस्थित रहे। देवली गांव में लगभग 5 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की शुरुआत की। इस अवसर पर दक्षिण दिल्ली जिला की भाजपा अध्यक्ष माया बिष्ट, विधायक चंदन चौधरी और निगम पार्षद अनिता सिंघल भी उपस्थित रहे। महरौली में ग्रामोदय योजना के अंतर्गत चल रहे लगभग 5 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का क्षेत्र के विधायक श्री गजेंद्र यादव के साथ निरीक्षण किया।

न्यायालय के निर्देश पर सैनिकों के लिए ब्रिज बनाने वाली सरकार से कोई उम्मीद करना बेकार: देवेंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा दिल्ली छावनी में सैनिकों के लिए फुट ओवरब्रिज बनाने के निर्देश पर दिल्ली सरकार को घेरा है। यादव ने कहा कि देश के सैनिकों के लिए एक फुट ओवरब्रिज बनाने के निर्देश देने से सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि ऐसी भाजपा सरकार से कोई भी उम्मीद करना बेकार है। यादव ने कहा कि इसी तर्ज पर उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को दिल्ली में जगह जगह हो रहे जलभराव से निजात दिलाने के लिए आगे बढ़कर हस्तक्षेप करना चाहिए। यादव ने कहा कि भाजपा की केन्द्र और दिल्ली सरकार की निष्क्रियता और असंवेनशीलता के कारण देश की रक्षा करने वाले जवानों को प्रतिदिन परेड ग्राउंड पहुंचने के लिए सुबह-शाम चार बार गंदे नाले से होकर आना जाना पड़ता है यह सिलसिला वर्षों से चल रहा है। उन्होंने बताया कि राजपूताना राईफल्स के जवानों को बैरक से परेड ग्राउंड तक पहुचने के लिए गंदे नाले से होकर गुजरना पड़ता है। इस मामले पर डाली गई एक जनहित याचिका पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने संज्ञान लिया और दिल्ली सरकार के पीडब्लूडी विभाग, दिल्ली छावनी और ट्रेफिक पुलिस को सैनिक के लिए नाले पर ब्रिज बनाने का बजट, डिजाईन, समयसीमा का प्रारुप तैयार करके ब्रिज बनवाने के आदेश जारी किया हैं। यादव ने कहा कि पीठ ने यह भी आदेश दिया कि फुट ओवर ब्रिज के निर्माण का खर्च पीडब्ल्यूडी वहन करेगा क्योंकि नाले पर एफओबी निर्माण का प्रस्ताव की मंजूरी कई वर्ष पहले मिलने के बावजूद अभी तक फुट ओवर ब्रिज इसका निर्माण करने में नाकाम रहा है। यादव के अनुसार दिल्ली उच्च न्यायालय की पीठ ने सैनिकों की सुविधा के लिए बनने वाले ब्रिज के लिए कहा, यदि आवश्यक हो तो दिल्ली छावनी बोर्ड को किसी भी सैन्य एजेंसी की सेवाओं का उपयोग करने की स्वतंत्रता होगी। यादव ने कहा कि जब देश की रक्षा करने वाले जवानों को गंदे नाले के अंदर से होकर परेड़ ग्राउंड तक पहुंचने में इतनी परेशानियों को झेलना पड़ रहा है। भारी बारिश के दौरान दिल्ली के सभी नाले पूरी तरह भर जाते है, तो कैसे सैनिक प्रतिदिन बैरक से परेड ग्राउंड पहुंचेते होंगे, उनकी पीड़ा का अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि कोर्ट ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि सैनिकों की सुगम आवाजाही के लिए सुनिश्चित करें कि नाले में जल भराव न हो, जबकि भारी बारिश के कारण पूरी दिल्ली डूबी हुई है। यादव ने कहा कि मानसून में भारी बारिश के कारण दिल्ली जिस तरह से डूब गई है, जीवन अस्त व्यवस्त हो गया है और सड़कों पर घंटों लम्बा जाम लगा हुआ है, क्या दिल्ली सरकार, दिल्ली नगर निगम, दिल्ली विकास प्राधिकरण का नैतिक कर्तव्य नही कि वो दिल्ली वालों के संकट जल भराव को समझ सकें। उन्होंने कहा कि दिल्ली के उपराज्यपाल और दिल्ली उच्च न्यायालय को दिल्ली में हर दिन हो रहे जलभराव पर भी संज्ञान लेने की जरूरत है।

चाकू से गोदकर हत्या का आरोपी 10 दिन बाद गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

मोहन गार्डन थाना इलाके के एक हत्या केस में फरार चल रहे आरोपी को 10 दिन बाद गिरफ्तार किया गया है। आरोपी का नाम राजू उर्फ सीपाटर बताया गया है। वह यूपी के बदायूं का रहने वाला है। इसके पास से चाकू भी बरामद कर लिया गया है।

डीसीपी अंकित सिंह ने बताया कि 7-8 जुलाई की रात मोहन गार्डन थाना इलाके में चाकू से वार करके एक शख्स की हत्या कर दी गई थी। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। गौतम नाम के युवक ने बताया कि वह संदीप और राजू के साथ उज्जैन से 4 जुलाई को वापस दिल्ली आया था। 7 जुलाई की रात संदीप अपने कमरे पर था। राजेश भी उसके यहां पर आ गया। पांच मिनट के बाद राजू भी वहां पहुंच गया। इसके बाद मंदिर और भगवान की बात को लेकर उनके बीच बहस शुरू हो गई। झगड़ा होने लगा तो राजेश और संदीप ने राजू का विरोध किया। वह वापस चला गया और कुछ देर के बाद वापस आया। उसने संदीप पर चाकू से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल संदीप को दीनदयाल हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गौतम के बयान पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज करके छानबीन शुरू की।

टीम लगातार आरोपी की लोकेशन का पता लगाने में जुटी रही। आखिरकार आरोपी राजू को पकड़ लिया गया। उसने पुलिस को बताया कि वारदात से पहले उनके बीच भगवान है या नहीं इसे लेकर बहस शुरू हुई थी। इसी के चलते बहस बढ़ गई और राजू ने गुस्से में आकर संदीप पर चाकू से हमला कर दिया था।

डीयू : साइबर अपराध, बचाव और जांच पर कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

- साइबर तकनीकों से अवगत रहने की आवश्यकता पर दिया बल

दिल्ली विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान विभाग नेसेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ़ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक), नोएडा के सहयोग से 14 से 18 जुलाई, 2025 तक "साइबर अपराध, बचाव और जाँच" विषय पर एक पाँच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) का सफलतापूर्वक आयोजन किया। डीयू प्रशासन ने शनिवार को यह जानकादी देते हुए बताया कि यह कार्यक्रम भारत सरकार द्वारा शुरू की गई सूचना सुरक्षा शिक्षा और जागरूकता (आईएसईए) परियोजना के तीसरे चरण के अंतर्गत आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में दिल्ली विश्वविद्यालय के डीयूसीसी के पूर्व निदेशक प्रो. अजय कुमार गुप्ता मुख्य अतिथि रहे जबकि समापन सत्र में डीयूसीसी के निदेशक और डीन (प्रौद्योगिकी संकाय) प्रो. संजीव सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। प्रो. सिंह ने अपने संबोधन में शिक्षा के माध्यम से एक सुरक्षित डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए संकाय सदस्यों के लिए विकसित हो रही साइबर तकनीकों से अवगत रहने की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर बल दिया।

सत्र के दौरान गणितीय विज्ञान संकाय की कार्यवाहक डीन प्रो. रंजीता पांडे, कंप्यूटर विज्ञान विभाग के कार्यवाहक प्रमुख डॉ. दिलीप सेनापति, कंप्यूटर विज्ञान विभाग के कार्यवाहक प्रमुख डॉ. ओम पाल, एसोसिएट प्रोफेसर और एफडीपी समन्वयक डॉ. रीना कसाना, सहायक प्रोफेसर और एफडीपी सह-समन्वयक रेखा सारस्वत, परियोजना प्रभारी वैज्ञानिक सीडैक नोएडा कांति सिंह और परियोजना सह-समन्वयक वैज्ञानिक सीडैक नोएडा ने कार्यक्रम के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

टैक्सी ट्रांसपोर्टरों के प्रतिनिधिमंडल ने सीएक्युएम की पर्यावरण मंत्री सिरसा से की शिकायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

टैक्सी ट्रांसपोर्टरों के प्रतिनिधिमंडल ने की कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (सीएक्युएम) की शिकायत पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा से मिलकर शिकायत की और ज्ञापन सौंपा। इस बारे में संगठन के अध्यक्ष संजय सम्राट ने बताया कि सीएक्युएम की मनमर्जी के चलते ट्रांसपोर्टरों को भारी मानसिक व आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि संगठन ने मंत्री सिरसा को बताया कि सीएक्युएम ने करीब 17 महीने पहले यानी 1 नवंबर 2026 से दिल्ली के अंदर बीएस-4 डीजल (एआईटीपी) बसों की एंट्री रोकने के आदेश 3 जून 2025 को ही जारी कर दिए। उनके इस फरमान से भारत के बस मालिकों का आर्थिक और मानसिक शोषण शुरू हो चुका है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण मंत्री सिरसा ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को धैर्यपूर्वक सुना। उन्होंने कहा कि मंत्री सिरसा ने संगठन को भरोसा दिया है कि इस मामले पर जहां तक संभव होगा उचित कार्रवाई की जाएगी। संजय ने बताया कि संगठन की तरफ ज्ञापन में लिखा है कि हमें लगता है कि सीएक्युएम साजिश के तहत बस निर्माता कम्पनियों को बड़ा फायदा देने में शमिल हो सकता है।

सवा करोड़ की हेरोइन और 30 लाख की 1.5 किलो अल्प्राजोलम दवा बरामद

अंतरराज्यीय नार्को सिंडिकेट का भंडाफोड़, दो अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

नशीली दवाओं की तस्करी में लिप्त अंतरराज्यीय नार्को सिंडिकेट का अपराध शाखा ने भंडाफोड़ किया है। इस सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से 606 ग्राम हेरोइन और डेढ़ किलो प्रतिबंधित अल्प्राजोलम दवा बरामद हुई है।

डीसीपी आदित्य गौतम के अनुसार बरेली और रामपुर (उत्तर प्रदेश) से लेकर दिल्ली-एनसीआर और पंजाब तक फैले एक सुव्यवस्थित नार्को-नेटवर्क का पर्दाफाश किया गया है। अल्प्राजोलम की कीमत लगभग 30 लाख रुपये और हेरोइन की कीमत लगभग 1.25 करोड़ रुपये आंकी गई है। अपराध शाखा को 28 जून को विश्वसनीय खुफिया जानकारी मिली थी कि एक मादक पदार्थ तस्कर महेंद्र पाल, हरिजन बस्ती, गाजीपुर के पास ड्रग्स की एक बड़ी खेप पहुंचाने वाला था। इंस्पेक्टर मनमीत मलिक के नेतृत्व में छापेमारी की गई। महेंद्र पाल को 296 ग्राम हेरोइन और डेढ़ किलो अल्प्राजोलम ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया गया। अल्प्राजोलम का इस्तेमाल हेरोइन की क्षमता बढ़ाने के लिए किया जाता है। महेंद्र पाल रामपुर से अल्प्राजोलम और बरेली से हेरोइन खरीदता था और उसे दिल्ली और पंजाब में सप्लाई करता था। इसकी निशानदेही पर हेरोइन के सप्लायर नत्थू खान को फरीदपुर, बरेली से गिरफ्तार किया गया। उसकी निशानदेही पर 310 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। नत्थू खान के भाई के पास अफीम की खेती का लाइसेंस था, जिसका दुरुपयोग हेरोइन उत्पादन के लिए किया गया।

उत्तर रेलवे

निविदा आमंत्रण सूचना

कार्य का नाम और इसकी स्थिति	30-Elect-17-T-2025-26-E3 एएनवीटी, टीकेजे, एचएनजेडएम, एसएसबी और डीएसजे स्टेशन पर आरपीसी-IV सुविधाओं में प्रकाश व्यवस्था के प्रावधान के साथ अन्य संबद्ध कार्यों के संबंध में विद्युत कार्य।		
निविदा की अनुमानित लागत	₹ 17432935/-	कार्यालय का पता	वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियन्ता/जी, स्टेट एंट्री रोड नई दिल्ली
बयाना राशि	₹ 237200/-	निविदा निवेदन की तिथि व समय	08.08.2025, 12.00 बजे
निविदा खोलने की दिनांक व समय	08.08.2025, 12.00 बजे	वेब साइट व नोटिस बोर्ड	www.ireps.gov.in वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/जी. नई दिल्ली

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2196/2025

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 (2) Cr. P.C. देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **दयानन्द कुमार पुत्रः** शिवन राय **निवासीः** G-316, जे. जे. कॉलोनी, शकूरपुर, दिल्ली ने **FIR. No. 361/17 U/s 411 IPC. थानाः सुभाष प्लेस, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **दयानन्द कुमार** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **दयानन्द कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR. No. 361/17 U/s 411 IPC. थानाः सुभाष प्लेस, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **दयानन्द कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **20.08.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
वसुन्धरा चौंकर
सीजेएम, कमरा नं.-108
प्रथम तल, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/6911/NW/2025
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **कुंदन कुमार, पुत्रः वीरेंद्र मंडल, निवासीः ए–959, जेजे कॉलोनी, पंखा रोड, उत्तम नगर, नई दिल्ली।** मे **FIR No.: 183/2018, U/s: 380/411 IPC, पुलिस थाना तिलक नगर, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **कुंदन कुमार** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **कुंदन कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना तिलक नगर, दिल्ली** के अभियुक्त **कुंदन कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **दिनांक 10.09.2025** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
डॉ. अनीज़ा बिश्नोई
जेएमएफसी–07, कोर्ट नं. – 289,
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/9463/WD/2025

दिल्ली में जारी जल संकट और जर्जर हो चुकी जल आपूर्ति व्यवस्था पर जल मंत्री ने रखी अपनी बात

मैं वादा करता हूं एक साल में बदल जाएगी दिल्ली की तस्वीर : प्रवेश वर्मा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों का दौरा करते हुए दिल्ली के लोक निर्माण विभाग और जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने दिल्ली में जारी जल संकट और जर्जर हो चुकी जल आपूर्ति व्यवस्था पर खुलकर अपनी बात रखते हुए कहा कि हमारी सरकार सिर्फ पांच महीने पुरानी है, लेकिन मैं आप सभी से वादा करता हूं एक साल में दिल्ली की तस्वीर बदलकर रख देंगे।

प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि दिल्ली में पानी की समस्या की जड़ बेहद पुरानी पाइपलाइन प्रणाली है, जिसे दशकों से बदला ही नहीं गया। उन्होंने कहा कि दिल्ली के कई इलाकों में लोगों को गंदा पानी मिल रहा है, क्योंकि यहां 40 से 80 साल पुरानी पाइपलाइनों से जल आपूर्ति की जा रही है। गौरतलब है कि मंत्री प्रवेश ने शनिवार को अपने विधानसभा क्षेत्र में गोल मार्केट के डी-ब्लॉक, रकाबगंज स्थित गुरुद्वारा फ्लैट्स और सरोजिनी नगर के टाइप-2 फ्लैट्स का दौरा किया। इस दौरान स्थानीय लोगों ने उनका स्वागत किया और उम्मीद जताई कि वर्षों बाद उनके इलाके में वास्तव में बदलाव देखने को मिलेगा।

'हमारी सरकार ने शुरू कर दिए ठोस कदम उठाने'

जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने बताया कि वर्तमान सरकार ने आते ही इस दिशा में ठोस कदम उठाने शुरू कर दिए हैं और पूरे दिल्ली में जल व सीवर व्यवस्था के पुनर्निर्माण की योजना पर काम शुरू हो चुका है। मंत्री प्रवेश ने कहा कि हम दिल्ली के लिए एक नया मास्टर प्लान बना रहे हैं। नई पाइपलाइनों की योजना बन चुकी है, बजट पारित हो चुका है, टेंडर भी पास हो चुके हैं और कुछ जगहों पर काम शुरू भी हो चुका है।

'काम जमीन पर लगा है दिखने'

प्रवेश साहिब सिंह ने यह भी स्पष्ट किया कि यह काम केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि ज़मीन पर इसका असर दिखने लगा है। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि तय समयसीमा में काम पूरा हो, गुणवत्ता से कोई समझौता न हो और पूरी प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से हो।

जल संकट के लिए पूर्ववर्ती सरकार जिम्मेदार

जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने जल संकट के लिए पूर्ववर्ती सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि पिछली सरकार ने एक भी नई पाइपलाइन नहीं डाली। लोगों की सबसे बुनियादी ज़रूरत साफ और सुरक्षित पीने का पानी, तक को नजरअंदाज कर दिया गया।

मंडियों का होगा सौंदर्यीकरण बजट की नहीं होगी कमी : रेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की मंडियों का आधुनिकीकरण और सौंदर्यीकरण किया जाएगा। इसके लिए बजट की कोई कमी नहीं है। यह बात शनिवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली की मंडियों की सफाई, सुरक्षा व अन्य मसलों पर अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक करने के बाद कही। इस बैठक में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली की सब्जी, फल-फूल आदि मंडियों में साफ-सफाई, कूड़े के निस्तारण, सड़क, मंडियों की सुरक्षा व्यवस्था, सीवर व पेयजल आपूर्ति की अव्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए अधिकारियों को सभी आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि मंडियों के रखरखाव और आधुनिकीकरण के लिए बजट की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। मंडियों को फंड, जमीन और अन्य संसाधन उपलब्ध कराने के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। बैठक में विकास मंत्री कपिल मिश्रा के अलावा संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने पिछले दिनों आजादपुर मंडी का दौरा किया था। वहां लोगों ने कूड़े के ढेर, आवारा जानवर व बदहाल सड़कों की शिकायतें की थी। उनकी जानकारी में लाया गया है कि दिल्ली की अधिकतर मंडियों में इसी प्रकार की समस्याएं हैं। रेखा गुप्ता के अनुसार अब हमारी सरकार मंडियों के कायाकल्प को लेकर बेहद गंभीर है। हम चाहते हैं कि इनका परिचालन आधुनिक मंडियों की तरह हो और यहां के दुकानदारों, फसल बेचने वालों और आम लोगों को वे सुविधाएं मिलें जो एक आधुनिक मंडी में होनी चाहिए। इन मंडियों में हरित कूड़ा व आवारा जानवर सबसे अधिक परेशानी का कारण हैं। इसके लिए मंडियों के आसपास ही कूड़े के निपटाने के लिए आधुनिक प्लांट लगाएं जाएंगे ताकि उनका दोबारा उपयोग हो सके।

मंडियों के पास ही वेस्ट प्लांटों को लगाने के लिए जमीन खोजें अधिकारी

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आदेश दिए कि मंडियों के आसपास ही कूड़े के निपटाने के लिए आधुनिक प्लांटों को लगाने के लिए जमीन की खोज करें और कोई समस्या हो तो हमें बताएं, हम जमीन की व्यवस्था करेंगे। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि मंडी में विचरण करते आवारा जानवरों को कंट्रोल करने के लिए दिल्ली नगर निगम की सहायता ली जाए। बैठक में तय किया गया कि पुरानी सीवर प्रणाली की मरम्मत आदि कार्य शीघ्र पूरा कराया जाएगा, ताकि बरसात के दौरान जलभराव और दुर्गंध की समस्या पर अंकुश लग सके।

खबर संक्षेप

'सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ 2.0' अभियान का आयोजन

नई दिल्ली। स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने और नागरिक सहभागिता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से दिल्ली नगर निगम ने 'सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ 2.0' अभियान के तहत कुदेसिया पार्क, सिविल लाइंस में स्वच्छता साइक्लोथॉन/वॉकथॉन का आयोजन किया। निगम प्रशासन ने शनिवार को यह जानकारी दी। प्रशासन ने बताया कि यह कार्यक्रम सुबह 7:15 बजे से 8:30 बजे तक आयोजित किया गया, जिसमें नागरिकों, एमसीडी अधिकारियों, सफाई कर्मियों, युवा स्वयंसेवकों आदि ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वच्छता और सफाई के प्रति जागरूकता फैलाना तथा मच्छर जनित रोगों के खिलाफ सामूहिक प्रयास को प्रोत्साहित करना था। इस कार्यक्रम का नेतृत्व करोल बाग एवं सिटी एसपी ज़ोन की उपायुक्त स्वेतिका सचान ने किया।

गुरुद्वारा कमेटी ने मनाया गुरु हरिकृष्ण साहिब का प्रकाश पर्व

नई दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने शनिवार को पंथक गुरु हरिकृष्ण साहिब का प्रकाश पर्व श्रद्धा, उत्साह और पूरे उल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर कमेटी के अधीन विभिन्न गुरुद्वारों में गुरमत समागम आयोजित किए गए, जिनमें रागी सिंहों ने गुरु की इलाही बाणी का कीर्तन कर संगत को आनंदित किया। जबकि मुख्य कार्यक्रम का आयोजन गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब परिसर स्थित भाई लख्खी शाह वंजारा हॉल में हुआ। इस अवसर पर पंथ के प्रमुख रागी सिंहों ने कीर्तन द्वारा संगत को निहाल किया।

आने वाली पीढ़ियों की अमानत हैं वन : गवई

- सुप्रीम कोर्ट के 20 न्यायाधीशों ने मुख्य न्यायाधीश भूषण रामकृष्ण गवई के नेतृत्व में दिल्ली रिज क्षेत्र स्थित पीबीजी ग्राउंड में वृक्षारोपण अभियान में लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

वन केवल हमारे लिए ही नहीं हैं, ये हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए अमानत हैं। ये दिल्ली में प्रदूषण कम करने में अहम भूमिका निभाते हैं। मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि दिल्ली सरकार प्रदूषण को लेकर तेजी से कार्य कर रही है। यह बातें शनिवार को मुख्य न्यायाधीश भूषण रामकृष्ण गवई ने वन महोत्सव 2025 के तहत दिल्ली सरकार द्वारा पीबीजी ग्राउंड, दिल्ली रिज क्षेत्र में आयोजित पौधारोपण अभियान में भाग लेने के दौरान कही। मुख्य न्यायाधीश गवई ने दिल्ली सरकार और पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा को बधाई देते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट और देश की तमाम अदालतें हमेशा से पर्यावरण संरक्षण में अहम भूमिका निभाती रही हैं। 1996 का टी.एन. गोडावर्मन केस एक ऐतिहासिक फैसला था, जिसमें पहली बार 'वन' की परिभाषा दी गई और बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई पर रोक लगी। उन्होंने कहा कि अक्टूबर आते ही दिल्ली में प्रदूषण को लेकर चिंता की स्थिति बन जाती है। इस दौरान निर्माण कार्य पर रोक लगने से कई बार हजारों मजदूरों की आजीविका पर असर पड़ता है। इसका स्थायी समाधान जरूरी है। मुझे खुशी है कि दिल्ली सरकार इनोवेटिव तकनीक, जागरूकता और लोगों की भागीदारी के जरिए इस दिशा में गंभीरता से काम कर रही है। मेरी शुभकामनाएं दिल्ली सरकार के साथ हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 2027 तक दिल्ली में कचरे के पहाड़ों को हटाने का जो लक्ष्य तय किया गया है, वह सराहनीय है और यह भी उम्मीद जताई कि एक दिन दिल्ली की पर्यावरणीय पहलें दक्षिण कोरिया की तरह दुनिया भर में मिसाल बनेंगी। इस पौधरोपण अभियान में मुख्य न्यायाधीश के साथ 20 अन्य न्यायाधीश भी शामिल हुए।

रेखा सरकार के पांच महीने बाद भी वादे अधूरे : कांग्रेस

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर आरोप लगाते हुए कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी की गारंटी के नाम पर सत्ता में आने वाली रेखा सरकार के पांच महीने बाद भी सभी वादे अधूरे पड़े है। इन पांच महीनों में रेखा गुप्ता भाजपा के चुनाव के दौरान किए गए सभी वादों को भूल बैठी है जिसके चलते मोदी की गारंटी अब जुमलों की माला बनती जा रही है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ. नरेश कुमार ने बयान जारी करते हुए कहा कि 20 फरवरी 2025 को जब रेखा गुप्ता ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, तब मोदी की गारंटी के नाम पर दिल्ली की जनता से बड़े-बड़े वादे किए गए थे। लेकिन आज पांच महीने गुजरने के बाद भी जनता को राहत नहीं मिल रही।

'गलियों में कुत्ते नहीं' पॉलिसी को लागू करें सरकार: गोयल

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने आवारा कुत्तों को लेकर दिया जंतर-मंतर पर धरना

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

पूर्व केन्द्रीय मंत्री विजय गोयल ने आज राजधानी के जंतर मंतर पर सैकड़ों आरडब्ल्यूए (रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों) के साथ मिलकर आवारा कुत्तों की समस्या को लेकर जोरदार धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल ने जोर देकर कहा कि "गलियों में कुत्ते नहीं (नो डॉग्स ऑन स्ट्रीट)" पालिसी को सरकार लागू करे। उन्होंने कहा कि देश में आवारा कुत्तों का आतंक इस हद तक बढ़ चुका है कि अब आमजन का घर से निकलना, पार्कों में टहलना और बच्चों का खेलना तक मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि देशभर में करीब 12 करोड़ आवारा कुत्ते हैं और हर दिन हजारों काटने के मामले सामने आ रहे हैं, जिनका सबसे ज़्यादा शिकार बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग हो रहे हैं। गोयल ने यह भी कहा कि दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली के मुख्य सचिव को निर्देश दिए हैं कि अगस्त तक रिपोर्ट दें कि आवारा कुत्तों पर अब तक क्या ठोस कार्यवाही की गई है। उन्होंने कहा कि मैं आवारा कुत्तों की समस्या पर तब तक आवाज़ उठाता रहूंगा जब तक सरकार इस पर ठोस कदम नहीं उठाती। धरना प्रदर्शन में पूर्व महापौर जय प्रकाश भी मौजूद रहे।

गोयल ने सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी का हवाला देते हुए कहा कि अब सड़कों, पार्कों और सार्वजनिक स्थानों पर कुत्तों को खाना खिलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। "अगर तथाकथित पशु प्रेमी इन जानवरों के प्रति सच में संवेदनशील हैं, तो उन्हें अपने घरों में ले जाकर उनकी देखभाल करनी चाहिए, न कि सड़कों को आतंक का अड्डा बनाना चाहिए।

रेखा गुप्ता ने दिव्यांग बच्चों के साथ मनाया अपना जन्मदिन

मुख्यमंत्री ने बच्चों को गले लगाकर अपने हाथों से खिलाया केक

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को दिव्यांग बच्चों के साथ मुख्यमंत्री सेवा सदन में अपना जन्मदिन मनाया। इस दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की उस समय आंखें भर आईं, जब दिव्यांग बच्चों ने कहा 'दीदी, तुम जियो हजारों साल।' भाव-विभोर मुख्यमंत्री ने बच्चों को गले लगा लिया और ढेर सा प्यार उन पर उंडेल दिया। असल में मुख्यमंत्री शनिवार सुबह अपने जन्मदिन के अवसर पर अपने पैतृक निवास हरियाणा के जींद जिले के जुलाना स्थित नंदगढ़ गांव से आकर जब मुख्यमंत्री जन सेवा सदन पहुंची तो दिव्यांग बच्चों ने उन्हें घेर लिया और कहा 'हैप्पी बर्थडे टूयू दीदी।' मुख्यमंत्री के लिए यह अविस्मरणीय क्षण था। भरी आंखों से उन्होंने बच्चों से कहा 'थैंक्यू मेरे प्यारे बच्चों।' बच्चों के प्रेम और अपनेपन में डूबी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिव्यांग बच्चों के साथ अपना जन्मदिन मनाया और उनके साथ केक काटा, बच्चों को खिलाया और उन्हें गले लगाकर आशीर्वाद भी दिया। विशेष बात यह रही कि इस अवसर पर दिव्यांग बच्चों ने मुख्यमंत्री के आगे हनुमान चालीसा का सस्वर पाठ किया, जिसे सुनकर मुख्यमंत्री भाव-विभोर हो गईं। इस दौरान वह लगातार बच्चों पर प्यार उड़ेलती रही। मुख्यमंत्री ने दिव्यांग बच्चों के साथ भोजन किया और उनसे खूब बातें भी की। मुख्यमंत्री ने बच्चों को दिल से आशीर्वाद किया और कहा कि आप अपनी दीदी के सदन में आए हो तो मेरा फर्ज बनता है कि आपको उपहार भी दूं।

एलजी ने दी रेखा गुप्ता को जन्मदिन की शुभकामनाएं

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के जन्मदिवस के अवसर पर शनिवार को उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने हार्दिक शुभकामनाएं दी है। एलजी ने अपने सोशल मंच एक्स पर पोस्ट करते हुए सीएम रेखा को शुभकामनाएं देते हुए लिखा कि दिल्ली की माननीय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ। उन्होंने लिखा कि आपकी दूरदृष्टि, कर्मठता और जनसेवा के प्रति समर्पण दिल्ली को विकास की नई दिशा दे रही है। एलजी ने रेखा गुप्ता के स्वस्थ की कामना करते हुए लिखा कि ईश्वर से आपके सफल, स्वस्थ तथा दीर्घायु जीवन की प्रार्थना है।

हल्की सी बारिश में नालियां हो जाती हैं गायब

दिल्ली देहात के गांवों में नालियों के हालात खराब

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम के नेता मानूसन को लेकर तरह तरह के दावें कर रहे हैं कि इस मानूसन के इस सीजन में जलभराव नहीं होगा क्योंकि नाले नालियों की सफाई की गई है और बड़ी मात्रा में गाद निकाल दी गई है। नागरिक बारिश का खूब लुफ्त उठा सकेंगे लेकिन जैसे ही हल्की बारिश होती है तो कुछ गांवों की गलियां और नालियां जादू की तरह गायब हो जाती हैं और पता ही नहीं चल पाता है कि यहां गलियां और नालियां थीं भी या नहीं। निवासियों ने बताया कि नरेला विधानसभा के गांव अलीपुर, जिंदपुर, हमींदपुर, सिंघू में ऐसी ही कुछ गलियां हैं जहां पिछले कई वर्षों से नालियों की गहराई से सफाई और बेहतर विकास कार्य नहीं हो सका है और हल्की सी बारिश में पता नहीं चल पाता है कि यहां नालियां और गलियां कहां है। ग्रामीणों ने बताया कि वर्तमान हालातों के बारें में जनप्रतिनिधों को पर्याप्त जानकारी है क्योंकि कुछ माह पहले ही दिल्ली के विधानसभा चुनाव हुए हैं और जनता से समर्थन मांगा था। आरडब्ल्यूए महासचिव ने बताया कि इस कॉलोनी के कुछ विस्तारित क्षेत्र है जिसमें पिछले 12 साल में कोई विकास कार्य नहीं करवाया गया है। इस क्षेत्र में न तो पानी की निकासी के लिए नालियों बनाई गई है और न ही गली। दो वर्ष पहले सीवेज की लाईन जरूर डाली गई थी। लेकिन दो साल के बाद भी आज तक उन्हें चालू नहीं किया जा सका। विधानसभा संख्या 1 होने के बावजूद भी यह क्षेत्र आज तक भी उपेक्षित रहा है चाहे उसका कोई राजनीतिक कारण रहा हो या फिर अधिकारियों का मनमाना रवैया रहा है।

कॉलोनी में घुस रहा है गंदा पानी

अलीपुर एसडीएम कार्यालय से करीब पांच किमी की दूरी पर मुखमेल पुर गांव के साथ जिन्दपुर विस्तार कॉलोनी है और यहां हल्की सी बारिश में कई गलियां जलमगन हो जाती हैं। जिन्दपुर विस्तार कॉलोनी आरडब्ल्यूए महासचिव रामप्रवेश ने बताया कि दिल्ली सरकार के बाढ़ नियंत्रण विभाग के खंड संख्या 6 के द्वारा अलीपुर से लेकर मुखमेल पुर गांव तक सड़क एवं सड़क के दोनों ओर नाले का निर्माण करवाया गया था लेकिन विभाग की लापरवाही एवं गलत निर्णय के कारण जिन्दपुर गांव से निकलने वाला गन्दा पानी जिन्दपुर विस्तार कॉलोनी में घुस रहा है।

नाला बनाते समय निकासी को किया नजर अन्दाज

कॉलोनी के सामने सड़क एवं नाले के स्तर को इतना उपर उठा दिया गया है जिससे कॉलोनी के पानी की निकासी असंभव हो गई है। विभाग को अलीपुर जीटी रोड से लेकर जिन्दपुर गांव तक के गन्दे पानी की निकासी की तो चिन्ता थी मगर नाला बनाते समय इस बात को नजरअन्दाज कर दिया नाले कि अंतिम छोर पर जिन्दपुर विस्तार कॉलोनी का स्तर नीचा होने के कारण नाले का पानी कॉलोनी में ही घुसेगा।

निर्माण कार्य स्थलों पर ना हो पानी जमा, उपायुक्त ने की बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

मानूसन को देखते हुए दिल्ली नगर निगम ने जलजनित बीमारियों को नियंत्रित करने के लिए अपनी कमर कस ली है। इसे लेकर नरेला जोन के उपायुक्त राकेश कुमार की अध्यक्षता में निर्माण कार्य में कार्यरत विभिन्न ठेकेदारों के साथ शुक्रवार को एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में पीडब्ल्यूडी, सीपीडब्ल्यूडी, दिल्ली नगर निगम एवं अन्य प्राइवेट ठेकेदार उपस्थित रहें जो नरेला जोन में बड़े एवं छोटे निर्माण कार्य कर रहे हैं। उपायुक्त राकेश कुमार ने मौजूद सभी ठेकेदारों को निर्माण स्थल में साफ पानी न जमा होने के संदर्भ में निर्देश दिए गए ताकि इन जगहों पर मच्छरों की उत्पत्ति रोकी जा सके। उन्होंने बताया कि डेंगू के मच्छर साफ पानी में पैदा होते हैं। इन स्थानों पर मच्छरों की उत्पत्ति होने के कारण डेंगू का खतरा न केवल निर्माण स्थल पर कार्यरत कर्मियों को होता है बल्कि आसपास में रहने वाले लोग भी इनकी चपेट में आ सकते हैं। उन्होंने बताया गया कि बारिश के मौसम में इन स्थानों पर पानी का जमा होना एक आम समस्या है। परन्तु रोजाना कुछ समय की जांच के बाद यदि मच्छरों की उत्पत्ति पानी में दिखे तो उस जगह से पानी हटा देना चाहिए ताकि साफ पानी में मच्छर अंडे न दे सके

खबर संक्षेप

अवैध हथियार रखने के आरोप में तीन पकड़ाए

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच सेक्टर.56 की टीम ने अवैध हथियार रखने व उपलब्ध करवाने के मामले में आरोपी दीपांशु, रफीक व कृष्णदेव को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने क्राईम ब्रांच सेक्टर-56 की टीम ने गुप्त सुत्रों से प्राप्त सूचना के आधार दीपांशु वासी गाव भऊस्टला जिला हापुड़, यूपी हाल राहुल कॉलोनी को राजा चौंक, बुद्ध विहार पार्क, एनआईटी-3 के पास से देशी कट्टा व एक जिंदा कारतूस सहित गिरफ्तार किया है।

गाड़ी के टायर चोरी करने वाले दो धराए

फरीदाबाद। खड़ी गाड़ी से टायर व रिम चुराने के आरोप में पुलिस ने दो आरोपियों को काबू कर उनके कब्जे से 10 हजार रुपए बरामद किए है। निवासी फरीदाबाद ने पुलिस चौकी में एक शिकायत दी आरोप लगाया कि 29 अप्रैल को वह अपने दोस्त की गाड़ी किसी काम से लेकर गया और फिर वह गाड़ी को रात के समय एक दोस्त के घर स्पोट्र्स काम्प्लेक्स के पास खड़ी करके गुरूग्राम चला गया था।

39 लाख 43 हजार रुपए की ठगी

फरीदाबाद। ट्रैडिंग के नाम पर 39 लाख 43 हजार रुपए की ठगी करने का आरोपी को साइबर थाना सेंट्रल की टीम ने गिरफ्तार किया है।

सेक्टर-78 फरीदाबाद निवासी एक व्यक्ति ने साइबर थाना सेंट्रल में शिकायत दी, जिसमें आरोप लगाया कि 8 नवंबर 2024 को उसके व्हाट्सएप नंबर पर एक मैसेज आया,ट्रैडिंग करने के बारे में बताया गया था। ट्रैडिंग के लिए उसकी बात ठगों से होने लगी, ठगों ने उसे निवेश कर मोटा पैसा कमाने का लालच दिया। शिकायतकर्ता ने लालच में आकर निवेश के लिए 34 लाख 43 हजार रुपए ठगों के खाता में जमा करवा दिए।

कुलपति ने चयनित विद्यार्थियों को दी बधाई

कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में जीयू के 11 विद्यार्थियों को मिली जॉब

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

गुरुग्राम विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा शुक्रवार को विद्यार्थियों के प्लेसमेंट के लिए कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में देश की विख्यात कंपनी कैश डिजिटेक प्रा. लिमिटेड विवि. में विद्यार्थियों के चयन के लिए आयी। ड्राइव में इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्लेसमेंट ड्राइव में छात्रों के चयन के लिए आए कंपनी के अधिकारियों द्वारा छात्रों का साक्षात्कार लिया गया। विद्यार्थियों ने पूरे जोश, आत्मविश्वास के साथ अधिकारियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दिए, परिणामस्वरूप विवि. के इंजीनियरिंग के 11 विद्यार्थियों का चयन किया गया।

खास बातें

- सभी विद्यार्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए
- गुरुग्राम विश्वविद्यालय कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन
- विद्यार्थियों ने पूरे जोश, आत्मविश्वास के साथ प्रश्नों के उत्तर दिए

साक्षात्कार के जरिए छात्र-छात्राओं का चयन

सभी विद्यार्थियों को नियुक्ति पत्र दिए गए। चयनित विद्यार्थियों में पार्थ शर्मा, अंश, मोनिका, सूरज भट्ट, आदर्श उपाध्याय, निखिल आहूजा, दिलीप कुमार, अंकुर कुशवाहा, कृतिका, रोहित, अनिल कुमार शामिल है। सभी छात्रों को 6 लाख सालाना पैकेज प्राप्त होगा। कुलपति डॉ. संजय कौशिक ने सभी चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि संस्थान में अध्ययनरत विद्यार्थियों को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से समय-समय पर विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों को कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव के लिए आमंत्रित किया जाता है। इसी के तहत आज प्रसिद्ध कंपनी कैश डिजिटेक द्वारा साक्षात्कार के जरिए छात्र-छात्राओं का चयन किया। भविष्य में भी ऐसी प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन होता रहेगा। इस मौके पर ट्रेनिंग प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. अमन वशिष्ठ, डॉ. चारु डॉ. सचिन भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का उद्देश्य स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना

सेमिनार में एकॉर्ड अस्पताल के विशेषज्ञों ने किडनी डायबिटीज और बीपी के प्रति किया आवाम को जागरुक

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

मरीजों को समय-समय पर प्रोटीन की जांच करवानी चाहिए

फरीदाबाद चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की ओर से हाइवे स्थित एक होटल में हेल्थ एंड अवेयरनेस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में शहर के प्रमुख उद्यमियों, उद्योगपतियों और चिकित्सा विशेषज्ञों ने भाग लिया। मुख्य रूप से एकॉर्ड सुपरस्पेशलिटी अस्पताल के चेयरमैन डॉ. जितेंद्र कुमार और सर्जरी विभाग के प्रमुख डॉ. प्रबल रॉय उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना और उद्योगों में कार्यरत कर्मचारियों की सेहत को लेकर चिंता जताना था। डॉ. जितेंद्र कुमार ने कहा कि फरीदाबाद में स्वास्थ्य सुविधाओं का लगातार विस्तार हो रहा है। उन्होंने बताया कि किडनी रोग एक साइलेंट किलर है, जो धीरे-धीरे शरीर को नुकसान पहुंचाता है।

अधिकतर लोग समय पर इसकी पहचान नहीं कर पाते जिससे डायलिसिस या ट्रांसप्लांट की नौबत आ जाती है। उन्होंने सुझाव दिया कि डायबिटीज और हाई बीपी के मरीजों को समय-समय पर प्रोटीन की जांच करवानी चाहिए और किसी भी लक्षण की अनदेखी नहीं करनी चाहिए। गर्भावस्था के दौरान बीपी की समस्या को भी गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि किडनी फेल भी हो जाए, तो यह जीवन का अंत नहीं है, बल्कि इलाज और आधुनिक तकनीकों के जरिए व्यक्ति स्वस्थ जीवन जी सकता है। डॉ. प्रबल रॉय ने शरीर की तुलना मशीन से करते हुए कहा कि जैसे फैक्ट्री में मशीनों का नियमित रखरखाव जरूरी है, वैसे ही शरीर का ध्यान रखना भी अनिवार्य है। उन्होंने एफसीसीआई की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह उद्योग जगत के लिए एक सराहनीय कदम है, क्योंकि स्वस्थ कर्मचारी ही उत्पादन और सफलता की गारंटी है। कार्यक्रम में अस्पताल के सीए पंकज मित्तल समेत विभिन्न डॉक्टरों को भी सम्मानित किया गया। अंत में डॉक्टरों ने एफसीसीआई के अध्यक्ष एचके बत्रा और महासचिव रोहित रूंगटा का सफल आयोजन के लिए आभार प्रकट किया।

नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को बीस साल की कैद

▸ लड़की के परिवार में आना-जाना था, तबीयत बिगड़ने पर खुलासा

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

नाबालिग से रेप के आरोपी युवक को कोर्ट ने 20 साल की सजा सुनाई है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हेमराज मित्तल की कोर्ट ने 29 वर्षीय साजिद पर 60 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। आरोपी का पीड़िता के परिवार में आना-जाना था। जानकारी के अनुसार पीड़िता 14 वर्षीय लड़की चौथी कक्षा की छात्रा है। वह अपने माता-पिता व चार भाई-बहनों के साथ एनआईटी क्षेत्र में रहती है। आरोपी साजिद भी पास ही रहता था और एक निजी कंपनी में वेल्डिंग का कार्य करता है। वह पीड़िता के परिवार से परिचित था और अक्सर उनके घर आता-जाता था। मामला तब सामने आया जब बच्ची की तबीयत खराब होने पर परिजनों को शक हुआ। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया और मेडिकल जांच कराई। जांच में पुष्टि होने पर कोर्ट की अनुमति से पीड़िता का गर्भ समापन भी कराया गया। चीफ डिफेंस काउंसिल रविंद्र गुप्ता के अनुसार कोर्ट ने सभी तथ्यों और साक्ष्यों को देखते हुए आरोपी को दोषी करार दिया और 20 वर्ष की सजा के साथ आर्थिक दंड भी सुनाया।

परिजनों ने लगाया सुरक्षा में लापरवाही का आरोप

सिर पर गिरी सिलाई मशीन, कंपनी में महिला कर्मचारी की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

सेक्टर-58 थाना क्षेत्र के सीकरी चौकी इलाके में एक हादसे में एक महिला मजदूर की मौत हो गई। यह हादसा सेक्टर-58 स्थित सीकरी एरिया के एमजी इंटरप्राइजेज नामक एक निजी कंपनी में हुआ, जहां काम के दौरान महिला के सिर पर भारी मशीन गिर गई। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई।

इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मृतक महिला की पहचान 42 वर्षीय कृष्णा के रूप में हुई है, जो बल्लभगढ़ के आदर्श नगर हरी विहार कॉलोनी में अपने परिवार के साथ रहती थी। मृतका के बेटे दीपक ने जानकारी दी कि उनकी मां सुबह 8 बजे रोजाना की तरह काम पर गई थी। दोपहर करीब 12 बजे उन्हें कंपनी से फोन आया कि उनकी मां को चोट लगी है और उन्हें सेक्टर 8 अस्पताल ले जाया गया है। परिवार के लोग अस्पताल पहुंचे तो देखा कि कृष्णा के सिर पर गंभीर चोट थी। करीब एक घंटे के इलाज के बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दीपक ने बताया कि कंपनी के कर्मचारियों ने उन्हें बताया कि कृष्णा जब काम कर रही थी, तब रैक के ऊपर रखी सिलाई मशीन उनके सिर पर गिर गई। उन्हें गंभीर चोट आई। दीपक ने आरोप लगाया कि घटना कंपनी की लापरवाही के कारण हुई है, क्योंकि सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे।

जेवर एक्सप्रेस वे पर शटरिंग का काम कर रहे दो मजदूर गिरे, एक की मौत, दूसरा घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

पुलिस ने मामले की जांच शुरू की

फरीदाबाद को गौतमबुद्धनगर स्थित इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर से जोड़ने के लिए बनाए जा रहे ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे पर शनिवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। इस घटना गांव मोहना के पास निर्माणाधीन इंटरचेंज पर हुई, जहां दो मजदूर पिलर पर शटरिंग का काम करते हुए अचानक नीचे गिर पड़े। हादसे में एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार 31 किलोमीटर लंबा यह एक्सप्रेस वे फरीदाबाद के सेक्टर-65 से शुरू होकर 12 गांवों से गुजरता हुआ जेवर तक पहुंचेगा। एक्सप्रेस वे गांव मोहना के पास केजीपी (कुंडली-मानेसर-पलवल) एक्सप्रेस वे को पार करेगा, जहां एक इंटरचेंज और फ्लाईओवर का निर्माण किया जा रहा है। फ्लाईओवर के लिए केजीपी के दोनों ओर पिलर खड़े किए जा चुके हैं और उन पर गाडर व शटरिंग का कार्य किया जा रहा है।

शनिवार की सुबह जब दो मजदूर पिलर पर चढ़कर शटरिंग का काम कर रहे थे, तभी जिस प्लेटफॉर्म पर वे खड़े थे, वह अचानक टूट गई। इस दौरान दोनों मजदूर नीचे गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में अमृतसर पंजाब निवासी मजदूर प्रिंसिपल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ओमकार नामक दूसरा मजदूर घायल अवस्था में सेक्टर-8 स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती है। वहां कार्यरत मजदूरों ने बताया कि निर्माण स्थल पर सुरक्षा जाल उपलब्ध था, लेकिन उसे लगाया नहीं गया था, जिससे यह गंभीर हादसा हो गया। यदि सुरक्षा इंतजामों का पालन किया गया होता, तो जान बचाई जा सकती थी। घटना की सूचना मिलते ही थाना छायंसा पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बीके अस्पताल फरीदाबाद की मोर्चरी में भिजवाया गया है। पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचित कर दिया है और उनके आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और निर्माण कार्य में लापरवाही के एंगल से भी जांच की जा रही है।

स्टॉक और आईपीओ में निवेश के नाम पर एक करोड़ 38 लाख रुपए की धोखाधड़ी

साइबर थाना एनआईटी की टीम ने एक आरोपी को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

शेयर मार्केट में निवेश करने के नाम पर ठगी करने के मामलें में साइबर थाना एनआईटी की टीम ने आरोपी रामनिवास को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि साइबर थाना एनआईटी में सेक्टर-21 निवासी एक व्यक्ति ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि ठगो ने पहले उसे एक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा गया, शेयर बाजार के प्रशिक्षण व निवेश की कला सीखने के लिए बनाया गया था। शिकायतकर्ता को लिंक से ऐप डाउनलोड करने और सत्यापन के लिए आधार कार्ड भेजने तथा पंजीकरण के लिए कहा गया। ठगों द्वारा एप में 50 हजार रुपए टॉप अप करने के लिए कहा जिस पर शिकायतकर्ता ने टॉप अप किया। स्टॉक अनुशंसा संदेश प्राप्त करने के लिए वीआईपी समूह में शामिल होने और प्रशिक्षण कक्षाओं के लिए एक लिंक भेजा। ठगों अधिक लाभ कमाने के लिए पूंजी इन्वेस्टमेंट करने के लिए कहा। ठगों के आश्वासन पर शिकायतकर्ता ने उनके द्वारा बताए गए निर्देशों का पालन जारी रखा, अधिक लाभ प्राप्त करने के लिए सिलसिलेवार क्रम में पहले एक लाख पचास हजार रुपए फिर 50 हजार रुपए फिर 2 लाख 50 हजार रुपए ऐसे कुल 16 ट्रांजेक्शन के माध्यम से एक करोड़ 38 लाख रुपए ठगों के विश्वास में आकर निवेश किया। 23 अक्टूबर 2024 को शिकायतकर्ता के पास कॉल आया कि ग्रुप के ऑनर को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है, पैसे चाहिए तो 15 लाख 92 हजार रुपए टैक्स के रूप भुगतान करने होंगे। शिकायतकर्ता ने मना किया तो 9 लाख 55 हजार रुपए भेजने को कहा कि जिस पर शिकायतकर्ता ने दो ट्रांजेक्शन के माध्यम से इस पेमेंट का भी भुगतान किया।

आरोपी को अदालत में पेश किया गया

टेलिग्राम टास्क के नाम पर 21 लाख रुपए की ठगी, 3 आरोपी को दबोचा

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

टेलिग्राम पर टास्क के बहाने धोखाधड़ी के एक मामले में साइबर थाना बल्लभगढ़ की टीम ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि साइबर थाना बल्लभगढ़ में गर्ग कॉलोनी बल्लभगढ़ निवासी एक महिला ने अपनी दी शिकायत में आरोप लगाया कि 13 जून को उसे व्हाट्सएप पर एक मैसेज आया जिसमें रेस्टोरेंट को प्रमोट करने के लिए कमेंट्स व रेटिंग करके पैसे कमाने बारे बताया गया था। उसकी सहमति के बाद उसे एक टेलिग्राम ग्रुप में जोड़ दिया गया और टास्क के नाम पर उससे दो बार पैस लगवाए जो लाभ के साथ उसे वापस कर दिए गए। जिसके बाद ठगों ने उससे अलग-अलग टास्क के लिए 2,10,000 रुपए अपने खाता में डलवाए और कोई पैसा वापिस नहीं दिया। जिस शिकायत पर साइबर थाना बल्लभगढ़ में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया।

उन्होंने आगे बताया कि साइबर थाना बल्लभगढ़ की टीम ने कार्रवाई करते हुए सलीम निवासी गांव अजेसर जिला अजमेर, राजस्थान, सनीफ निवासी गांव खाडिया खेड़ा जिला ब्यावर, राजस्थान व इकबाल निवासी खोड़िया खेड़ा, अजमेर राजस्थान को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी सलीम खाताधारक है जिसने अपना खाता सनिफ को दिया था और सनिफ ने इस खाता को आगे ठगों को दिया था। वहीं इकबाल भी मामलें में खाताधारक है।

फरीदाबाद को पायलट शहर के रूप में चुना गया

दीनदयाल जन आजीविका योजना शहरी डी-जेएवाई-एस के कार्यान्वयन के लिए पायलट प्रोजेक्ट के तहत फरीदाबाद सिटी का चयन

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

नगर निगम कमिश्नर धीरेंद्र खड़गटा ने जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल के सुझाव पर भारत सरकार से विचार करने के बाद इस योजना के अंतर्गत फरीदाबाद को पायलट सिटी चुना गया है। राज्य सरकार ने दीनदयाल जन आजीविका योजना शहरी (डी-जेएवाई-एस) के कार्यान्वयन हेतु फरीदाबाद को पायलट शहर के रूप में चुना है। शहरी स्थानीय निकाय विभाग द्वारा शुरू की जाने वाली दीनदयाल जन आजीविका योजना शहरी के पायलट प्रोजेक्ट के दौरान नोडल अधिकारी नियुक्ति नगर परियोजना अधिकारी द्वारका प्रसाद को किया गया है और मिशन निदेशक, राज्य शहरी विकास प्राधिकरण, हरियाणा, पंचकूला को सूचित कर दिया गया है। निगम कमिश्नर ने कहा कि इस प्रोजेक्ट को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि दीनदयाल जन आजीविका योजना शहरी के पायलट के घटक (डी-जेएवाई-एस) समुदाय नेतृत्व वाली संस्था विकास, वित्तीय समावेशन और उद्यम विकास (एफ आई एंड ईडी) जबकि सामाजिक अवसंरचना में (आश्रय स्थल, देखभाल क्लस्टर, श्रमिक चौक आदि) पायलट चरण के दौरान की जाने वाली गतिविधियां में शहरी गरीबों की सामाजिक-आर्थिक रूपरेखा और सरकारी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के साथ संबंध। कमजोर समूहों के स्वयं सहायता समूहों और सीआईजी का गठन, ऋण की आवश्यकता का आकलन और एसएचजी/सीआईजी को परिक्रामी निधि का वितरण के साथ-साथ सामाजिक बुनियादी ढांचे की स्थापना के लिए भूमि की पहचान करना, जैसे देखभाल क्लस्टर, डे केयर सेंटर, श्रमिक चौक, शहर आजीविका केंद्र, गिग श्रमिकों के लिए विश्राम स्थल और उनकी डीपीआर प्रस्तुत करना होगा। इन कमजोर समूहों को ईडीपी कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा। जनहित में दीनदयाल जन आजीविका शहरी योजना शुरू की गई है। आम जनता को अधिक से अधिक संख्या में जागरूक करने में सहयोग करें ताकि जरूरतमंद वचित व गरीब लोगों को इस योजना का लाभ मिल सके।

अनंगपुर चौपाल पर चल रहे धरने का समर्थन करने पहुंचे उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सांसद

पीएम मोदी को चिट्ठी लिखेंगे, मामले को लोकसभा में उठाएंगे: सांसद तिवारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

अनंगपुर संघर्ष समिति के तत्वाधान में ऐतिहासिक गांव अनंगपुर चौपाल पर 19वें दिन चल रहे अनिश्चितकालीन धरने का समर्थन करने शनिवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी पहुंचे। सर्वप्रथम ग्रामवासियों ने सांसद से अपनी मलिकयत एवं प्रवासियों के आशियानों को बचाने की गुहार लगाई।

सांसद मनोज तिवारी ने अनंगपुर वासियों एवं प्रवासियों को आश्वासन दिया कि लोकसभा में इस मामले का उठाउंगा और मोदी जी को चिट्ठी लिखूंगा साथ ही मुख्यमंत्री नायब सैनी से 22 जुलाई 2025 को बात करूंगा, भाजपा के शीर्ष नेताओं को भी गांव व प्रवासियों की परेशानी से अवगत करवाएंगे और अनंगपुर वासियों एवं प्रवासियों को उजड़ने नहीं दिया जाएगा।

अनंगपुर संघर्ष समित के सदस्यों ने सांसद का धन्यवाद किया

भाजपा के शीर्ष नेताओं को भी गांव व प्रवासियों की परेशानी से अवगत करवाएंगे। सासंद तिवारी ने ये भी कहा कि कुछ दिन बाद अनंगपुर धरना पर चाय पीने के फिर आएंगे। इस अवसर पर अजय पाल सरपंच, हरीचंद, भीम सिंह, चमन भड़ाना, ऋषिपाल, धर्म गुर्जर, सुशील, रिंकू, विवेक भड़ाना, सूबी भड़ाना, महेंद्र सिंह, दिनेश, भगवत, बल्ली पहलवान, जितेन्द्र भड़ाना, सुंदर भड़ाना, सतदेव, फिरे, राजकुमार, अमित, सनोज भड़ाना व ओमपाल सहित अनेक गणमान्य लोग व समिति के पदाधिकारी उपस्थित थे। गांव अनंगपुर संघर्ष समिति के सदस्यों ने सांसद का धन्यवाद किया और गांव को इस विपत्ति से बचाने की अपील की।

इनफिनिक्स का हॉट-60 5जी प्लस स्मार्टफोन लॉन्च

गुरुग्राम। इनफिनिक्स ने भारत में अत्याधुनिक हॉट 60 5जी प्लस स्मार्टफोन लॉन्च किया है। जबरदस्त फीचर्स वाला यह स्मार्टफोन उन लोगों के लिए बनाया गया है, जो बहु उपयोगिता, स्पीड और लंबे समय तक शानदार परफॉर्मेंस चाहते हैं। इस स्मार्टफोन में कस्टमाइजेबल वन टैप एआई बटन, मीडियाटेक डायमेंसिटी-7020 प्रोसेसर, 5,00,000 से अधिक एंटुटू स्कोर, 6जीबी एलपीडीडीआर 5एक्स रैम, 90 एफपीएस गेमिंग सपोर्ट और आईपी 64-सर्टिफाईड स्लिम 5जी डिजाईन हैं। इसमें इस उद्योग का पहला कस्टमाइजेबल वन टैप एआई बटन दिया गया है। यह स्मार्टफोन के डिजाइन में इंटीग्रेट होकर दैनिक कामों का आसान नियंत्रण प्रदान करता है। इसमें 5200 एमएएच की हाई-कैपेसिटी बैटरी लगी है, जो यूजर्स को एक ही चार्ज में गेमिंग, स्ट्रीमिंग, कॉल्स और सोशल ऐप के लिए पर्याप्त पावर प्रदान करती है।

खेत में मिली लाश

हत्या के मामले में दो आरोपियों को पकड़ा, गर्दन पर मिले निशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

हत्या के मामले में अपराध शाखा डीएलएफ की टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना छांयसा में भगतसिंह निवासी जल्हाका, पलवल ने अपनी दी शिकायत में बताया कि उसका भाई राजीव 13 जून को काम के लिए जाने की बोल कर घर से निकला था। बाद में पता चला कि वह अपने दोस्तों के साथ हरिद्वार चला गया। 29 जून को उन्हें खबर मिलती है कि उसके भाई राजीव की लाश छांयसा से हीरापुर रोड नजदीक केजीपी रोड सड़क के पास खेत में मिली है, जिसकी गर्दन पर निशान थे।

आरोपियों को अदालत में पेशकर रिमांड पर लिया

जिस शिकायत पर थाना छांयसा में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि अपराध शाखा डीएलएफ की टीम ने कार्रवाई करते हुए बल्लू व विनोद कुमार निवासी गांव छांयसा जिला फरीदाबाद को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में सामने आया कि मृतक राजीव की आरोपी बल्लू के बेटे के साथ दोस्ती थी। दोनों शराब पीते और आवारा घुमते रहते थे, जिस संबंध में बल्लू ने मृतक राजीव को काफी बार समझाया था कि उसके बेटे का साथ छोड़ दे क्योंकि शराब की वजह से उसके बेटे की पत्नी घर छोड़ के चली गई थी फिर भी वह नहीं माना तो उसको मारने की योजना बनाई और 28 जून की रात को बल्लू ने राजीव को अपने खेतों पर ले जाकर शराब पिलाई और जब राजीव को नशा हो गया तो गला दबा के उसकी हत्या कर दी और अपने भाई विनोद के साथ मिलकर लाश को खेत में बने कमरे के साथ छुपा दिया। आरोपियों को माननीय अदालत में पेश कर एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

खबर संक्षेप

बांके बिहारी मंदिर में ऊर्जा मंत्री को जाने से रोका

मथुरा। बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर को लेकर चल रहे विरोध ने नया मोड़ आया, जब ऊर्जा मंत्री एके

शर्मा खुद दर्शन के लिए मंदिर पहुंचे तो सेवायतों ने उनका दर्शन रोकते हुए पर्दा डाल दिया। इस दौरान उन्हें न तो प्रसाद मिला और न ही सम्मानस्वरूप पटका पहनाया गया। मौके पर मौजूद महिलाओं ने काली पट्टी बांधकर मंत्री को घेर लिया और 'हाय-हाय', 'वापस जाओ' जैसे नारे लगाए।

चंदन मिश्रा हत्याकांड में आठ पुलिसकर्मी सस्पेंड

पटना। यहां गैंगस्टर चंदन मिश्रा हत्याकांड मामले में आठ पुलिसकर्मियों पर गाज गिरी है।

लापरवाही बरतने के आरोप में 8 पुलिसवालों को सस्पेंड किया गया है। जिसमें एक दारोगा, दो सिपाही समेत कई पुलिसकर्मी शामिल हैं। ये कार्रवाई पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने की है। बताया जा रहा है कि हत्याकांड के दौरान गश्त में लापरवाही के आरोप में ये एक्शन लिया गया है।

बाजरा पर यूपी सरकार दे रही अनुदान व एमएसपी

लखनऊ। बाजरा श्रीअन्न की प्रमुख फसल है। यूपी में करीब 10 लाख हेक्टेयर में बाजरा की खेती

की जाती है। बाजरा शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित करती है। बाजरे में प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ में औषधीय गुण भी पाए जाते हैं। योगी सरकार इन्हीं गुणों को देखते हुए बाजरा किसानों को प्रोत्साहित कर रही है। कृषि विभाग ने किसानों से बाजरे की खेती कर सरकारी योजनाओं के लाभ लेने को कहा है।

महिला आर्थिक सशक्तीकरण की मिसाल बन रही योगी सरकार

उद्यमिता, रोजगार, शिक्षा, कौशल, सुरक्षा और सुरक्षा-परिवहन के आधार पर 75 जिलों का विश्लेषण किया गया है। 49 संकेतकों और 15 विभागों से जुटाए गए आंकड़ों पर आधारित रिपोर्ट से महिला आर्थिक सशक्तीकरण की एक नई तस्वीर सामने आई है

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में सीएम योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में राज्य सरकार महिला आर्थिक सशक्तीकरण में भी शानदार प्रयास कर रही है। महिला आर्थिक सश्क्तीकरण सूचकांक में लखनऊ, वाराणसी, झांसी, गौतमबुद्धनगर, प्रयागराज शीर्ष पर हैं। उद्यमिता, रोजगार, शिक्षा, कौशल, सुरक्षा और सुरक्षा-परिवहन के आधार पर 75 जिलों का विश्लेषण किया गया है। 49 संकेतकों और 15 विभागों से जुटाए गए आंकड़ों पर आधारित रिपोर्ट से महिला आर्थिक सशक्तीकरण की एक नई तस्वीर सामने आई है।

डब्ल्यूईई सूचकांक से उभरी नारी शक्ति की नई तस्वीर

चैंपियन जिलों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी

'चैंपियन' जिलों में महिलाओं की भागीदारी तेजी से बढ़ रही है। लखनऊ, कानपुर नगर, वाराणसी, झांसी, सुलतानपुर, गौतमबुद्ध नगर, प्रयागराज, अयोध्या, सोनभद्र, रायबरेली, गोरखपुर, देवरिया, अम्बेडकरनगर, आगरा और गाजियाबाद जैसे जिले 'चैंपियन' श्रेणी में शामिल हैं। ओडीओपी , उज्जवला, मिशन शक्ति जैसी योजनाओं से तस्वीर बदली है।

तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा में भागीदारी

महिलाएं अब पारंपरिक भूमिकाओं से आगे निकलकर को नेतृत्व और स्वरोजगार को अपना रही हैं और इसमें सफलता भी मिल रही है। उज्जवला योजना, स्वच्छ भारत मिशन, पुलिस भर्ती, शिक्षक भर्ती में महिलाओं को प्राथमिकता मिल रही है। तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा में भी महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है।

शिक्षा, सुरक्षा और परिवहन में हो रहा सुधार

चैंपियन जिलों में सरकारी योजनाओं की प्रभावी पहुंच, महिलाओं की सक्रिय भागीदारी और मजबूत संरचनात्मक समर्थन ने उल्लेखनीय परिणाम दिए हैं। शिक्षा, सुरक्षा और परिवहन में सुधार हो रहा है। तकनीकी और व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों में महिलाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए विशेष कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। मिशन शक्ति जैसे अभियानों ने सुरक्षा और सामाजिक चेतना को बढ़ावा दिया है।

योगी सरकार पर भूपेंद्र चौधरी और रामगोपाल यादव आमने सामने

भूपेंद्र चौधरी ने सपा शासन में कांवड़ यात्रा पर पाबंदी का लगाया आरोप

बरेली से लेकर संभल तक, भाजपा और सपा के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। एक ओर जहां भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने समाजवादी पार्टी पर कांवड़ यात्रा के दमन का आरोप लगाया। वहीं दूसरी ओर सपा के राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव ने सरकार को तानाशाही करार देते हुए बरेली के शिक्षक के समर्थन में मोर्चा खोल दिया है।

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

यूपी में कांवड़ यात्रा अब सिर्फ एक धार्मिक आयोजन नहीं रही बल्कि इसके बहाने राजनीति भी गरम हो गई है। बरेली से लेकर संभल तक भाजपा और सपा के बीच जुबानी जंग तेज हो गई

है। जहां भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने सपा पर कांवड़ यात्रा के दमन का आरोप लगाया। वहीं सपा के राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव ने सरकार को तानाशाही करार देते हुए बरेली के शिक्षक के समर्थन में मोर्चा खोल दिया है। बरेली में पहुंचे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने सर्किट हाउस में पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। मीडिया से चर्चा करते हुए उन्होंने सपा पर सीधा हमला बोला, कहा- सपा के शासन में कांवड़ यात्रा पर पाबंदियां लगाई जाती थीं, लेकिन अब यूपी में कानून का राज है। अगर कोई कानून को हाथ में लेगा तो सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने चेतावनी दी कि जो लोग कांवड़ यात्रा या आस्था का मजाक उड़ाने की कोशिश करेंगे, उन्हें कानून बख्शेगा नहीं।

संभल में रामगोपाल यादव का पलटवार

इधर संभल के बहजोई कस्बे में गुन्नौर के सपा विधायक रामखिलाड़ी यादव के पुत्र के अस्पताल के उद्घाटन कार्यक्रम में पहुंचे सपा के कद्दावर नेता और राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव ने योगी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने बरेली में कांवड़ यात्रा के विरोध में कविता लिखने वाले शिक्षक पर दर्ज एफआईआर को लेकर सरकार की नीतियों को तानाशाही बताया। उन्होंने कहा कि इस सरकार में अगर कोई गवर्नमेंट के खिलाफ बोलेगा तो उसके खिलाफ मुकदमा होगा। ये लोकतंत्र नहीं तानाशाही है।

सरकार में विचार व्यक्त करना भी अपराध

रामगोपाल यादव ने योगी सरकार पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि एक ओर जहां श्रद्धालुओं पर फूल बरसाए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर अगर कोई सवाल उठाए तो उसे अपराधी बना दिया जाता है। उन्होंने कहा कि कविता लिखना कोई गुनाह नहीं है, लेकिन इस सरकार में विचार व्यक्त करना भी अपराध बना दिया गया है। वहीं भाजपा इसे आस्था का सम्मान बता रही है और किसी भी अपमान को अस्वीकार्य मान रही है।

कांग्रेस नेता उदित राज का योगी आदित्यनाथ पर पलटवार

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता उदित राज ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उस बयान पर जोरदार पलटवार किया है, जिसमें मुख्यमंत्री ने कहा कि सोशल मीडिया पर फर्जी आईडी बनाकर कांवड़ यात्रियों को

बदनाम किया जा रहा है। सीएम योगी के इस बयान पर कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि कांवड़ियों को कोई बदनाम नहीं कर रहा है। उदित राज ने हाल की कुछ घटनाओं का हवाला देते हुए कांवड़ यात्रियों का पुलिस सत्यापन करने की मांग की। उन्होंने सुझाव दिया है कि कांवड़ यात्रियों का पुलिस सत्यापन होना चाहिए ताकि यह स्पष्ट हो सके कि कौन बदमाश है और कौन नहीं। सावन के महीने में कांवड़ यात्रा ले जाने वाले लोगों को मेरी ओर से शुभकामनाएं, लेकिन पुलिस वेरिफिकेशन होना बेहद ही जरूरी है ताकि कांवड़ यात्रा पर जाने वाले लोगों का बैकग्राउंड स्पष्ट हो।

एसआईआर के विरोध में साथ आने की अपील

राहुल-ममता-अखिलेश समेत 35 बड़े नेताओं को तेजस्वी की चिट्ठी

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार में जारी वोटर लिस्ट रिवीजन के खिलाफ नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने देश के बड़े 35 नेताओं को चिट्ठी लिखी है। जिसमें उन्होने आरोप लगाया है कि भाजपा सरकार के इशारे पर चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची पुनरीक्षण की आड़ में मतदान के अधिकार एवं लोकतंत्र पर हमले किए जा रहे हैं। चिट्ठी में मतदाता सूची पुनरीक्षण की आड़ में लोकतंत्र और संविधान के साथ हो रहे खिलवाड़ और धांधली के विरुद्ध संविधान बचाने के लिए एक साथ आने का किया आह्वान किया है।

12 से 15% मतदाताओं के नाम सूची से अलग किए जाने की आशंका जताई

तेजस्वी ने लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी चीफ ममता बनर्जी, यूपी के पूर्व सीएम और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत 35 नेताओं खत लिखा है। तेजस्वी ने चिट्ठी में बिहार में 12 से 15 प्रतिशत मतदाताओं के नाम मतदाता-सूची से अलग किए जाने की आशंका जताई। जिसका आकलन उनके अपने सूत्रों के आधार पर है।

बिना मतदाताओं की सहमति के हो रहा अपलोड

उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं की मिलीभगत से गणना-प्रपत्र बिना मतदाताओं की सहमति के अपलोड किए जा रहे। तीन दिन पहले 35 लाख नाम हटाए जाने की खबर पहले ही प्रकाशित और प्रसारित हो चुकी है। ऐसे में हम सब मिलकर इस प्रक्रिया का तब तक विरोध करेंगे जब तक यह पारदर्शी एवं समावेशी ना हो।

आगरा धर्मांतरण केसः छह राज्यों से 10 आरोपी गिरफ्तार, आईएसआईएस से जुड़े तार

एजेंसी ▶▶ आगरा

आगरा में सदर क्षेत्र की रहने वाली दो सगी नाबालिग बहनों के अपहरण और धर्मांतरण के मामले में आगरा पुलिस ने शनिवार को बड़ा खुलासा करते हुए छह राज्यों से 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया। धर्मांतरण गिरोह से जुड़े सभी आरोपी नाबालिग लड़कियों को साजिश का शिकार बनाते थे। पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, जहां से 10 दिन की रिमांड मिल गई। यह गिरोह छांगुर बाबा गिरोह से अलग है। डीजीपी राजीव कृष्ण ने मामले का संज्ञान लिया।

पुलिस आयुक्त दीपक कुमार और एटीएस ने मिलकर कोलकाता से शुक्रवार को दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। इसके बाद शनिवार को पुलिस ने एक युवती सहित आठ अन्य आरोपियों को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया।

धर्मांतरण कराने वाले इस गिरोह के तार अमेरिका, कनाडा सहित कई देशों तक फैले हुए हैं। इस गिरोह के तार आतंकी संगठन आईएसआईएस से जुड़े होने के साक्ष्य भी पुलिस को मिले हैं।

ताबड़तोड़ बरसाए थप्पड़ और लात-घूंसे

कांवड़ियों ने सीआरपीएफ जवान को घेरकर पीटा, एफआईआर

एजेंसी ▶▶ मिर्जापुर

सावन के महीने में कांवड़ यात्रा चल रही है। कांवड़िए जल भरकर भगवान शिव पर चढ़ाने जा रहे हैं। इस बीच कई स्थानों से मारपीट की भी खबर सामने आ रही है। इसी क्रम में मिर्जापुर का भी एक मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें कुछ कांवड़िए एक सीआरपीएफ जवान को रेलवे स्टेशन पर पीट रहे हैं। इसे लेकर अब आरपीएफ ने तीन कांवड़ियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

मिर्जापुर रेलवे स्टेशन पर शनिवार को तब हड़कंप मच गया। जब कुछ कांवड़ियों ने एक सीआरपीएफ जवान के साथ मारपीट की। जानकारी के मुताबिक सावन माह में बैद्यनाथ धाम में जलाभिषेक करने के लिए विभिन्न ट्रेनों से कांवड़िए जा रहे है। शनिवार को सुबह साढ़े नौ बजे के करीब ब्रह्मपुत्र मेल से बैद्यनाथ धाम जाने के लिए कांवड़ियों का एक समूह मिर्जापुर रेलवे स्टेशन के टिकट काउंटर पर टिकट लेने के लिए पहुंचे थे। इसी बीच सीआरपीएफ में तैनात देहात कोतवाली क्षेत्र के खुटहा के रहने वाले दीनानाथ का बेटा गौतम कुमार भी टिकट लेने के लिए काउंटर पर पहुंचा। पहले टिकट लेने के विवाद में कांवड़ियों की आरपीएफ के जवान गौतम कुमार से विवाद हो गया। यह विवाद इतना गंभीर हो गया कि कांवड़ियों ने सीआरपीएफ के जवान की लात-घूसों से पिटाई शुरू कर दी।

सोरेने बोले- यह काम दोनों की जिम्मेदारी

शाह को पत्र लिख बकाया 13,300 करोड़ रुपए माफ करने की मांग

एजेंसी ▶▶ रांची

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर राज्य में नक्सल-रोधी अभियानों में सीआरपीएफ की प्रतिनियुक्ति के लिए झारखंड द्वारा केंद्र को दी जाने वाली 13,300 करोड़ रुपए की राशि को माफ करने की मांग की है। सोरेन ने कहा कि यदि राज्य को इतनी बड़ी राशि का भुगतान करना पड़ा तो झारखंड की विकास योजनाएं गंभीर रूप से प्रभावित होंगी।

उन्होंने पत्र में लिखा, 'नक्सलवाद को समाप्त करना राज्य और केंद्र सरकार की संयुक्त जिम्मेदारी है, मैं केंद्र सरकार से आग्रह करता हूं कि झारखंड में नक्सल-रोधी अभियानों के लिए सीआरपीएफ की प्रतिनियुक्ति के एवज में राज्य सरकार पर बकाया 13,299.69 करोड़ रुपए की राशि को पूरी तरह माफ किया जाए।'

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के गठन से लेकर अब तक झारखंड नक्सलवाद प्रभावित राज्य रहा है और नक्सल-रोधी अभियानों में 400 से अधिक पुलिसकर्मी मारे गए हैं। उन्होंने कहा, 'मैं अपेक्षा करता हूं कि केंद्र सरकार सहकारी संघवाद की भावना के तहत सकारात्मक रवैया अपनाते हुए इस राशि को माफ करेगी।'मुख्यमंत्री ने धन की कमी के कारण विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में राज्य के सामने आने वाली कई चुनौतियों का हवाला दिया।

पेज एक का शेष

'ऑपरेशन सिंदूर के...

कह रहे हैं? वहीं, यहां पर ध्यान देने वाली एक बात ये भी है कि अमेरिका के विदेश मंत्रालय और विदेश मंत्री मार्को रुबियो द्वारा पहलगाम हमले के दोषी लश्करे-ए-तैयबा के मुखौटा आतंकवादी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) को विदेशी आतंकी संगठन घोषित करने के तुरंत बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान सामने आया है।

पीएम ने साफ ....

लिए गए हुए थे। 26 में से 25 भारतीय और 1 नेपाल का नागरिक था। ऑपरेशन सिंदूर चार दिनों (7 से 10 मई) तक चला था। 10 मई की शाम 5 बजे पाकिस्तान की पहल पर भारत संघर्षविराम के लिए राजी हुआ था। इसमें दुनिया के किसी अन्य देश की कोई भूमिका नहीं रही है। ये पूरी तरह से भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय आधार पर हुआ है। पीएम ने अमेरिकी राष्ट्रपति को वर्तमान में भारत की आतंकवाद के खिलाफ बनी हुई जीरो टॉलरेंस की नीति के बारे में भी देश के इरादे साफ कर दिए थे। उन्होंने कहा था भारत भविष्य में भी इसी के तहत आतंकवाद के खिलाफ अपनी कार्रवाई को पूरी दृढ़ता के साथ जारी रखेगा।

जारी है ऑपरेशन....

समान मानेंगे और उसके खिलाफ उसी अंदाज में मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान पर लगाई गई कूटनीतिक पाबंदियां वर्तमान में भी जस की तस जारी हैं। जब तक पाकिस्तान उसके अपने देश में मौजूद आतंकवाद की फैक्ट्री का पूरी तरह से खात्मा नहीं करता है। तब तक भारत के साथ उसके द्विपक्षीय संबंध फिर से सामान्य नहीं होंगे।

नुकसान का प्रमाण ....

कोई सबूत (तस्वीर) है तो उसे जरूर दिखाएं। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कुछ विमानों के संबंध में नुकसान की बात कही थी। लेकिन उनकी कोई संख्या नहीं बताई।

पीएम ने स्वामी...

में आध्यात्मिकता रची-बसी है। महाराज जी की आत्मीयता, स्नेह और मार्गदर्शन से अभिभूत हूं।

राहुल ने वाड्रा....

हैं। इससे एक बात बहुत स्पष्ट हो जाता है कि कांग्रेस की राजनीति का आधार क्या है। हम भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे कांग्रेस के प्रथम परिवार से पूछना चाहते हैं कि यदि आपका पारिवारिक मामला था तो इस पर राजनीतिक आरोप आप क्यों लगा रहे हैं।

यह पारिवारिक मुद्दा...

रूप से पारिवारिक मुद्दा है, न कि राजनीतिक। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी भ्रष्टाचार से अर्जित वाड्रा की संपत्तियों की रक्षा के लिए आगे आए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता खुद भ्रष्टाचार के एक मामले में जमानत पर बाहर हैं।

मुख्यमंत्री के साथ...

कि वे यह सुनिश्चित करेंगे कि मुख्यमंत्री को विपक्ष के विचारों से अवगत कराया जाए। इससे पहले, मुख्यमंत्री सैनी ने अपने मंत्रिमंडल सहयोगियों के साथ हरियाणा राजभवन में मनोनीत राज्यपाल प्रो. अशीम कुमार घोष का स्वागत किया। इस अवसर पर हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण, विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार, शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा, शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा, खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री राजेश नागर, मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी सहित राज्य सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

केंद्रीय कृषि मंत्री...

समूहों की दीदियों से संवाद किया। किसानों से बातचीत करते हुए चौहान ने मूंगफली की उन्नत किस्मों, बीजों की गुणवत्ता, उपयोग की जा रही खाद और उत्पादन तकनीकों पर गहराई से चर्चा की। किसानों ने उन्हें मूंगफली की खेती में आने वाली मौसमी चुनौतियों, बाजार मूल्य और सिंचाई से जुड़ी समस्याओं से अवगत कराया।

खाद्य सुरक्षा में ....

ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत 10 लाख से अधिक आय प्राप्त करने वाली 50 लखपति दीदियों की सफल प्रेरणादायी कहानियों के संकलन का प्रकाशन किया। साथ ही संस्थान के वार्षिक प्रतिवेदन 2024 का विमोचन भी किया।

सीडीएस ने किया...

संख्या 45 है। कार्यक्रम के दौरान डीएसएससी कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स ने सीडीएस को कॉलेज में जारी प्रशिक्षण गतिविधियों से अवगत कराया।

नाइजर में आतंकी...

के बीच हमेशा सतर्क रहने की सलाह दी गई है। यह जानकारी मिशन ने अपनी एक एक्स पोस्ट के जरिए दी है।

शोक संतप्त परिवारों ....

हैं। साथ ही ये दावा भी किया कि वह दोनों मृतकों के शवों को वापस लाने और आतंकियों द्वारा अपहरण किए गए एक भारतीय की सुरक्षित रिहाई सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय प्राधिकारियों के संपर्क में है। नाइजर में रह रहे भारत के सभी नागरिकों को हरदम चौकन्ना रहने की सलाह भी मिशन द्वारा दी गई है।

आतंकियों के निशाने...

किया गया। इसके अलावा अप्रैल में एक स्विस महिला और पांच भारतीय श्रमिकों को उनके घर से उठाकर आतंकी ले गए।

जिहादी आतंकवाद से ...

मार दिया। यह उनके ग्रामीण इलाकों में किए गए नरसंहार के साथ अपना दबदबा बढ़ाने की कोशिशों को दर्शाता है।

पटना में कांग्रेस के रोजगार मेले में बेरोजगारों का रेला

अल्लावारू बोले- सरकार आई तो लाखों नौकरियां देंगे

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार चुनाव में रोजगार और नौकरी का मुद्दा सबसे बड़ा मुद्दा बनकर सामने आ रहा है। नीतीश सरकार ने जहां अगले 5 साल में एक करोड़ से ज्यादा नौकरी और रोजगार देने का दावा किया है, तो वहीं अब महागठबंधन की सहयोगी कांग्रेस ने भी शनिवार को पटना के ज्ञान भवन में महा रोजगार मेले का आयोजन किया। जिसमें हजारों की तादाद में युवा पहुंचे। मेले में युवाओं की भारी भीड़ रोजगार की तलाश में पहुंची। इस मेले में वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठा प्राप्त कई कंपनियों ने हिस्सा लिया और प्रदेश के हजारों युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किए।

बिहार में नौकरी और पलायन सबसे बड़ा मुद्दा

इस मौके पर बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावारू ने कहा कि बिहार में नौकरी और पलायन सबसे बड़ा मुद्दा है। जिसको हमने 'नौकरी दो, पलायन रोको यात्रा' के जरिए उठाया है। जिम्मेदार विपक्ष के नाते हम सिर्फ समस्यायों को हाइलाइट नहीं कर रहे, बल्कि समाधान भी निकाल रहे हैं। विपक्ष में रहते हुए रोजगार मेला हमारा छोटा सा प्रयास है कि बिहार के आम लोगों को रोजगार कैसे दिया जा सके। अगर हम सरकार में आएंगे तो यही काम लाखों की तादाद में करेंगे।

कांग्रेस की सरकार बनी तो ताकत से समस्या का हल ढूंढेंगे

अल्लावारू ने कहा कि रोजगार मेले में एप्लीकेशन बहुत ज्यादा होते हैं। सेलेक्शन का काम निजी कंपनियों का होता है। हमारा काम निजी कंपनियों और युवाओं को मिलाना है। जिस युवा में जितनी सामर्थ्य है, और कंपनियों की जो जरूरतें हैं। उसके मुताबिक जरूर नौकरियां मिलेंगी। हमारा प्रयास समस्या का समाधान देने का है। भले ही कुछ हजारों युवाओं को नौकरी मिलेगी। लेकिन हमारी सरकार बनती है, तो और ताकत से समस्या का हल ढूंढेंगे।

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

कभी-कभी बन जाएं बच्चे
जी भर करें लाइफ एंज्वॉय

जीवन में सबसे सुहाने दिन बचपन के ही होते हैं। उस दौर से जुड़ी यादें हम कभी नहीं भूल पाते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि हम बड़े हो गए तो अब बच्चों जैसी हरकतें नहीं कर सकते। जब भी मौका मिले, कुछ पल के लिए ही सही फिर से बच्चा बनकर देखिए, आपका तनाव गायब हो जाएगा और लाइफ को भरपूर एंज्वॉय कर पाएंगे।

अपनी जिंदगी में रोजमर्रा की जिम्मेदारियों के बोझ से व्यथित होकर अकसर हम अपने बचपन के दिनों की मस्ती, बेपरवाही और उन दिनों से जुड़ी कुछ खास बातों को याद करके उदास हो जाते हैं और अनायास ही बोल पड़ते हैं, *बचपन के दिन भी क्या दिन थे, उड़ते फिरते थे तितली बन।* कई बार मन में ऐसा भी खयाल आता है कि सब के सपनों को साकार करने में, दुनिया की उम्मीदों पर खरा उतरने की कोशिश में, कितना थक जाते हैं हम। हम सोचने लगते हैं कि काश, फिर से वो बेफिक्री आ जाए, जो बचपन के दिनों में हुआ करती थी। वाल्ट डिजनी ने कहा था, 'इस दुनिया की मुश्किल यह है कि बहुत सारे लोग बड़े हो गए हैं।'

नहीं भूलते वो मस्ती भरे दिन

इस दुनिया में शायद ही कोई शख्स होगा, जो अपने बचपन के दिनों में लौट जाने की ख्वाहिश ना रखता हो, जब जिम्मेदारियां कम थीं और खुशियां बेशुमार। होमवर्क को झटपट पूरा किया और घर से बाहर निकल गए कॉलोनी के पार्क में, मकान की छत पर या अपनी बालकनी में। कभी मिट्टी में लथपथ हुए, तो कभी बारिश के पानी में भीगे। बाजार से गेंद नहीं ला पाए तो रद्दी कागजों का गोला बनाकर खेलने लगे। महंगे खिलौने ना हों तो कागज की नाव या पतंग ही सही। बस मस्ती चाहिए थी, हर कीमत पर।

करें ऐसा, जिसमें आए मजा

आप चाहें तो आज अपने बचपन वाली उम्र भले वापस ना ला सकें, लेकिन 40, 50, 60 साल के होने के बावजूद दिल बचपन का ला सकते हैं। इससे न सिर्फ आपको अनूठी खुशी मिलेगी बल्कि स्ट्रेस लेवल भी कम होगा। याद कीजिए बचपन में हम कितने क्रिएटिव होते थे। हमारे पास हर चीज का विकल्प था। माचिस की बेकार डिब्बियों से टीवी जैसी आकृति बना लेते थे। अखबारों या पत्रिकाओं से कटी तस्वीरों को एक के बाद एक चिपका कर लंबा करना फिर उनके दोनों सिरे पर 2 तिनकों में लपेटना। फिर डिब्बी बीच से काटकर स्क्रीन बनाकर तिनके घुमाते हुए अलग-अलग तस्वीरें

देखना। एक रुपए के लट्टू या 2 रुपए की गेंद से दिनभर खेलना, मस्ती करना। कागज की नाव बनाकर उसे बरसात के पानी में चलाना। चित्रकारी, डांस, कॉमिक्स पढ़ना, किसी गीत की पैरोडी बनाकर उसे गुनगुनाना हमें कितना प्रफुल्लित करता था। अब भी क्या बिगड़ा है! अब भी आप ऐसी क्रिएटिव एक्टिविटी अपनाएं, जो आपको खुशी दे। कुकिंग, डांसिंग, सिंगिंग, ड्राइंग कुछ भी कीजिए ताकि कुछ देर अपनी जिम्मेदारियों को भूल कर उसमें व्यस्त हो जाएं।

याद करिए गुजरे हुए दिन

किसी ने कहा है, *टूटे बर्तन को खिलौना बना लेते हैं, हम बच्चे हैं हर जगह आशियाना बना लेते हैं।* अगर इसी सिद्धांत पर आज भी चलें तो आप खूब खुश रहेंगे। अगर आप संयोगवश अभी उसी शहर में रहते हैं, जहां आपका जन्म हुआ और बचपन बीता तो कभी उस गली या मोहल्ले में जाइए, जहां आपने बचपन बिताया और उन दिनों को शिद्दत से याद कीजिए। उस मकान के अड़ोस-पड़ोस में रहने वाले लोगों से मिलिए, जहां आप रहते थे। उनसे खूब गपशप कीजिए। अगर आपका शहर बदल गया है तो आप गूगल की मदद से उस मोहल्ले, पार्क या स्कूल को देख सकते हैं, जहां आपने बचपन बिताया था, या फिर फेसबुक के माध्यम से अपने बचपन के दोस्तों को ढूंढ़ कर उनसे बातचीत कर सकते हैं। आपके पास बचपन की तस्वीरों का एल्बम हो तो उन तस्वीरों को देखिए और एक-एक तस्वीर से जुड़ी बातें याद कीजिए। वही वाली टॉफी खरीदकर फिर से खाइए, जो आपको खूब पसंद हुआ करती थी। उस मिठाई की

दुकान पर जाकर समोसा या कचौरी खाइए, जहां के समोसे, कचौरी आप बचपने में बड़े चाव से खाते थे। आप कुछ देर के लिए ही सही अपने बचपन में पहुंच जाएंगे। यकीन मानिए, किसी की लिखी ये पंक्तियां आपको बरबस याद आ जाएंगी कि *नंगे पांव दौड़ते थे उस बचपन में। बढ़ते तजुर्बे ने पैरों में चुभन का एहसास करा दिया।*

खूब लें राइडिंग का मजा

अपने बचपन को लौटाने के लिए, उन पलों को फिर से जीने के लिए आज के जमाने में बेस्ट प्लेस हैं एम्यूजमेंट पार्क। एम्यूजमेंट पार्क में छोटे बच्चों को खेलते देखकर आपको अपना बचपन याद आ जाएगा। फिर तरह-तरह के राइड्स का आनंद लेना, वहां घूमना-फिरना और मस्ती करना आपके अंतर्मन को पूरी तरह खुश कर देगा। जब मौका मिले, आप ऐसी जगहों पर जरूर जाएं और राइड्स के साथ-साथ वहां मिलने वाले डिफरेंट फूड्स एंज्वॉय करना ना भूलें।

बचकानी हरकतों से ना झिझकें

किसी ने क्या खूब लिखा है, *झूठ बोलते थे फिर भी कितने सच्चे थे हम। यह उन दिनों की बात है जब बच्चे थे हम।* आपने देखा होगा कि बच्चों को जो पसंद आता है, वे उसे पूरी मस्ती के साथ करते हैं। चाहे खेलना-कूदना हो, गाना हो या नाचना हो। उन्हें इस बात की बिल्कुल परवाह नहीं रहती कि कोई क्या सोचेगा या क्या कहेगा? उनका पूरा ध्यान सिर्फ अपनी खुशी और मस्ती में होता है। आपको भी बिल्कुल वही बेपरवाही अपनानी होगी। अपने हमउम्र दोस्तों के साथ ठहाके मारकर हंसना, चुटकुले सुनाना, डांस करना या जो अच्छा लगता हो करें। यकीन मानिए आप अपनी उम्र काफी कम महसूस करने लगेंगे। इस बारे में मनोचिकित्सक डॉक्टर संजय गर्ग कहते हैं, 'हम वयस्क होकर भी बच्चों जैसी मस्ती कर सकते हैं, लेकिन इसके लिए बनावटी कंफर्ट जोन से बाहर आकर रियल कंफर्ट जोन में जाने के लिए मेंटली प्रिपेयर होना पड़ेगा।' *

लाइफस्टाइल / अंजू जैन

कुछ लोगों की आदत होती है कि वे हर छोटी-बड़ी बात पर जरूरत से ज्यादा सोच-विचार यानी ओवर थिंकिंग करते हैं। इससे वे कोई भी निर्णय जल्द नहीं ले पाते हैं। अगर आप भी ऐसी समस्या से ग्रस्त हैं तो यहां बताए जा रहे उपायों को आजमा सकते हैं।

क्या आप भी करते रहते हैं
हर बात पर ओवर थिंकिंग

यह सही है कि कोई भी काम अच्छी तरह सोच-विचार कर करना चाहिए। विचारशीलता और मनन करना अच्छी बात है। लेकिन जब आपका चिंतन, मनन या विचार मंथन जरूरत से ज्यादा समय तक या ज्यादा मात्रा में होने लगता है तो यह अनायास ही चिंता और ओवर थिंकिंग की आदत में तब्दील हो जाता है, जो लाइफस्टाइल को प्रभावित कर सकता है। इसलिए इस हैबिट से उबरने के लिए यहां बताई जा रही बातों पर अमल करें।

दूसरों पर ध्यान न लगाएं: हमारा मन अकसर बाहरी कारकों पर ध्यान केंद्रित करने पर उलझा रहता है। जब हम ईर्ष्या, दूसरों द्वारा हमारी आलोचना, दूसरों की सुख-समृद्धि पर ध्यान केंद्रित करते हैं तो हमारा मन अस्थिर और अशांत हो जाता है। इसलिए बेहतर होगा कि हमारी सोच और चिंतन का दायरा उन्हीं चीजों तक सीमित हो, जिन्हें हम सुधार, बदल या नियंत्रित कर सकते हैं। पुस्तक 'हेवनॉट गॉट टाइम फॉर द पेन' में लिखा गया है कि आपको अपने उलझे हुए विचारों को बदलना और उनका समाधान करना सीखना चाहिए। सबसे पहले जानिए कौन से विचार आपको पीड़ा देते हैं? उन विचारों को छोड़ने की कोशिश करें। ज्यादा सोचने से चीजें उलझ जाती हैं। इसलिए जीवन जीने और सोचने की प्रक्रिया को सरल रखें।

धैर्य बनाए रखें: यह एक मूलभूत सिद्धांत है कि आप जो अभी बोएंगे उसकी फसल आप बाद में काट पाएंगे। लेकिन हमारा चंचल स्वभाव इस बात को मानता नहीं और वह तुरंत परिणाम न मिलने पर विचलित हो जाता है। अपनी मेहनत के परिणाम के लिए जरा सा धैर्य रखिए फिर भी वांछित नतीजा ना मिले तो उस पर पुनर्विचार करिए।

भाग्य को न कोसें: मुश्किल परिस्थितियों में मनुष्य भाग्य को दोष देता है। लेकिन उसका भाग्य अधिकांशतः उसके चरित्र, जुनून, गलतियों और कमजोरी का ही प्रतिबिंब होता है। उसे अपने अवसरों से संतुष्ट रहना चाहिए और उनका फायदा उठाने की युक्ति पर विचार करते हुए स्वयं को बेहतर करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

परफेक्शन की जिद छोड़ें: कई लोग पूर्णतावाद के शिकार होते हैं। वह किसी काम को करने के बाद भी बार-बार सोचते हैं कि इसे और कैसे बेहतर किया जाए? अगर आपकी भी यह समस्या है तो इससे उबरें। एक काम के बाद अपनी अगली प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करें।

टू द पॉइंट सोचें: आप क्या सोच रहे हैं, क्यों सोच रहे हैं और किन मूल बिंदुओं पर आपका चिंतन है, यह पूरी तरह स्पष्ट होना चाहिए। इसके लिए बिंदुओं को लिख लीजिए। विभिन्न पहलुओं पर गौर कीजिए और फिर सोचिए। ऐसी सोच आपको निर्णय लेने में मददगार होगी और समय भी नष्ट नहीं होगा।

अनुभवी लोगों से मिलें: विचार मंथन की प्रक्रिया अगर लंबी खिंच रही हो और आप किसी निर्णय पर नहीं पहुंच पा रहे हों तो अनुभवी व्यक्तियों से सलाह लें। कुछ परिस्थितियों में सबसे अच्छा यह होता है कि आप अपनी गट फीलिंग का उपयोग करें। आपका अंतर्मन यानी सिक्स्थ सेंस जो कहे उसे ही सही मानें। कई शोध हो चुके हैं, जिनसे पता चलता है कि गट फीलिंग और लॉजिकल सोच का संयोजन सही निर्णय लेने में मददगार होता है।

मन को थकाने से बचें: आपको हर दिन छोटे-बड़े सैकड़ों निर्णय लेने होते हैं, जो आपके मन को थका सकते हैं। ऐसे में बहुत जरूरी है कि अपने दिमाग की शक्ति को बचाने के लिए एक दिनचर्या बनाएं, जिसमें उलझे हुए विषयों पर विचार के लिए एक वक्त तय कर दें। इसी समय जरूरी बातों पर निर्णय लें। बेवजह विचारों के सागर में डूबे रहना समय और ऊर्जा की बर्बादी है। इसकी बजाय सकारात्मक सोच के बीज बोएं और जरूरी चीजों पर विचार करें। पुस्तक 'डेवलपिंग इन टू, हेल्दी थिंकर्स' में कहा गया है कि सकारात्मक वाक्य हमें एक खुशहाल और भयमुक्त जीवन बनाने में प्रभावशाली रूप से मदद करते हैं। अपनी आवश्यकताओं के अनुसार सूक्तियां चुनें या अपने प्रेरक वाक्यांश बनाएं और उन पर अमल करें।

समय पर छोड़ दें: अगर आप यह सोचकर चिंतित रहते हैं कि पता नहीं कोई समस्या सुलझेगी या नहीं, तो याद करें अतीत में आपने कितनी ही समस्याओं को सुलझाया है। इससे आपकी थिंकिंग पॉजिटिव साइड में चली जाएगी। इसके साथ ही आपको यह भी याद रखना चाहिए कि कई समस्याएं तो समय के साथ सुलझ जाती हैं। ओवर थिंकिंग से बचने का सबसे आसान तरीका पुस्तक 'स्टॉप लुक एंड लिसन' में बताया गया है। इस पुस्तक में विस्तार से समझाया गया है कि आप वर्तमान में जिएं और उस क्षण को पूरी तरह महसूस करें। जिंदगी को एक तय उद्देश्य के साथ आगे बढ़ाएं। कर्म पर विश्वास करें और अपनी मानसिक स्थिति पर नियंत्रण रखें। *

सजेशन
मोनिका शर्मा

स्मार्ट गैजेट्स से दूर रहकर भी
मिल सकती है खुशी-सुकून

हालांकि आज के दौर में स्मार्ट गैजेट्स से पूरी तरह दूर रहना तो संभव नहीं रह गया है। लेकिन अगर केवल इस पर इंटरनेट यूज को कंट्रोल कर लें तो भी खुशी और सुकून हासिल कर सकते हैं।

सब कुछ पा लेने से ही सुकून नहीं मिलता। खुशी का मतलब दुनिया भर से जुड़े रहना ही नहीं होता। टेक्नीक के घेरे में घिरी आज की जिंदगी में स्मार्ट तकनीकों से लैस गैजेट्स से दूरी बनाना भी मन को सुख दे सकता है। वर्चुअल दुनिया में अनजान लोगों तक से जुड़ने और हर पल जुड़े रहने के बजाय, स्क्रीन की मौजूदगी पर लगाम लगाना भी मन को खुशी दे सकता है। टिक-टिक की आवाज पर हमारा ध्यान भटकाते नोटिफिकेशंस को बंद रखना भी मन को शांत सहज रख सकता है। कनाडा और अमेरिका में हुआ एक ताजा अध्ययन नोटिफिकेशंस की टोन पर भागते मन की लगाम थामकर असली दुनिया में सच्चे सुख को जीने की बात पुख्ता करता है।

टिक-टिक पर कंट्रोल के लाभ: बीते कुछ वर्षों में स्मार्टफोन का साथ एक आदत बन गया है। बहुत से लोगों के लिए तो स्क्रीन में झांकते रहना किसी लत से कम नहीं। वहीं इस आदत के खामियाजों को समझकर खुद को वर्चुअल व्यस्तता से बचाने के प्रयास भी खूब किए जा रहे हैं। हालांकि आज के समय में फोन एक जरूरत भी बन गया है। इससे पूरी तरह दूर रहना भी मुश्किल है। पर इसके लती बनने से तो बचा जा सकता है। अमेरिका और कनाडा की कुछ यूनिवर्सिटीज द्वारा एक महीने तक 467 आईफोन यूजर्स पर की गई एक रिसर्च इस मोर्चे पर सही और सहज राह दिखाती है। असल में इस स्टडी में शामिल होने वाले लोगों को फोन का उपयोग पूरी तरह बंद करने की बजाय इंटरनेट का इस्तेमाल न करने को कहा गया था। इन लोगों के फोन में बाकायदा एक एप डाउनलोड की गई थी, जो फोन

पर मोबाइल इंटरनेट ब्लॉक करने से जुड़ी थी। अध्ययन में सामने आया कि इंटरनेट बंद रखना लोगों का फोकस बढ़ाने और दिमाग भी जवान करने में मददगार साबित हो सकता है। इतना ही नहीं कुछ दिनों तक अगर फोन में ऐसी सेटिंग रखी जाए तो मूड में भी सुधार हो सकता है। इंसान का दिमाग तो 10 साल तक जवान हो सकता है। स्पष्ट देखने में भी आ रहा है कि पल-पल मिलते नोटिफिकेशंस यूजर्स का ध्यान भटकाने और मेमोरी लॉस का कारण बन रहे हैं। ऐसे में इंटरनेट सेटिंग्स के माध्यम से टिक-टिक पर लगाम लगाने के बहुत लाभ यूजर्स को मिल सकते हैं। आम लोगों के लिए भी खुद को स्मार्ट गैजेट्स से दूर रखने के लिए कुछ समय तक मोबाइल इंटरनेट बंद रखने का यह रास्ता अपनाने योग्य है।

सेटिंग्स का खास असर: फोन की सेटिंग्स चेंज करना कोई बड़ा बदलाव प्रतीत नहीं होता पर इसका असर बहुत अहम है। एक महीने की इस रिसर्च में दो हफ्ते बाद ही लोगों पर मोबाइल इंटरनेट बंद रखने की साधारण सी सेटिंग्स का असाधारण प्रभाव दिखने लगा। अध्ययन में शामिल लोगों ने माना कि वे पहले से ज्यादा खुश हैं। साथ ही अपनी जिंदगी को लेकर उनमें संतुष्टि का भाव भी बढ़ गया है। टिक-टिक या कोई और नोटिफिकेशन टोन को बंद रखने से यूजर्स को ना केवल मानसिक तौर पर स्वस्थ महसूस हुआ बल्कि यह बेहतरी से जुड़े ये बदलाव कॉग्नेटिव बिहेवियरल थेरेपी के बराबर थे। रिसर्च में शामिल लोगों ने बताया कि फोकस्ड रहने को लेकर भी उन्होंने पॉजिटिव बदलाव महसूस किए। साथ ही अटेंशन टेस्ट में इन लोगों के दिमाग ने अपने से 10 साल जवान लोगों के बराबर परफॉर्म किया।

हर फ्रंट पर पॉजिटिव बदलाव: इस स्टडी में सामने आया कि लोगों ने फोन छोड़कर अपने से जुड़े इंसानों के साथ ज्यादा समय बिताया। अच्छे से नींद लेने और एक्सरसाइज करने पर भी ध्यान दिया। लोगों ने हर रात औसतन 17 मिनट अधिक नींद ली। इन नतीजों को देखते हुए रिसर्चर का कहना है कि स्मार्ट फोन से पूरी तरह दूरी नहीं बनाई जा सकती पर इसके इस्तेमाल में बैलेंस रखना बहुत आवश्यक है। यह बहुत व्यावहारिक सा पक्ष है कि हर पल मिलते नोटिफिकेशंस से दूर रहना मानसिक ठहराव देने का काम करता है। यह ठहराव एकाग्रता की सौगात देता है। फोकस्ड रहने वाला इंसान कामकाजी संसार में बेहतर परफॉर्म कर पाता है। *

नवगीत
माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

कांच के बर्तन

नहीं होते भरोसेमंद
कांच के बर्तन
करने लगते हैं हवा के
सामने नर्तन।
फिजूल दूध को खौलाते रहे
मथ डाले
निकाल लेते हैं मलाई
बेचने वाले
हक में आता है क्रेताओं
के अब खुरचन।
सिर्फ बदली हैं तख्तियां
बदले हैं मुखड़े
नई नहीं है संरचना
बदले हैं टुकड़े
हुआ नहीं है सालों से
कोई परिवर्तन।
काटने की लगी है होड़
अंधभक्तों में
फल और फूल नहीं दिखते
अब दरख्तों में
मांगने के लिए
होता है मिथ्या अर्चन।
स्वयंभू गुरुओं के चेलों
की हैं दुकानें
बखान करते हैं बौद्धिकता
के अफसाने
अपने जैसों के आगे
करते हैं गर्जन।
घरों को लूट रहे हैं
उनके रखवाले
जुबां पे आम आदमी के
पड़े हैं ताले
असत्य बोला नहीं करते
कभी भी दरपन।

व्यंग्य/ अंशुमाली रस्तोगी

लोग सोने के महंगा होने पर, अदृश्य डर के कारण, उसे लॉकर में डलवा देते हैं, जबकि मैंने सोना घर में ही रख छोड़ा है। वो इसलिए कल को अगर चोर मेरे घर चोरी करने आता है तो उसे निराश होकर न लौटना पड़े।

सोना और चोर

सोना जब देखो तब बमचक मचाए ही रहता है। ऐसे में न खरीदने वालों के हाथ आ पाता रहा है, न चोरों के। इससे सबसे अधिक 'आर्थिक नुकसान' हमारे चोर भाइयों का होता है। बेचारे न सोना चुरा पाते हैं, न बेच। महंगे होने के कारण लोगों ने सोना पहनना भी कम कर दिया है। और घर में जो रखा होता है, उसे लॉकर में डलवा देते हैं। अब चोर किस मुंह से किसी के घर चोरी करने जाए। सोना ही एक ऐसा आइटम है, जिसे चुराकर वे अच्छी कमाई कर लेते हैं। अपना घर चला लेते हैं। लेकिन उस पर भी अकसर ही ग्रहण लग जाता है। इसलिए छिनैती की घटनाएं भी अब घट गई हैं। वरना पहले तो चेन-कुंडल खींचने की वारदातें आए दिन अखबारों में पढ़ने को मिल जाया करती थीं। महिलाएं भी बड़ी अजीब हैं। अरे, अपने लिए नहीं तो कम से कम चोरों की भलाई के लिए ही सोना पहन कर घर से बाहर निकला करें। ताकि उन बेचारों की भी दुकान चलती रहे। एक यही तो उनकी कमाई का जरिया है, उस पर भी महंगाई की मार। घोर अन्याय है चोर बिरादरी के साथ। मैं इसकी सख्त शब्दों में मजम्मत करता हूं। सरकार को इस बारे में जरूर कुछ सोच-विचार करना चाहिए।

सोने के संग समस्या यही है कि वो कब बढ़ जाता है, कुछ पता नहीं चलता। रात भर में अपना दांव खेल देता है। लोगों ने भी सोने के प्रति ना जाने क्या मोह पाल रखा है कि रोटी पानी में डुबोकर खा लेंगे, लेकिन सोना जरूर खरीदेंगे। चाहे घर में खुद के रहने के लिए जगह न हो पर सोना जरूर रखेंगे। पहनने को चाहे ढंग के कपड़े न हों पर सोना जरूर पहनेंगे। मतलब हद है। यह नहीं होता कि थोड़ा सोना चोरों को भी दे दें ताकि उनका घर-परिवार भी चलता रहे। किसी गरीब की भलाई करने में दुआएं ही मिलती हैं।

चोरी करना कितना जोखिम भरा काम है, यह तो कोई चोर से ही पूछे। किसी अनजान घर में जाकर चुराई करना, मेरे तो सोचकर ही पसीने छूट जाते हैं। यहां मैं कलम चलाकर ही खुद को ऊंचा लेखक मानता हूं। अजी, कलम का क्या है कोई भी चला सकता है। परंतु चोरी हर कोई नहीं कर सकता। इसके लिए जिगर और इच्छाशक्ति दोनों की भरपूर जरूरत होती है। कभी-कभी तो चोर मुझे, लेखकों से कहीं अधिक सरल और सच्चे जान पड़ते हैं। लेखक चूंकि बुद्धिजीवी होता है, इसलिए हर समय शब्दों-भाषा का जाल बुनता रहता है। चोर सिर्फ चोर होता है। अपने धंधे से मतलब रखता है। यहां-वहां अपनी टांग नहीं फंसाता फिरता। वो तो खामख्वाह मैं लेखक बन गया, जबकि मुझे तो चोर ही बनना चाहिए था।

लोग सोने के महंगा होने पर, अदृश्य डर के कारण, उसे लॉकर में डलवा देते हैं, जबकि मैंने सोना घर में ही रख छोड़ा है। वो इसलिए कल को अगर चोर मेरे घर चोरी करने आता है तो उसे निराश होकर न लौटना पड़े। उसका भी घर-परिवार चलता रहे। वो मुझे दुआएं दे। सोने का क्या है, वो तो पैसे की तरह हाथ का मैल है। आज है, कल नहीं। बल्कि मैं तो कहता हूं, देश के हर नागरिक को चोरों का ख्याल रखना चाहिए। ज्यादा नहीं तो महीने में दो चोरियां तो अपने घर में करवा ही लेनी चाहिए। बड़े-बुजुर्ग भी कह गए हैं, धन बांटने से बढ़ता है।

सही बोल रहा हूं, सोने का चोरी चला जाना पुण्य का काम है। इससे घर में बरकत बनी रहती है। सोने का महंगा होना चोरों के पेट पर लात है।

मुझे आम आदमी की सोने के पीछे दीवानगी कभी समझ नहीं आई। जिसे देखो वो सोना जोड़ने में लगा पड़ा है। कोई शौक के लिए जोड़ रहा है तो कोई शादी के लिए जोड़ रहा है तो कोई आड़े वक्त के लिए जोड़ रहा है। अमां, क्या कीजिएगा इतना सोना जोड़कर। जबकि साथ कुछ नहीं ले जाना है फिर भी...। यही सोना जब चोरी चला जाता है तब रोते हैं। चोरों को बद्दुआएं देते हैं। थाने में रपट लिखवाते हैं। बेवजह पुलिस वालों को भी परेशान करते हैं। मैं तो फिलहाल इस प्रतीक्षा में हूं कि सोना जल्द थोड़ा और नीचे आ जाए और चोरों का कारोबार फिर से चल निकले। मुझे यह कतई अच्छा नहीं लगता कि हम खाएं और चोर बेचारे हमारा मुंह ताकें। उनका दाना-पानी भी चलता रहे तो क्या हर्ज है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

सर्जना और व्याख्या

वरिष्ठ लेखक-पत्रकार अवधेश श्रीवास्तव साहित्य के गंभीर पाठक-विवेचक भी हैं। लंबे समय से वे विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं के लिए पुस्तक समीक्षाएं लिखते रहे हैं। हाल में उनकी लिखी समीक्षाओं का संकलन 'सर्जना और व्याख्या' पुस्तकाकार में आया है। इसमें उनके द्वारा लिखी गई तीस पुस्तकों की समीक्षाएं संकलित हैं। अवधेश श्रीवास्तव पुस्तकों का मूल्यांकन पूरी गंभीरता से करते हैं। वे अगर किसी किताब की विशिष्टताओं को रेखांकित करते हैं तो उसकी खामियों पर भी अंगुली रखने से परहेज नहीं करते हैं। यहां विष्णु प्रभाकर, भगवती चरण वर्मा, असगर वजाहत, अलका सरावगी, गोविंद मिश्र, शिवमूर्ति, राम दरश मिश्र, ओम निश्चल आदि की पुस्तकों के अलावा अर्नेस्ट हेमिंग्वे के अनूदित उपन्यास 'शस्त्र विदाई' की समीक्षा भी पढ़ी जा सकती है। *

पुस्तक: सर्जना और व्याख्या (समीक्षात्मक लेख)
लेखक: अवधेश श्रीवास्तव, **मूल्य:** 250 रुपए,
प्रकाशक: शांभवी प्रकाशन, गाजियाबाद

खबर संक्षेप

बस और बाइक में टक्कर, दो गंभीर

जांजगीर चांपा। जांजगीर चांपा जिले के नवागढ़ के राछा भाटा मुख्य मार्ग में बस और बाइक के बीच भिड़ंत हुई हैं। हादसे का वीडियो सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। बाइक में महिला और दो युवक सवार थे, जिसमें महिला और एक युवक को गंभीर चोट आई है जिसे जिला अस्पताल जांजगीर में भर्ती कराया गया।

वहीं बस के सामने का शीशा क्षतिग्रस्त हुआ है। बस में सवार यात्री सुरक्षित हैं नवागढ़ पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार बाइक में शिवा देवार 24 साल, इंद्रजीत देवार 25 साल और महिला शिवानी 29 साल नवागढ़ की ओर जा रहे थे, इसी दौरान केरा रोड की ओर से शुक्ला बस आ रही थी। राछाभाटा में बस रुकी तभी सामने से आ रही तेज बाइक सामने से जा भिड़ी हादसे में बाइक के पीछे बैठी महिला उछल कर सड़क में जा गिरी। वहीं चालक शिवा देवार को हादसे में गंभीर चोट आई है जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

रेलवे ट्रैक के पास मिला वृद्ध का शव, जांच जारी

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में शनिवार की सुबह रेलवे ट्रैक किनारे एक बुजुर्ग की लाश मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिये अस्पताल भेजते हुए आगे की कार्रवाई में जुट गई है। मामला तमनार थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक तमनार थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम मौहापाली निवासी जोगीराम राठिया 60 साल का शव सुबह रेलवे ट्रैक किनारे मिली है।

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता अपने जींद के पैतृक गांव नंदगढ़ में जन्मदिन मनाया, सीएम सैनी ने दी बधाई

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत बना चौथी आर्थिक महाशक्ति: नायब सैनी

पूर्ववर्ती सरकारों का देश के विकास के लिए नहीं था कोई स्पष्ट एजेंडा

•

सीएम ने अग्रसेन धर्मशाला का उद्घाटन तथा नंदी एवं कामधेनु गोशाला का भूमि पूजन किया।

- मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के अंत्योदय के सिद्धांत और विचारधारा को आगे बढ़ाया
- हम गर्व से कह सकते हैं कि भारत की अर्थव्यवस्था 11वें स्थान से चौथे स्थान पर पहुंच गई

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के अंत्योदय के सिद्धांत और विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत एक विकसित राष्ट्र की दिशा में तीव्र गति से अग्रसर है। 2014 के बाद भारत ने विकास की नई ऊंचाइयों को छुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' संकल्प में हरियाणा अग्रणी भूमिका निभाते हुए केंद्र के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढेगा। मुख्यमंत्री शनिवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री के जन्मदिन कार्यक्रम में पहुंचे और जींद में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने अग्रसेन धर्मशाला का उद्घाटन तथा नंदी एवं कामधेनु गोशाला का भूमि पूजन किया। धर्मशाला के लिए 31 लाख रुपये देने की घोषणा की। कार्यक्रम में दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। नायब सिंह सैनी ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में देश ने वैश्विक स्तर पर अपनी एक सशक्त पहचान बनाई है। पीएम का यह दृढ़ विश्वास रहा है कि भारत एक दिन आर्थिक महाशक्ति बनेगा, और आज हम गर्व से कह सकते हैं कि भारत की अर्थव्यवस्था 11वें स्थान से चौथे स्थान पर पहुंच गई है, विकास की यह यात्रा पीएम के नेतृत्व में ही संभव हो सकी है और आने वाले समय में निश्चित तौर पर भारत तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा।

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री जुलाना में महाराजा अग्रसेन धर्मशाला के उद्घाटन समारोह मं उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए। दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता जन्मदिन पर केक काटती हुई। फोटो: हरिभूमि

आप फलें, पूरे हरियाणा का आशीर्वाद आपके साथ

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने सीएम बनने के बाद पहली बार अपने पैतृक गांव नंदगढ़ में जन्मदिन मनाया। शनिवार को गांव में 49 साल बाद आई रेखा गुप्ता का जन्मदिन ही नही मनाया इस मौके पर हरियाणा प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि आप फलें, पूरे हरियाणा का आर्शीवाद आपके साथ है। कहा, हमारे हरियाणा की संस्कृति है कि बेटी को आर्शीवाद देकर भेजते हैं, धन्यवाद नही करवाते हैं। आप फलें यह हरियाणा का आर्शीवाद आपके साथ है। वहीं मंच से रेखा गुप्ता ने कहा कि दोनों प्रदेशों में भाई बहन की जोड़ी विकास का धुआं उठाएगी।

2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना लक्ष्य

मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले की सरकारों के पास देश के विकास का कोई स्पष्ट एजेंडा नहीं था, वे कुछ और ही एजेंडे पर काम करते थे। जबकि आज की सरकार का एकमात्र लक्ष्य 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' संकल्प में पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ योगदान करेगा। महाराजा अग्रसेन को नमन करते हुए नायब सिंह सैनी ने कहा कि अग्रसेन धर्मशाला का निर्माण केवल सीमेंट-कंकरीट से बनी एक इमारत नहीं है, यह महाराजा अग्रसेन जी के उन महान आदर्शों और सिद्धांतों का जीता-जागता प्रतीक है, जिन्होंने हजारों वर्ष पूर्व समाज को एक नई दिशा दी थी। महाराजा अग्रसेन जी धर्म, सेवा व समरसता के सच्चे ध्वजवाहक थे। उन्होने 'एक ईंट और एक रुपया' का जो सिद्धांत दिया, वह समाजवाद और सामाजिक समरसता का दुनिया का सबसे पहला और सबसे सफल सूत्र था।

दिल्ली की सीएम जनसेवा का कार्य कर रही

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की विचारधारा के साथ जुड़कर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जनसेवा का कार्य कर रही हैं। उन्होंने दिल्ली की मुख्यमंत्री की प्रशंसा करते हुए कहा कि श्रीमती रेखा गुप्ता साधारण परिवार से संबंध रखती हैं, और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की विचारधारा के साथ जुड़कर जनसेवा का कार्य कर रही हैं। उनका पूरा जीवन राष्ट्र को समर्पित रहा है और राष्ट्र के लिए इन्होंने लगातार काम किया है। श्रीमती रेखा गुप्ता की सोच, उनकी नीति और नियत यही है कि दिल्ली विकास की नई ऊंचाइयों को छुए। उन्होंने विश्वास दिलाया कि 'विकसित भारत' की यात्रा में हरियाणा और दिल्ली सरकारें मजबूती से आगे बढ़ेंगी।

दोनों भाई बहन मिलकर विकास का धुआं ठा देंगे: रेखा गुप्ता

दिल्ली हमारी कर्म भूमि है, हरियाणा जन्मभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जींद में स्थित पैतृक गांव नंदगढ़ में बर्थडे मनाया। उन्होंने मंच पर केक काटा। इस दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने उन्हें चांदी का मुकुट पहनाया। वहीं डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण मिड्ढा, मंत्री कृष्ण बेदी और विधायक रामकुमार गौतम ने उन्हें कोथली दी। इस मौके पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा दोनों भाई बहन मिलकर विकास का धुंआ ठा देंगे। इस मौके पर दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि जब वो 1994-95 में दिल्ली विश्वविद्यालय का चुनाव लड़ा तो पूरे नंदगढ़ गांव में रूक्का मच गया कि जयभगवान की छौरी इलेक्शन में उठ रही है। यह कौन से इलेक्शन हैं, कॉलेज के। उनकी मां बहुत नाराज थी। पिता जी व ताऊ जी बोले की ठीक है, लड़ना चाहिए अगर पार्टी बोल रही है तो। मां कहती थी कि बिगाडोगे तुम लड़की को। देख लेना जूते घिस जाएंगे। ब्याह कौन करेगा लड़की से। आपको नहीं पता कि कितनी डांट खा कर आगे बढ़ी हूं। पहला चुनाव, दूसरा चुनाव। डांटने के बाद फिर मां कहती भी थी कि रोटी खाले, कपड़े भी प्रेस कर देती थी। ऐसे ही लड़ते-लड़ते दो विश्वविद्यालय के चुनाव, तीन विधानसभा के चुनाव लड़े। उन्होंने आठ चुनाव लड़े और उन्हें खुशी है कि उन्हें समाज का, परिवार का भरपूर साथ मिला। जहां भी वो जाती थी, उससे पहले फोन आ जाते थे। हरियाणा का एक-एक व्यक्ति ने उनके हर चुनाव में उनका सहयोग किया। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता शनिवार को जुलाना में अपने जन्मदिन पर आयोजित जन्मदिन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि इंदिरा गांधी पार्टी की अध्यक्ष रही, देश की प्रधान मंत्री रही, परंतु कभी अपने अलावा किसी को आगे बढने नही दिया। आज साधारण व्यक्ति भी बड़े सपने देख सकता है। काम कर सकता है। उसे पूरा मौका भाजपा नेतृत्व देता है। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि हरियाणा के सीएम नायब सैनी बता रहे थे कि वो कंप्यूटर आप्रेटर का काम करते थे। एक साधारण से परिवार के बेटी जिसकी कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि नही थी। आज नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसी राज्य के सर्वोच्च पद पर आसीन है। यह भाजपा और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संभव हो पाया है। आज देश की हर बेटी यह सपना देख सकती है कि मेरा भी भविष्य कुछ ऐसा हो सकता है जब वो देश चलाने में अपनी भूमिका अदा करें, निर्णय में सहभागिता करें।

कला, संस्कृति, साहित्य और फिल्म आधारित कार्यक्रमों का आयोजन होगा

सीएम डॉ. मोहन ने कहा, भारत-स्पेन सांस्कृतिक सहयोग वर्ष के रूप में मनाया जाएगा वर्ष 2026

डॉ. यादव इन्वेस्ट इन एमपी बिजनेस फोरम मीट में हुए शामिल

विशेष प्रतिनिधि ▶▶| भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि निवेशकों की जरूरतों को हम अच्छी तरह से जानते हैं। निवेशकों को प्रॉपर्ली फेसिलिटेट करना ही हमारी नीति है। हमारी डेडिकेटेड इन्वेस्टर्स फ्रेंडली 18 औद्योगिक नीतियों के जरिए हमने सबके लिए निवेश के द्वार खोल दिए हैं। मध्यप्रदेश आईए, हमारी नीतियों और उपलब्धियों का अवलोकन कीजिए और निवेश कीजिए। उन्होंने कहा कि भारत और स्पेन के बीच पुराने संबंध हैं। हम उन्हीं संबंधों को और भी प्रगाढ़ करने यहां आए हैं।

हम यहां से सिर्फ निवेश नहीं, दीर्घ साझेदारी चाहते हैं। हमारी सरकार अगले वर्ष 2026 को भारत-स्पेन सांस्कृतिक सहयोग वर्ष के रूप में मनाएगी। इसके अंतर्गत कला, संस्कृति, साहित्य और फिल्म आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश और स्पेन के बीच फिल्म को-प्रोडक्शन को बढ़ावा देने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं। हमने स्पेन फिल्म आयोग के साथ फिल्म निर्माण के क्षेत्र में सहयोग पर भी चर्चा की है। डॉ. यादव शुक्रवार को यूरोप यात्रा के तीसरे दिन बार्सिलोना में इन्वेस्ट इन एमपी बिजनेस फोरम मीट को संबोधित कर रहे थे।

ग्लोबल ग्रोथ इंजन के रूप में उभर रहा मध्यप्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिस तरह बार्सिलोना ने नवाचार, संस्कृति और आर्थिक समावेशन के जरिए विकास का अनूठा मॉडल प्रस्तुत किया है, उसी तरह मध्यप्रदेश भी विरासत से विकास की परंपरा को और आगे बढ़ाते हुए अब तेजी से ग्लोबल ग्रोथ इंजन के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि यूरोप को विज़न देने वाले बार्सिलोना को मध्यप्रदेश की ओर से अभिनंदन है। डॉ. यादव ने कहा कि भारत और स्पेन लोकतांत्रिक मूल्यों और नवाचारों के साथ खड़े हुए दिखाई देते हैं। दोनों के बीच 9 बिलियन डॉलर से अधिक द्विपक्षीय व्यापार है। रक्षा क्षेत्र में भी बड़ी साझेदारी है।

मप्र में बना निवेश के लिए बेहतर माहौल : सुंदरमूर्ति

स्पेन में भारत के महावाणिज्यदूत इंबासेकर सुंदरमूर्ति ने 'इन्वेस्ट मध्यप्रदेश' सत्र में कहा कि मध्यप्रदेश का प्रतिनिधिमंडल जिस गंभीरता और तीव्रता से कार्य कर रहा है, वह प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर जहां व्यापारिक समझौतों में महीनों लगते हैं, वहीं मध्यप्रदेश ने पहली ही बैठक में एमओयू कर एक नई कार्य संस्कृति प्रस्तुत है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व को 'वाइब्रेंट' बताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में मप्र में निवेश के लिए बेहतर माहौल बन रहा है।

निवेशकों का विश्वास जीत रही यूरोप यात्रा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत यूरोपियन देशों के साथ साझेदारी के नए आयाम स्थापित कर रहा है। मध्यप्रदेश भी इसी भावना से आगे बढ़ते हुए फूड, टैक्सटाइल, फार्मास्युटिकल, पॉवर सेक्टर सहित अन्य क्षेत्रों में भी तेजी से विकास की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि आज डेटा सेंटर के लिए हमारा एमओयू साइन हुआ है, जिससे हमारे संबंध अब और पक्के हो गए हैं। डॉ. यादव ने कहा कि हमारी यूरोप यात्रा न केवल यहां के निवेशकों का विश्वास जीत रही है, बल्कि भारत के बढ़ते वैश्विक कद, मध्यप्रदेश की कुशल औद्योगिक नीतियों और हमारे विज़न को वैश्विक मंचों पर प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत करने का माध्यम भी बन रही है।

शराब दुकान से ढाई लाख रुपए की चोरी

घटना के समय सो रहे थे सुरक्षा में तैनात गार्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जांजगीर चाम्पा

जिला के बोडसरा गांव की देशी शराब दुकान में 2.42 लाख रुपये की चोरी हो गई है। घटना शुक्रवार रात की है। शराब दुकान में चोरी की घटना की सूचना मिलने पर नैला पुलिस के साथ एसपी ने घटना स्थल का निरीक्षण किया और शराब दुकान की सुरक्षा मे लगे दो कर्मियों से पूछताछ शुरु कर दी है।

शराब दुकान की सुरक्षा में तैनात जवान अहाते के अंदर सोते रहे और शराब दुकान में अपराधियों ने हाथ साफ कर लिया। जांजगीर चाम्पा जिले में अपराधियों का हौंसला इस कदर बुलंद है कि सुरक्षा कर्मियों की तैनाती के बाद भी चोरी की घटना को अंजाम देने से नहीं चूक रहे हैं। ताज़ा मामला नैला उप थाना क्षेत्र के बोडसरा गाँव का है, जहां शुक्रवार की रात अज्ञात चोरों ने शराब दुकान में चोरी की घटना को अंजाम दिया। घटना की सूचना मिलने पर सुबह पुलिस की टीम मौके में पहुंची और डॉग स्क्वायड,

फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट के साथी फॉरेनसिक टीम मौके में पहुंच कर जांच शुरू कर दी है। उप पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप ने बताया कि बोडसरा गांव के शराब दुकान में चोरी की सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तो पाया कि शराब दुकान के सीसीटीवी कैमरे के तार कटे हैं और शराब दुकान मे शुक्र की बिक्री की राशि ढाई लाख रूपये की चोरी हुई है। साथ ही लॉकर भी ले गए हैं। इस मामले में शराब दुकान के सुरक्षा कर्मियों से पूछताछ की जा रही है। साथ ही अन्य सीसीटीवी कैमरे भी खंगाले जा रहे हैं।

यूडीएफ की राष्ट्रीय टीम का चयन, डॉ. लक्ष्य मित्तल चेयरपर्सन और डॉ. व्यास राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त

नई दिल्ली। यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट (यूडीएफ) ने शनिवार को अपनी राष्ट्रीय कोर कमेटी की घोषणा की है। इस बार टीम में कुछ नए चेहरों को भी शामिल किया गया है। डॉ. लक्ष्य मित्तल को यूडीएफ का चेयरपर्सन एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनीत किया गया है, जबकि हरियाणा के डॉ. अमित व्यास को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इनके अलावा डॉ. अरुण के कुमार को राष्ट्रीय महासचिव, डॉ. मीर वसीम एवं डॉ. राकेश बैनीवाल को राज्य संयुक्त सचिव, जबकि राज्य प्रवक्ता पद पर डॉ. यागिका पारीक और डॉ. भानु कुमार की नियुक्ति की गई है। वहीं, हरियाणा की डॉ खुशबू व्यास को ऐकडेमिक सेल का दायित्व सौंपा गया है। अब यूडीएफ का मुख्य लक्ष्य डॉक्टर्स और मेडिकल छात्रों के अधिकारों, कल्याण, सुरक्षा और सम्मान के लिए और मजबूती से लड़ेगा। वर्ष 2025-26 में मेडिकल समुदाय की सुरक्षा और सम्मान पर खास जोर दिया जाएगा। नई टीम में अनुभवी विशेषज्ञों के साथ समर्पित युवा चिकित्सकों को भी शामिल किया गया है।डॉ. भरत राठौड़ राष्ट्रीय वित्त सचिव बनेराष्ट्रीय वित्त सचिव का दायित्व डॉ. भरत राठौड़ को सौंपा गया है। डॉ अदिति सिंह(सोशल मीडिया सचिव), स्वामी दास (नेशनल आरटीआई सेल हेड), डॉ चारू माथुर एवं सत्यम सिंह राजपूत (लीगल एडवाइजर), तथा डॉ लय पाघदर (दिव्यांगजन सचिव) के नामों की घोषणा की गई है।

इन्हें भी मिली जिम्मेदारी

डॉ. हर्षित नराणीवाल, डॉ दिवजोत सिंह कालरा और डॉ अक्षय शर्मा को एंटी-रैगिंग सचिव, मेंटल हेल्थ सचिव का दायित्व डॉ प्रशांत शर्मा, डॉ ललित तंवर और डॉ अंशिता छाबड़ा, डॉ कंचन दोचानिया और रिदम को रिसर्च सेल, डॉ अभिनंदना टोकस और डॉ खुशबू व्यास को ऐकडेमिक सेल का दायित्व दिया है। एफएमजी सचिव पद पर डॉ योगेंद्र पाल यादव एवं डॉ वंश चोपड़ा की नियुक्ति हुई है। आईटी सेल डॉ राकेश बैनीवाल और डॉ गोपाल सिंह संभालेंगे।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने ग्रामीण भारत को सशक्त आधार प्रदान किया

नई दिल्ली। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार ने कहा कि 11 वर्षों में खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने न केवल ऐतिहासिक उपलब्धियां अर्जित की हैं, अपितु ग्रामीण भारत को आर्थिक सशक्तीकरण का सशक्त आधार भी प्रदान किया। एक ओर जहां करोड़ों ग्रामीणों के लिए रोजगार के नवीन द्वार खुले हैं, वहीं, दूसरी ओर स्वदेशी स्वाभिमान की ज्योति सम्पूर्ण राष्ट्र में दैदीप्यमान हुई है। खादी आज केवल वस्त्र नहीं, अपितु 'विकसित भारत' अभियान का प्राणतत्व बन चुकी है, जबकि ग्रामोद्योग ग्रामीण भारत की समृद्धि का मूलमंत्र बनकर उभरा है। 'खादी क्रांति' के पिछले 11 वर्ष,बापू के स्वदेशी 'स्वप्न' को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा साकार करने की गौरवगाथा हैं। यह 'संकल्प से सिद्धि' तक की एक प्रेरक यात्रा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने स्वतंत्र भारत के इतिहास में एक नया स्वर्णिम अध्याय रच दिया है। पहली बार खादी और ग्रामोद्योग का कारोबार 1.70 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंचा है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा वित्त वर्ष 2024-25 के लिए जारी अनंतिम आंकड़े इस तथ्य को रेखांकित करते हैं कि बीते 11 वर्षों में खादी और ग्रामोद्योग क्षेत्र ने अभूतपूर्व प्रगति की है। उत्पादन में 347 प्रतिशत और बिक्री में 447 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। साथ ही, रोजगार सृजन के क्षेत्र में भी49.06प्रतिशत की ऐतिहासिक बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। वर्तमान में केवीआईसी के प्रयासों से देशभर में 1.94 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध हो रहा है, जो अपने आप में किसी कीर्तिमान से कम नहीं।

कहा-आज भी पार्टी जब चाहेगी, चुनाव लड़ने को तैयार

उमा भारती ने कहा, मैं आज तक नहीं समझ पाई, व्यापमं कांड में मेरा नाम कैसे आया ?

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोपाल

पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने शुक्रवार को अपने निवास पर आयोजित प्रेस कांफ्रेस में व्यापमं घोटाला, भ्रष्टाचार, गो संरक्षण, शराब बंदी सहित अन्य राजनैतिक मुद्दों पर खुलकर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने एक बार फिर व्यापमं घोटाले में अपना नाम आने को लेकर पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि मुझे आज तक नहीं पता कि व्यापमं कांड में मेरा नाम कैसे आ गया।

वहीं मेरा नाम आगे करके इस मामले में कितने लोगों को इस केस से छोड़ दिया गया। इस मामले की सीबीआई जांच होनी चाहिए कि व्यापमं में मेरा नाम लाकर क्राइम ब्रांच ने कौन सा कारनामा किया।

उन्होंने कहा कि व्यापमं मामले से मुझे बहुत तकलीफ हुई है, लेकिन जिन लोगों ने मुझे कष्ट दिए हैं, उन्हें मैंने भी यहीं रोते हुए देखा है।

गंगा शुद्धिकरण के लिए काम कर रहा केंद्र

उमा ने कहा कि केंद्र सरकार गंगा शुद्धिकरण के लिए काम कर रही है और मध्य प्रदेश सरकार ने भी गो संरक्षण के लिए प्रयास शुरू किए हैं। हालांकि, अभी इन दोनों क्षेत्रों में और सुधार की और आवश्यकता है। उन्होंने शराबबंदी के मुद्दे पर भी जोर देते हुए कहा कि इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाने चाहिए।

मेरे भाइयों पर झूठी डकैती के मामले दर्ज करा दिए गए

उमा ने कहा कि प्रदेश भाजपा के किसी नेता को इतनी प्रताड़ना नहीं मिली, जितना मुझे प्रताड़ित होना पड़ा है। यह प्रताड़ना 1990-92 की सरकार से लेकर 2005 तक की सरकार तक चली। कांग्रेस की अर्जुन सिंह की सरकार के समय लागू किए गए लैंड रिफॉर्म का मैंने विरोध किया तो मेरे भाईयों पर झूठी डकैती के मामले दर्ज करा दिए गए। इसके बाद जनशक्ति पार्टी बनाई तो उस समय भी प्रताड़ित किया गया।

भ्रष्टाचार बड़ी समस्या

उमा भारती ने कहा कि देश और मध्य प्रदेश में बड़ी समस्या भ्रष्टाचार की है। राजनीतिक सुचिता की भावना तो आई है, लेकिन पुलिस और प्रशासन में भी इसे लाना होगा। संघ प्रमुख मोहन भागवत के उस बयान पर प्रतिक्रिया दी जिसमें 75 वर्ष की उम्र के बाद सक्रिय राजनीति से दूर रहने की बात कही गई थी। उमा ने स्पष्ट किया कि उनकी उम्र अभी 75 वर्ष नहीं हुई है और इस बयान को लेकर जो भी बातें सामने आ रही हैं, वे पूरी तरह गलत और निराधार हैं। आज भी पार्टी जब चाहेगी मैं चुनाव लड़ने हर वक्त तैयार हूं।

कुलपतियों के साथ विमर्श में बोले राज्यपाल

शैक्षिणक गुणवत्ता को लेकर दो माह में पेश करें रोडमैप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल और कुलाधिपति रमेन डेका ने शैक्षणिक गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए कुलपतियों से दो माह के भीतर रोडमैप मांगा है। उन्होंने शनिवार को राजभवन में कुलपतियों के साथ विचार-विमर्श कर छात्रों के हित के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया।

बैठक में राज्यपाल के सचिव डॉ. सीआर प्रसन्ना, उच्च शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. एस भारती दासन विशेष रूप से उपस्थित थे। राज्यपाल ने कुलपतियों को निर्देशित किया है कि जिस कोर्स में छात्र और शिक्षक नहीं है, उन्हें बंद किया जाएं। उन्होंने निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से कहा कि वे मैनेंजमेंट के साथ बैठक कर गुणवत्ता सुधार की कार्ययोजना बनाकर सितम्बर माह में उपलब्ध कराएं। उन्होंने विश्वविद्यालय

अनुदान आयोग के मापदंडों एवं नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। बैठक में निर्णय लिया गया कि शासकीय और निजी विश्वविद्यालयों के लिए पोर्टल बनाया जाएगा जिसमें एडमिशन से लेकर हर गतिविधियों को विश्वविद्यालय अपलोड करेंगे। उन्होंने कहा कि जो विश्वविद्यालय नेक ग्रेडिंग के लिए पात्र हो चुके है वे अनिवार्य रूप से ग्रेडिंग की प्रक्रिया में शामिल हो। राज्यपाल डेका ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बारे में विद्यार्थी को भी जागरूक किया जाए। इस अवसर पर विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति उपस्थित थे।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रूस से तेल खरीदने वालों पर 500 फीसदी टैरिफ की धमकी के बाद अमेरिका की धरती से ही नाटो ने भारत, चीन व ब्राजील को धमकीभरी चेतावनी दी है कि रूस से व्यापार जारी रखने पर इन तीनों देशों पर नाटो सैन्य संगठन के सदस्य देशों द्वारा सौ प्रतिशत सेकेंडरी टैरिफ लगाया जाएगा। नाटो के महासचिव मार्क रूट के ऐलान के बाद भारत ने भी बड़े तीखे शब्दों में जवाब दिया कि नाटो का दोहरापन नहीं चलेगा। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने राजधानी दिल्ली में एक मीडिया कॉन्फ्रेंस में कहा कि भारत की प्राथमिकता अपने लोगों के लिए ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने की है। विदेश मंत्रालय ने नाटो द्वारा दोहरा मापदंड अपनाने के लिए उनके ऐलान की कड़ी आलोचना की है। नाटो के सदस्य रूस से तेल खरीदे व नाटो भारत को धमकी दे, ये नहीं चलेगा। भारत की दो टूक राय है कि रूस-यूक्रेन युद्ध का खात्मा केवल कूटनीतिक बातचीत से मुमकिन हो सकता है। राष्ट्रपति ट्रंप की रणनीति तो युद्ध को और अधिक प्रज्ज्वलित कर सकती है। भारत द्वारा परमाणु परीक्षण अंजाम देने के बाद अमेरिका द्वारा आर्थिक प्रतिबंध आयद किए गए थे। उस वक्त अमेरिकन आर्थिक प्रतिबंध एकदम नाकाम सिद्ध हुए थे। यदि भारत पर फिर से प्रतिबंध आयद किए गए तो फिर से वही अंजाम होगा। पेश है एक विश्लेषण...

नाटो की धमकी से भारत विचलित नहीं

विश्लेषण
प्रभात कुमार रॉय
विदेश मामलों के जानकार

नाटो के सेक्रेटरी जनरल मार्क रूट ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में मार्क रूट ने बाकायदा ऐलान किया कि भारत, चीन और ब्राजील यदि भविष्य में रूस के साथ अपना कारोबार जारी रखेंगे, तो फिर इन तीनों देशों पर नाटो सैन्य संगठन के देशों द्वारा सौ प्रतिशत सेकेंडरी टैरिफ आयद कर दिया जाएगा। मार्क रूट के इस धमकी भरे ऐलान के बाद भारत द्वारा भी बड़े तीखे शब्दों में इसका प्रति उत्तर पेश किया गया। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने राजधानी दिल्ली में एक मीडिया कॉन्फ्रेंस में कहा कि भारत की प्राथमिकता अपने लोगों के लिए ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने की है। भारत की दो टूक राय है कि रूस-यूक्रेन युद्ध का खात्मा केवल कूटनीतिक बातचीत से मुमकिन हो सकता है।

नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गेनाइजेशन संक्षेप में कहें तो नाटो के सेक्रेटरी जनरल मार्क रूट ने अमेरिकी सीनेटर टॉम टिलिस और जीन शाहीन के साथ संयुक्त रूप से अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में एक प्रेस कांफ्रेंस की। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में मार्क रूट ने बाकायदा ऐलान किया कि भारत, चीन और ब्राजील यदि भविष्य में रूस के साथ अपना कारोबार जारी रखेंगे, तो फिर इन तीनों देशों पर नाटो सैन्य संगठन के देशों द्वारा सौ प्रतिशत सेकेंडरी टैरिफ आयद कर दिया जाएगा। मार्क रूट के इस धमकी भरे ऐलान के बाद भारत द्वारा भी बड़े तीखे शब्दों में इसका प्रति उत्तर पेश किया गया। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने राजधानी दिल्ली में एक मीडिया कॉन्फ्रेंस में कहा कि भारत की प्राथमिकता अपने लोगों के लिए ऊर्जा की जरूरतों को पूरा करने की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने मार्क रूट द्वारा टैरिफ आयद करने पर दोहरा मापदंड अपनाने के लिए उनके ऐलान की कड़ी आलोचना की। रणधीर जायसवाल ने आगे कहा कि तेल आयात के प्रश्न पर भारत वस्तुतः बाजार और दुनिया के हालात से निर्देशित होता है।

भारत द्वारा दोहरा मापदंड अपनाए जाने का जो संगीन इल्जाम नाटो सैन्य संगठन पर आयद किया गया है, उसका तथ्यात्मक आधार यह है कि तुर्किये जो कि नाटो सैन्य संगठन का सदस्य देश है, के भी बड़े कारोबारी रिश्ते रूस के साथ कायम रहे हैं। तुर्किये रूस से बड़ी मात्रा में आयल भी आयात करता है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) रूस की ऊर्जा के अंतरराष्ट्रीय लेनदेन के लिए एक वित्तीय माध्यम के तौर पर काम करता रहा है। यूरोप के तकरीबन सभी देश भारत द्वारा रूस के क्रूड आयल से रिफाइन तेल विगत तीन वर्षों से निरंतर खरीदते रहे हैं। अमेरिका खुद भी बड़े पैमाने पर रूस से यूरेनियम की खरीदारी करता रहा है। इन तमाम देशों पर ना तो प्रेसिडेंट ट्रंप ने और ना ही नाटो के सेक्रेटरी जनरल मार्क रूट ने एक बड़ा अतिरिक्त टैरिफ आयद करने की धमकी दी है। उल्लेखनीय है कि भारत अपनी आवश्यकता का तकरीबन 85 प्रतिशत तेल आयात करता है। आजकल भारत अपने कुल आयात का तकरीबन आधा तेल रूस से खरीद रहा है।

रूट की टैरिफ आयद करने की धमकी

नाटो के सेक्रेटरी जनरल और नीदरलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री मार्क रूट यह भी फरमाते हैं कि भारत, चीन और ब्राजील तीनों देशों के सर्वोच्च लीडरों को रूस के राष्ट्रपति पुतिन के साथ युद्ध समाप्त करने के लिए बातचीत करके उनको युद्ध खत्म करने के लिए रजामंद करना चाहिए। मार्क रूट का यह कैसा विकट अंदाज ए बयां है, कि जिसमें कोई कूटनीतिक आग्रह नहीं है, वरन सौ प्रतिशत टैरिफ आयद करने की धमकी का विषाक्त धुआं उठता हुआ प्रतीत हो रहा है। विश्व पटल पर यह कैसा

विकराल दौर आ गया है जब कि भारत के साथ मित्रता का दम भरने वाले अमेरिका और यूरोप के अन्य नाटो देश भारत के साथ किसी जटिल अंतरराष्ट्रीय प्रश्न पर कूटनीतिक बातचीत करने के स्थान पर सार्वजनिक तौर पर भारत के विरुद्ध धमकी भरे अंदाज में सौ प्रतिशत टैरिफ नाफ़िज़ करने का ऐलान कर रहे हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति आई है, जब से कि डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति पद पर दूसरी पारी में आसीन हुए हैं। राष्ट्रपति पद पर आसीन होने के एकदम बाद उन्होंने दावा किया था कि कुछ दिनों के अंदर ही वह रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करा देंगे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कूटनीतिक तौर पर रूस के राष्ट्रपति पुतिन को युद्ध खत्म करने के लिए अपने दबाव में नहीं ले पाए। इसके विपरीत रूसी फ़ौज द्वारा यूक्रेन पर भीषण सैन्य आक्रमण शुरू कर दिए गए। फिर क्या था, राष्ट्रपति ट्रंप ने बौखला कर रूस के साथ गहन मित्रता रखने वाले ब्रिक्स देश भारत, चीन और ब्राजील पर अतिरिक्त टैरिफ आयद करने की धमकी भरा ऐलान कर दिया।

अमेरिका के हाथों की कठपुतली है नाटो

सर्वविदित है कि नाटो सैन्य संगठन में 32 सदस्य देश हैं, जिनमें यूरोपीय यूनियन के 23 देश शामिल हैं, किंतु नाटो का तकरीबन 70 प्रतिशत खर्च अमेरिका वहन करता है। अभी हाल ही में यूरोप के नाटो देशों पर राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा यह दबाव डाला गया कि ये देश अपने जीडीपी का कम से कम पांच प्रतिशत नाटो सैन्य संगठन को फंड प्रदान करेंगे। अभी तक केवल अमेरिका के अतिरिक्त अन्य नाटो देश अपनी जीडीपी का केवल ढाई प्रतिशत नाटो सैन्य संगठन को मुहैया कराते रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो देश को भी यह धमकी दी थी कि यदि वह ऐसा नहीं करेंगे तो अमेरिका नाटो सैन्य संगठन को तत्काल छोड़ देगा। उल्लेखनीय है कि जी-7 के शिखर सम्मेलन में अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप और फ्रांस के राष्ट्रपति इमानुएल मैक्रों के मध्य जबरदस्त तकरार हो गई थी। आखिरकार रूस के संभावित सैन्य हमले से भयभीत हो रहे यूरोप के कुछ नाटो देश अपनी जीडीपी का पांच प्रतिशत नाटो सैन्य संगठन को प्रदान करने के लिए राजी भी हो गए हैं। ऐतिहासिक तौर पर नाटो संगठन वस्तुतः अमेरिका के हाथों की कठपुतली बना रहा है।

बहु ध्रुवीय शक्तियों का उदय हुआ

उल्लेखनीय है कि 4 अप्रैल सन् 1949 को 12 देशों द्वारा नाटो सैन्य संगठन की बुनियाद रखी गई थी। द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के तत्पश्चात विश्व दो शक्तिशाली सैन्य गुटों में विभाजित हो गया था। कोल्ड वॉर का सैन्य तनाव का खतरनाक दौर प्रारंभ हो चुका था। सोवियत यूनियन के नेतृत्व में वारसा सैन्य पैक्ट अस्तित्व में आ चुका था। सन् 1991 में इतिहास ने जबरदस्त पलटा खाया और सोवियत यूनियन एकदम बिखर गया। इसके साथ ही वारसा सैन्य पैक्ट का भी अंत हो गया।

इस बुनियादी परिवर्तन के बावजूद अमेरिका के नेतृत्व में नाटो सैन्य संगठन बाकायदा बरकरार बना रहा। विश्व पटल पर सोवियत पराभव के बाद अमेरिका एक ध्रुवीय विश्व शक्ति बन गया। परिणामस्वरूप अमेरिका के राष्ट्रपति जॉर्ज बुश सीनियर ने सद्दाम हुसैन के इराक पर ऑपरेशन डेजर्ट स्टॉर्म के तहत 17 जनवरी 1991 को धावा बोल दिया। सन् 1996 में नाटो सेना ने बोस्निया और हर्जेगोविना पर बम बरसाए थे। सन् 2001 में अफगानिस्तान पर और सन् 2003 में अमेरिका की कयादत में आक्रमण अंजाम दिया। 21वीं सदी में चीन के सैन्य और आर्थिक शक्ति के तौर पर जबरदस्त उभार ने विश्व पटल पर शक्ति संतुलन की तस्वीर बदल कर रख दी। अब विश्व पटल पर अमेरिका एक ध्रुवीय शक्ति नहीं रह गया है, बल्कि बहु ध्रुवीय शक्तियों का उदय हो चुका है।

अमेरिका के उकसावे में हुआ रूस-यूक्रेन युद्ध

राष्ट्रपति पुतिन के नेतृत्व में रूस भी एक बड़ी सैन्य शक्ति के रूप में स्थापित हो गया है। फरवरी वर्ष 2022 में प्रारंभ हुए रूस-यूक्रेन युद्ध में रूस के विरुद्ध सैन्य उकसावे की कार्रवाई वस्तुतः अमेरिका के नेतृत्व में नाटो सैन्य संगठन द्वारा ही प्रारंभ की गई थी। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने नाटो सैन्य संगठन का सदस्य बनने के लिए एक दरख्वास्त पेश की, जिस पर विचार करने के लिए नाटो देश एकदम रजामंद हो गए।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि यदि यूक्रेन को नाटो सैन्य संगठन का सदस्य बना लिया गया तो फिर रूस की सरहद पर नाटो के फौजी दस्ते तैनात हो जाएंगे और रूस की सुरक्षा गंभीर तौर पर खतरे में पड़ जाएगी। राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि यूक्रेन को नाटो सैन्य संगठन का सदस्य देश नहीं बनाया जाना चाहिए। राष्ट्रपति पुतिन के इस आग्रह को नाटो देशों ने एकदम अस्वीकार कर दिया। यही कारण था कि यूक्रेन पर रूस की सेना द्वारा आक्रमण अंजाम दिया गया। अमेरिका और नाटो सैन्य संगठन का सोच विचार था कि अफगानिस्तान युद्ध की तरह रूस को कमजोर करने के लिए यूक्रेन के विरुद्ध युद्ध में उलझा दिया जाए। अमेरिका के नेतृत्व में नाटो सैन्य संगठन द्वारा इस समस्त षड्यंत्र को अंजाम दिया गया। रूस-यूक्रेन युद्ध को तकरीबन तीन वर्षों से अधिक का वक्त बीत चुका है, किंतु अभी तक यह युद्ध किसी निर्णय पर नहीं पहुंच पाया है। भारत प्रारंभ से ही रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए कूटनीतिक बातचीत की पुरजोर पैरवी करता रहा है और भारत ने इस भीषण युद्ध को समाप्त कराने के लिए कूटनीतिक मध्यस्थता करने की भी पेशकश की थी।

कोल्ड वॉर के दौर में भी भारत गुटनिरपेक्ष देश

आज के दौर में क्या इतिहास खुद को दोहराने लगा है। दुनिया फिर से दो सैन्य गुटों में स्पष्ट रूप से विभाजित होती हुई दिखाई दे रही है। कोल्ड वॉर के दौर में भी भारत गुटनिरपेक्ष देश रहा और आज भी गुटनिरपेक्ष देश है। भारत एक तरफ रूस और चीन के साथ ब्रिक्स का सदस्य देश है। दूसरी तरफ क्वॉड मोर्चे में अमेरिका और जापान के साथ सदस्य देश है। किसी सैन्य गुट में शामिल हुए बिना भारत अपने राष्ट्रीय हितों की पैरवी और सुरक्षा करता है। लेकिन भारत किसी अन्य देश के राष्ट्रीय हितों को क्षति पहुंचाने की कदाचित कोशिश भी नहीं करता। राष्ट्रपति पुतिन पर सैन्य दबाव कायम करने के लिए प्रेसिडेंट ट्रंप ने यूक्रेन की फौज को ऐसी लॉन्ग रेंज मिसाइल देने का निर्णय लिया है, जोकि रूस की राजधानी मास्को को निशाना बना सकें। राष्ट्रपति ट्रंप की आखिरकार युद्ध समाप्त करने की कैसी कारगर रणनीति है? अथवा तृतीय विश्व युद्ध का आगाज करने की सैन्य धृष्टता है?

राष्ट्रपति ट्रंप की अंतरराष्ट्रीय रणनीति के विरोध में यूरोप में आंतरिक तौर पर निरंतर विरोध और आक्रोश रहा है। फ्रांस और जर्मनी प्रेसिडेंट ट्रंप की रणनीति से एकदम सहमत नहीं है। भारत की दो टूक राय है कि रूस-यूक्रेन युद्ध का खात्मा केवल कूटनीतिक बातचीत से मुमकिन हो सकता है। राष्ट्रपति ट्रंप की रणनीति तो युद्ध को और अधिक प्रज्ज्वलित कर सकती है। भारत द्वारा परमाणु परीक्षण अंजाम देने के बाद अमेरिका द्वारा आर्थिक प्रतिबंध आयद किए गए थे। उस वक्त अमेरिकन आर्थिक प्रतिबंध एकदम नाकाम सिद्ध हुए थे। यदि भारत पर फिर से प्रतिबंध आयद किए गए तो फिर से वही अंजाम होगा। अमेरिका और नाटो द्वारा की जा रही भारत विरोधी और शत्रुतापूर्ण घोषणाओं पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी निरंतर चुप्पी साधे हुए हैं आखिर क्यों? भारत पर अंजाम दिए जा रहे प्रत्येक अंतरराष्ट्रीय आक्रमण पर क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना स्पष्ट नजरिया पेश नहीं करना चाहिए?

भारत ने नाटो को दिया करारा जवाब

कूटनीति
सुनील अमर
वरिष्ठ पत्रकार

नाटो के महासचिव मार्क रूट ने बीते बुधवार को कहा है कि भारत, ब्राजील और चीन रूस पर दबाव बनाएं कि वह यूक्रेन में युद्ध बन्द करे। उन्होंने धमकी दी है कि ये देश अगर ऐसा नहीं करते तो इन पर भारी टैरिफ लगाया जाएगा क्योंकि ये तीनों देश रूस से तेल खरीद कर उसे आर्थिक रूप से मजबूत कर रहे हैं। रूट चाहते हैं कि भारत, ब्राजील और चीन रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को फोन करके कहें कि वे यूक्रेन से शांति वार्ता करने के लिए तैयार हो जाएं। रोजमर्रा के समाचार पढ़ने वाला कोई भी व्यक्ति यह समझ सकता है कि नाटो महासचिव के मुंह से किसकी आवाज निकल रही है।

असल में यह धमकी रूट (नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन) की नहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की है। अपने दूसरे कार्यकाल की शपथ लेने से काफी पहले से ही वे यूक्रेन को अमेरिकी हथियारों की आपूर्ति रोकने तथा युद्ध बन्द कराने व दुनिया के तमाम देशों पर टैरिफ का चाबुक चलाने की घोषणा कर रहे हैं। दिक्कत यह है कि बड़बोले ट्रम्प ऐसा कुछ तो कर नहीं पाये, उल्टे इजरायल की पीठ ठोंक कर ईरान व सीरिया पर अलग से हमला करवा दिया। एक तरफ तो वे शांति का नोबल पाने को किसी बच्चे की तरह लालायित दिखते हैं तो दूसरी तरफ अपने बगलबच्चे (नाटो को वाशिंगटन ट्रीटी भी कहा जाता है) नाटो की मार्फत वे इसके सदस्य देशों से अपील करते हैं कि युद्ध के लिए सहयोग राशि व हथियारों की मात्रा बढ़ाई जाए ताकि यूक्रेन को मदद की जा सके। ज्ञात हो कि नाटो को उसके सदस्य देश अपनी जीडीपी की दो प्रतिशत धनराशि तथा हथियार आदि सहयोग के रूप में देते हैं। वैश्विक चौधरी बनने की अपनी आदत से मजबूर अमेरिका इस बार यूक्रेन में जाकर फंस गया है और अब वहां से येन-केन प्रकारेण निकलना चाहता है और इसके लिए वह तमाम तरह की कोशिशें कर रहा है।

रूस पर दबाव बनाने का प्रयास

शपथ ग्रहण करने के कुछ दिन बाद ही उन्होंने न सिर्फ यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेन्सकी को व्हाइट हाऊस बुलाकर अंतरराष्ट्रीय मीडिया के सामने अशोभनीय तरीके से बहस कर अपमानित किया बल्कि सारी युद्धक सहायता रोकने तथा अब तक की गई समस्त प्रकार की मदद की कीमत वसूलने की भी घोषणा कर दी। रूस पर दबाव बनाने की हर संभव कोशिश की और जब रूस नहीं माना तो हार कर ट्रंप ने जेलेन्सकी को दुबारा युद्धक मदद देनी शुरू कर दी। ट्रंप और नाटो दोनों को समझ में आ गया है कि व्यापार प्रतिबन्ध, टैरिफ की धमकी व इस तरह के अन्य प्रतिबन्धात्मक उपायों से बात बनने वाली नहीं है तो वे अब उन देशों को टारगेट कर रहे हैं जो रूस के बड़े व्यापार सहयोगी हैं।

नाटो का सदस्य नहीं है भारत

हास्यास्पद यह है कि नाटो महासचिव ऐसा व्यवहार कर रहे हैं मानों वे स्वयं अमेरिका के राष्ट्रपति हों! वे यह भूल गये लगते हैं कि उनका आदेश/ निर्देश महज नाटो के 32 सदस्य देशों पर ही चल सकता है। भारत, चीन और ब्राजील नाटो के सदस्य नहीं हैं। दूसरी तरफ, रूस से तेल खरीदने या अन्य तरह का व्यापार करने वाले

सिर्फ यही तीन देश नहीं हैं। नाटो के कई सदस्य देश जैसे- तुर्किये, हंगरी, स्लोवाकिया, आस्ट्रिया, बेल्जियम व चेक गणराज्य तथा जर्मनी भी रूस से कच्चा तेल व गैस खरीद रहे हैं। चेक ने अभी इसी महीने से तेल खरीदना बन्द किया है और जर्मनी सीधे नहीं बल्कि फ्रांस व बेल्जियम के रास्ते से गैस खरीदता है। नाटो अपने इन सदस्य देशों को रूस से तेल या गैस खरीदने को वर्जित क्यों नहीं करता? यह सही है कि भारत और चीन रूस से तेल खरीदने वाले बड़े देश हैं। रूस के सकल तेल उत्पादन का लगभग 47 प्रतिशत अकेले चीन तथा 38 प्रतिशत भारत खरीदता है। तुर्किये ने तो अभी बीते जून माह में ही रूस से चार लाख बैरल तेल प्रतिदिन खरीदा है जो काला सागर के बन्दरगाहों तथा पाइप लाइनों के माध्यम से पहुंचता है। नाटो देश हंगरी ने तो रूस से अपनी तेल खरीद को और बढ़ाकर 61 प्रतिशत से 86 प्रतिशत कर दिया है, वहीं स्लोवाकिया तो अपनी जरूरत का सारा तेल ही रूस से खरीद रहा है। आस्ट्रिया और बेल्जियम यद्यपि रूस से सीधे तेल नहीं खरीद रहे हैं लेकिन वे इस कच्चे तेल को भारत या तुर्किये में रिफाइन्ड कराकर वहां से ले रहे हैं। नाटो महासचिव ने अपने इन सदस्य देशों को कोई चेतावनी कभी नहीं दी। यही इनका दोहरा मानदण्ड है। यूक्रेन युद्ध के बाद से अमेरिका ने जब रूस पर तमाम तरह के व्यापार प्रतिबन्ध लगाए तो रूस ने अपने कच्चे तेल व गैस की कीमतें काफी कम कर दीं और यही कारण है कि आज रूस प्रतिदिन 70 लाख बैरल से अधिक तेल बेच रहा है और इसी को रोककर रूस को आर्थिक चोट पहुंचाना ही ट्रंप का लक्ष्य है। रूस के साथ भारत का सम्बन्ध सिर्फ तेल खरीदने का ही नहीं हैं। दशकों से रूस भारत का एक भरोसेमन्द रक्षा सहयोगी भी है और भारत इस रक्षा सहयोग को दांव पर कभी नहीं लगाना चाहेगा।

दूसरे, रूस यद्यपि तेल खरीद में भारतीय मुद्रा रुपया को स्वीकार नहीं करता लेकिन बाकी अन्य प्रकार के व्यापार में रूस रुपये और रुबल (रुसी मुद्रा) में भुगतान लेता है और यह भारत के लिए काफी राहत की बात रहती है। नाटो महासचिव की चेतावनी के बाद भारत के विदेश विभाग तथा केन्द्रीय पेट्रोलियम मन्त्री ने स्पष्ट कर दिया कि भारत के पास तेल खरीद के कई सारे विकल्प हैं और भारत इस तरह का हस्तक्षेप और दोहरा मानदण्ड मानने को बाध्य नहीं है। उधर शंघाई में गत सप्ताह सम्पन्न शंघाई सहयोग संगठन के विदेश मंत्रियों की बैठक में भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी दोहरे मानदंड की बात उठाते हुए पहलगाम की आतंकवादी घटना का जिक्र किया और कहा कि सदस्य देशों को बयानबाजी के बजाय क्रियान्वयन पर जोर देना चाहिये। गत माह जी-7 देशों की बैठक में जिस तरह प्रधानमन्त्री मोदी ने भी अमेरिका को साफ शब्दों में कहा था कि भारत-पाक युद्ध के सीजफायर में किसी तीसरे की भूमिका नहीं थी, आज भी उसी तरह स्पष्ट शब्दों में नाटो को भी जवाब देने की जरूरत है।

भारत सावधान और सतर्क रहे

रूस से तेल न खरीदने का दबाव तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने भी बनाया था लेकिन तब भारत ने स्पष्ट कर दिया था कि भारत अपने हितों की रक्षा कर सकता है। अमेरिका के टैरिफ वॉर की वजह से ही सही, भारत-चीन सम्बन्धों की बर्फ पिघलनी शुरू हुई है। गलवान घाटी की झड़प के बाद पहली बार भारत का कोई बड़ा राजनेता (विदेश मन्त्री) चीनी राष्ट्रपति से आमने-सामने मिला है। टैरिफ वॉर के चलते भारत-चीन व्यापार के नये आयाम खुलने के संकेत भी हैं। भारत सावधानी और सतर्कता दिखाये तो रूस से भी व्यापारिक लाभ बढ़ सकता है। ट्रंप अपनी चौधराहट खत्म होते देखकर बौखलाये हुए हैं और उनकी धमकी तथा चेतावनी का दौर चलता ही रहेगा। भारत को इसे गम्भीरता से लेने की जरूरत नहीं है। भारत अपने लिए सक्षम है।

धमकियों से उलझ रहे टैरिफ समझौते

इंडो-यूएस ट्रेड वार्ता
डॉ. एन. के. सोमानी
अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार

नाटो के महासचिव मार्क रूट द्वारा हाल ही में दी गई भारी टैरिफ लगाने की धमकी के बावजूद भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पेच सुलझाने की कवायद तेज हो गई है। समझौते की शर्तों को अंतिम रूप देने के लिए दोनों देशों के व्यापार प्रतिनिधि इस हफ्ते वाशिंगटन में बैठक कर सकते हैं। मीडिया में चल रही खबरों की मानें तो टैरिफ कटौती के मुद्दे पर कुछ बिन्दुओं को लेकर अभी तक सहमति नहीं बन पाई है। अमेरिका 15 से 20 प्रतिशत टैरिफ चाहता है जबकि भारत का कहना है कि टैरिफ की दर 10 प्रतिशत से कम हो।

कम टैरिफ पर नहीं मानेंगे ट्रंप

हालांकि, बौद्धिक संपदा अधिकार और बाजार तक पहुंच जैसी दीर्घकालिक चिंताओं को दूर कर लिया गया है लेकिन अब ट्रंप जिस तरह से फ्रंट फुट पर खेलते हुए एक के बाद एक देशों पर टैरिफ बम फोड़ रहे हैं, उसे देखते हुए लगता है कि ट्रंप 10 प्रतिशत से कम टैरिफ के लिए शायद ही राजी हों। ऐसे में व्यापार प्रतिनिधियों के बीच होने वाली इस बैठक को काफी अहम कहा जा रहा है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाजार है। भारत के कुल वस्तु निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी करीब 18 प्रतिशत है। 2024 में भारत ने अमेरिका को 87.4 बिलियन डॉलर का निर्यात किया। भारत अमेरिका को जैविक रसायन, कपड़ा, इस्पात, मोती, विधुत मशिनरी और दवा उत्पाद आदि का निर्यात करता है। जबकि अमेरिका भारत से चमड़ा, कपड़ा, चिकित्सा उपकरण, कीमती रत्न और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का आयात करता है। अभी व्यापार संतुलन भारत के (अमेरिकी घाटा 45.7 बिलियन डालर) पक्ष में है। हालांकि, अमेरिका द्वारा पारस्परिक टैरिफ की घोषणा किए जाने से पहले भारत ने बोरबॉन जैसे लक्जरी सामान और हार्ले डेविसन मोटरसाइकिल पर टैरिफ में कटौती की। लेकिन इसके बावजूद अमेरिका का कहना है कि भारत की टैरिफ दरें अमेरिका में भारतीय वस्तुओं पर लगने वाले टैरिफ से कहीं अधिक हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत की औसत टैरिफ दर 17 प्रतिशत है जबकि अमेरिका में यह 3.3 प्रतिशत है। सबसे बड़ा टकराव कृषि क्षेत्र में है, जहां भारत की टैरिफ दर बहुत अधिक है। भारत में अमेरिका से आने वाले कृषि उत्पादों पर औसतन शुल्क दर 37.7 प्रतिशत है जबकि अमेरिका में यह दर 5.3 प्रतिशत है। प्रस्तावित व्यापार समझौते में यही सबसे पड़ा पेच है। भारत के साथ अपने व्यापार घाटे को कम करने के लिए ट्रंप भारत पर कृषि और डेयरी उत्पादों पर टैरिफ कम करने का दबाव बना रहे हैं। वे चाहते हैं कि भारत सोयाबीन, मक्का, मिल्क पाउडर और डेरी उत्पादों पर लगने वाले भारी-भरकम आयात शुल्क में कटौती कर दे ताकि उनके उत्पाद भारत के बाजार में आासानी से बिक सके। भारत अमेरिकी मक्का पर 61 फीसदी और दूध पाउडर पर 68 फीसदी टैक्स लगाता है। भारत कृषि प्रधान देश है। यहां आधी से अधिक आबादी खेती पर निर्भर है। कृषि और डेयरी उत्पादों पर टैरिफ घटाने से देश के छोटे और सीमांत किसान अमेरिकी आयात की

चपेट में आ जाएंगे। अमेरिका में इन उत्पादों की लागत बहुत कम है। सस्ते आयात से भारत के किसानों के लिए अपनी फसल का सही दाम पाना भी मुश्किल हो जाएगा। ऐसे में कृषि और डेयरी से जुड़े मुद्दों को लेकर अभी भारत सरकार संशय की स्थिति में है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि कृषि और डेयरी उत्पादों के मुद्दे पर दोनों पक्षों के बीच सहमति नहीं हो पाती है तो समझौते का क्या होगा। यदि समझौता नहीं हो पाता है तो भारत क्या करेगा। क्या भारत अमेरिका द्वारा घोषित 26 प्रतिशत जवाबी शुल्क को चुपचाप स्वीकार कर लेगा या अमेरिका को काउंटर करने के लिए कोई प्लान-बी है। अमेरिका ने 2 अप्रैल को भारत से आने वाले सामानों पर 26 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने का ऐलान किया था, लेकिन बाद में इसे 90 दिनों के लिए टाल दिया था।

26 प्रतिशत शुल्क पर असमंजस

90 दिनों की अवधि 8 जुलाई को समाप्त हो गई है। अब एक अगस्त तक का सतय है। भारत चाहता है कि ट्रंप 26 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने का निर्णय वापस ले। दूसरी ओर, अमेरिका चाहता है कि भारत सोयाबीन, मक्का, कार और शराब पर आयात शुल्क में कटौती कर दे ताकि उसके उत्पाद भारत के बाजार में अपनी जगह बना सकें। अप्रैल में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की भारत यात्रा के दौरान इन आशंकाओं को दूर करने का प्रयास किया गया।

अब गेंद अमेरिकी पाले में

अंतिम परिणाम क्या रहा, यह अभी स्पष्ट नहीं है। हालांकि, भारत ने प्रस्तावित व्यापार समझौते को लेकर अपना रुख साफ कर दिया है, अब गेंद पूरी तरह से अमेरिकी पाले में है। अगर अमेरिका भारत की चिंताओं पर नरम रुख अपनाता है तो उम्मीद की जानी चाहिए कि जल्द ही समझौते का ऐलान हो जाएगा। सच तो यह है कि भारत-अमेरिका संबंधों में व्यापारिक गिला-शिकवा आपसी खींचतान का बड़ा कारण रहा है। जैसा कि ऊपर कहा जा चुका है कि समझौते का बड़ा मकसद भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 190 बिलियन डॉलर से बढ़ाकर 2030 तक 500 बिलियन डॉलर करना है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए दोनों देशों के बीच अगले पांच वर्षों में 250-270 बिलियन डॉलर का अतिरिक्त व्यापार आवश्यक है। इसके लिए दोनों देशों को रक्षा और ऊर्जा जैसे उच्च मूल्य वाले क्षेत्रों को बीटीए का हिस्सा बनाना होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ जेडी वेंस की मुलाकात के दौरान अमेरिकी उपराष्ट्रपति रक्षा सहयोग को गहरा करने और नवीनतम रक्षा उपकरणों विशेष रूप से एफ-35 लड़ाकू जेट खरीदने की पेशकश कर चुके हैं। इसके अलावा अमेरिका चाहता है कि भारत बड़े पैमाने पर उससे पेट्रोल खरीदे जिससे व्यापार घाटे को कम करने में मदद मिल सके। बहरहाल, तमाम अन्तर्विरोधों के बावजूद अगर दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते को लेकर सहमति बनती है तो यह भारत-अमेरिका संबंधों की दृष्टि से काफी अहम होगा। समझौते से नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच व्यापार संबंध तो पुख्ता होंगे ही, साथ ही दोनों के बीच की रणनीतिक साझेदारी भी मजबूत हो सकेगी। दूसरा, व्यापक व्यापार समझौते के लागू हो जाने के बाद दोनों देश अपने द्विपक्षीय व्यापार को साल 2030 तक 500 बिलियन डॉलर तक ले जाने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल कर सकेंगे। निसंदेह, दोनों देशों के बीच व्यापार संबंध शिकवा-शिकायतों से भरे रहे हैं। वाशिंगटन नई दिल्ली पर कम टैरिफ का आरोप लगाता है जबकि भारत को अमेरिका द्वारा प्रौद्योगिकी प्रतिबंधों की शिकायत रहती है। अब अमेरिका आधे से अधिक आयातों पर टैरिफ में कटौती करने के लिए खुला और लचीला दृष्टिकोण दिखा रहा है, उससे लगता है कि एक निष्पक्ष और भविष्योन्मुखी समझौता दोनों देशों के बीच की व्यापार बाधाओं को दूर कर सकता है।

संसद के मानसून सत्र के पहले बिखरा विपक्ष

आप ने बनाई महागठबंधन से दूरी, टीएमसी ने भी की बात 'अधूरी'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संसद के 21 जुलाई से शुरू हो रहे मानसून सत्र की तैयारियों के लिए इंडी गठबंधन की शनिवार शाम ऑनलाइन बैठक हुई। विपक्ष संसद सत्र में ऑपरेशन सिंदूर और बिहार वोटर लिस्ट जैसे मुद्दों पर एकजुटता दिखाकर सरकार को घेरने की कोशिश में है, लेकिन इसके पहले ही उसे बड़ा झटका लगा है। आम आदमी पार्टी इस बैठक में शामिल नहीं होगी। ममता बेनर्जी की अगुवाई वाली टीएमसी के भी मीटिंग में शामिल होने को लेकर नानुकुर से विपक्ष परेशान दिखा। बिहार चुनाव के ठीक पहले ये संसद सत्र विपक्ष के लिए अपनी ताकत दिखाने का माध्यम हो सकता है। खुद लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बैठक के लिए तमाम दलों के प्रतिनिधियों से बात की।

बिखरता विपक्ष, सरकार रखेगी दमदार पक्ष

राहुल तमाम दलों को साधने में जुटे

सरकार ने जवाब देने के लिए की महत्वपूर्ण बैठक, खाका तैयार किया

उमर तो गठबंधन को भंग करने की बात कर चुके

जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला भी कह चुके हैं कि इंडिया गठबंधन को भंग कर देना चाहिए, क्योंकि लोकसभा चुनाव के बाद से इसकी गतिविधियां ठप हैं। इसका कोई मतलब नहीं है।

टीएमसी ने किसी तरह अभिषेक को आगे किया

ममता ने 21 जुलाई को शहीद दिवस (सिंगुर आंदोलन में मारे गए लोगों की याद में) का बहाना बनाया है। बिहार के बाद बंगाल चुनाव भी नजदीक है। ऐसे में टीएमसी कांग्रेस या वाम दलों के साथ खड़े होते नहीं दिखना चाहती। उसनेअभिषेक को आगे किया है।

आप गुजरात में सीधा मुकाबले की तैयारी में

आप ने कहा है कि इंडिया गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए ही था, लिहाजा वो अब इससे दूर रहेगी। दरअसल, आम आदमी पार्टी गुजरात और अन्य भाजपा शासित राज्यों में अपना विस्तार कर रही है। उसकी पहली कोशिश कांग्रेस को पीछे धकेलकर भाजपा के सीधे मुकाबले में आने की है। इसके लिए उसका कांग्रेस के साथ दिखना सियासी तौर पर सही नहीं है। आप ये भी मानती है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में उसकी हार की वजह कांग्रेस भी है। पंजाब में भी आप और कांग्रेस आमने-सामने हैं।

राजनाथ के आवास पर बैठक में दिग्गजों के साथ किया मंथन

संसद में गूंजेगा 'ऑपरेशन सिंदूर'?

विपक्ष ने सरकार को घेरने की तैयारी में है। विपक्ष ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भी सरकार से सवाल करेगा। सरकार ने भी विपक्ष को जवाब देने की रणनीति बना ली है। शुक्रवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर बड़ी बैठक हुई। इस में गृह मंत्री अमित शाह, जेपी नड्डा, पीयूष गोयल, किरण रिजिजू, मनोहर लाल, एल मुरुगन, अर्जुन राम मेघवाल, सीआर पाटिल व अन्य मौजूद थे।

विपक्ष इन मुद्दों को उठाएगा

बिहार वोटर लिस्ट विवाद : दूसरा सबसे बड़ा मुद्दा बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण को भी जोर-शोर से उठाएगी और उसे एनआरसी से जोड़ेगी। विपक्ष का तर्क ये है कि सरकार नागरिकता तय करना चाहती है।

बिहार क्राइम का भी उठेगा मुद्दा : विपक्ष बिहार की कानून व्यवस्था को भी मुद्दा बनना चाहेगा। बिहार में चुनाव से पहले हत्याओं का दौर चला है वह वाकई चिंताजनक है।

जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दें : विपक्ष जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दिए जाने की मांग को हवा देगा।

विमान हादसे की रिपोर्ट पर भी सवाल उठेंगे
अहमदाबाद में हुए विमान हादसे की रिपोर्ट पर भी विपक्ष सरकार से सवाल पूछेगा और इसे विमान यात्री सुरक्षा से जोड़ेगा। रिपोर्ट में कोइ खास कारण नहीं बताया गया।

खबर संक्षेप

स्टेशन लबालब, जोधपुर में बैंक की छत गिरी

जोधपुर। मौसम के बदलाव ने अब लोगों को चिंता में डाल दिया है। जोधपुर की कई कॉलोनियों में पानी भर गया है। शहर के भीतरी क्षेत्रों में सराफा बाजार और जालोरी गेट के इलाकों में पानी इतना अधिक भर गया है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की चांद शाह तकिया ब्रांच सोजती गेट की छत गिर गई। रेलवे स्टेशन क्षेत्र में 4 फीट तक पानी भर गया। इससे लोग परेशान हैं।

बेंगलुरु एयरपोर्ट पर 4 किलो कोकीन जब्त

बेंगलुरु। राजस्व खुफिया निदेशालय की बेंगलुरु क्षेत्रीय इकाई के अधिकारियों ने 18 जुलाई को दोहा से बेंगलुरु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आए एक भारतीय पुरुष यात्री को रोका। इस दौरान उसके पास से 4006 ग्राम कोकीन बरामद की। इसकी बाजार में कीमत लगभग 40 करोड़ आंकी गई है। कोकीन मैगजीन के कवर में छिपाकर रखी गई थी।

आप को फिर झटका विधायक का इस्तीफा

नई दिल्ली। खरड़ की विधायक अनमोल गगन मान ने विधानसभा से इस्तीफा दे दिया है। मान ने लिखा कि मेरा दिल भारी है, लेकिन मैंने राजनीति छोड़ने का फैसला कर लिया है। विधायक पद से स्पीकर को दिया गया मेरा इस्तीफा स्वीकार किया जाए। मेरी शुभकामनाएं पार्टी के साथ हैं। मुझे उम्मीद है कि पंजाब सरकार जनता की उम्मीदों पर खरी उतरेगी।

मैं इकरा से निकाह कबूल करता हूं: योगेंद्र

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में करणी सेना के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष योगेंद्र राणा ने कैराना सांसद इकरा हसन पर अभद्र टिप्पणी करते हुए सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया। उन्होंने इकरा हसन से निकाह करने की बात कही और असदुद्दीन ओवैसी और अकबरुद्दीन ओवैसी को जीजा बुलाने की शर्त रखी फिर विवाद होने पर पोस्ट डिलीट कर दी।

एक्टर का निधन, पैसों की तंगी बनी वजह

हैदराबाद। अनोखे तेलंगाना लहजे और बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग के लिए मशहूर एक्टर फिश वेंकट का 18 जुलाई को निधन हो गया, जिनका असली नाम वेंकट राज था। एक्टर का कई महीनों से किडनी का इलाज चल रहा था। डायलिसिस चल रहा था और उनके शरीर के कमजोर होने के कारण उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था। उन्हें किडनी ट्रांसप्लांट की जरूरत थी।

उत्तराखंड निवेश उत्सव में शाह की कांग्रेस को खरी-खरी

हवन में हड्डियां डालना बंद कीजिए, वरना गायब हो जाएंगे और कहीं के नहीं बचेंगे

रुद्रपुर में 'उत्तराखंड निवेश उत्सव' में कहा-कांग्रेस किसी राज्य में 'भला' नहीं देख सकती

एजेंसी ▶▶ रुद्रपुर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उत्तराखंड के रुद्रपुर में 'उत्तराखंड निवेश उत्सव' में हिस्सा लेते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य के विकास कार्यों की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने कभी कहा था कि छोटे राज्यों का भविष्य उज्ज्वल नहीं होगा, आज वही उत्तराखंड विकास के शिखर पर पहुंच रहा है। शाह ने बताया कि ऑल वेदर रोड परियोजना को मोदी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट तक में बचाया और अब यह लगभग पूरी हो चुकी है, जिससे चारधाम यात्रा सालभर चल सकेगी।

अमित शाह ने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि जब उत्तराखंड के लोग राज्य की मांग के लिए संघर्ष कर रहे थे, तब कांग्रेस ने आंदोलनकारियों पर लाठियां चलवाईं। उत्तराखंड का गठन भाजपा और प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने किया था। उन्होंने कांग्रेस नेताओं को चेतावनी दी कि जब राज्य का भला हो रहा हो तो उसमें हवन में हड्डियां डालना बंद करो, नहीं तो जो बचे-खुचे दिख रहे हो वो भी गायब हो जाओगे।

राज्य की मांग पर कांग्रेस ने चलवाई थी लाठियां

धामी सरकार की तारीफ भी की

ऑल वेदर रोड को रोकने की कांग्रेस ने कोशिश की

अमित शाह ने कहा कि जब कुछ एक्टिविस्ट ऑल वेदर रोड प्रोजेक्ट को रोकने की कोशिश कर रहे थे, तब मोदी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपने वकीलों को भेजकर इस परियोजना को रुकने नहीं दिया. नतीजतन यह सड़क परियोजना अब चारधाम तक सफलतापूर्वक पहुंच चुकी है और जल्द ही पूरी तरह चालू हो जाएगी. इससे बारह महीने पर्यटक उत्तराखंड आ सकेंगे।

आस्था से भरे राज्य के विकास को कोई नहीं रोक सकता

शाह ने उत्तराखंड की आध्यात्मिक महत्ता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह वह भूमि है जहां एक ज्योतिर्लिंग, तीन शक्तिपीठ, चार धाम, पंच केदार, पंच प्रयाग और सप्त बद्री जैसे पावन स्थल स्थित हैं। ऐसा राज्य, जिसका हर अंश आस्था से भरा हो, उसके विकास को कोई नहीं रोक सकता।

उत्तराखंड में एक लाख करोड़ से अधिक का निवेश आया

गृह मंत्री ने बताया कि पहाड़ी राज्य होने के बावजूद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के प्रयासों से उत्तराखंड में अब तक 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आ चुका है।

गरीब कल्याण और इंफ्रास्ट्रक्चर से पीएम मोदी ने किया विकास

शाह ने मोदी सरकार की उपलब्धियों पर कहा कि पहले कहा जाता था कि अगर इंफ्रास्ट्रक्चर और उद्योग का विकास होगा तो गरीबों का भला नहीं हो सकता, लेकिन मोदी जी ने इस मिथक को तोड़ दिया। मोदी सरकार ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला और गरीब कल्याण की दर्जनों योजनाएं चलाईं।

अटलजी ने बनाया और मोदी जी ने संवारा

शाह ने कहा किअटल जी ने उत्तराखंड, झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे तीन नए राज्य बनाए और मोदी जी ने उन्हें संवारने का काम किया। अटल जी जब गए, तब भारत 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था और मोदी जी भारत को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना चुके हैं। 2027 तक हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर दिखाएंगे। इसे आप लिख कर ले लीजिए।

उत्तराखंड को बताया संस्कृति और प्रकृति का अद्भुत संगम
शाह ने कहा कि उत्तराखंड की नदियां आधे भारत को पीने का पानी, सिंचाई के लिए जल और जीवन की गति देती हैं। यहां के संत-महात्मा गंगा किनारे हजारों वर्षों से संस्कृति को संरक्षित और विकसित करते आए हैं।

अगला विश्व पुलिस एवं अग्निशमन खेल भारत में होगा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को '21वें विश्व पुलिस एवं फायर खेल-2025' में 613 पदक विजेताओं और भारतीय दल को नई दिल्ली में आयोजित अभिनंदन समारोह को संबोधित किया। केंद्रीय गृह मंत्री ने भारतीय दल को 613 मेडल जीतने पर प्रसन्नता करते हुए शानदार प्रदर्शन कर भारत को गौरवान्वित करने के लिए भारतीय पुलिस एवं अग्निशमन दल को बधाई दी। उन्होंने कहा कि अगला विश्व पुलिस एवं अग्निशमन खेल भारत में होगा।

पीएम मोदी ने लेख को किया साझा

युवा आध्यात्मिक सम्मेलन नशा मुक्ति का अहम कदम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 'युवा आध्यात्मिक सम्मेलन' को नशा मुक्त भारत अभियान की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। उन्होंने इस सम्मेलन पर आधारित एक लेख को साझा करते हुए इस मुहिम में युवाओं की भागीदारी को जमकर सराहा।

यह सम्मेलन 'माय भारत' पहल के तहत काशी के पावन घाटों पर आयोजित किया गया, जिसका विषय था 'विकसित भारत के लिए नशा मुक्त युवा'। यह आयोजन मोदी सरकार की नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत हुआ, जिसका उद्देश्य युवाओं की अगुवाई में देश को नशे की लत से मुक्त बनाना है। प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्रीय युवा मामलों और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया के एक पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वे इस बात को विस्तार से बताते हैं कि युवा आध्यात्मिक सम्मेलन कैसे नशा मुक्त भारत के निर्माण में एक बड़ा कदम है। इसे जरूर पढ़ें!

यह आध्यात्मिक जागरण है

डॉ. मांडविया ने पोस्ट में कहा है कि यह सम्मेलन केवल एक आध्यात्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि नशा के खिलाफ एक राष्ट्रीय युवा आंदोलन की शुरुआत है। उन्होंने लिखा कि यह एक राष्ट्रीय उद्देश्य के लिए आध्यात्मिक जागरण है। भारत के युवा अब नशे की समस्या से मुक्ति दिलाने के लिए नेतृत्व कर रहे हैं। इस सम्मेलन में देशभर से आए युवा नेता, आध्यात्मिक गुरु और सामाजिक प्रभावशाली व्यक्तित्व शामिल हुए। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य, आध्यात्मिक जागरूकता और सामुदायिक सहयोग के जरिए नशा मुक्ति के व्यापक उपायों पर चर्चा की। सम्मेलन के दौरान कई जागरूकता सत्र, संकल्प कार्यक्रम और युवा केंद्रित अभियान शुरू किए गए, ताकि पूरे देश में एकजुटता और सामूहिक भागीदारी के जरिए नशा मुक्त भारत का संदेश फैलाया जा सके।

मंगल पांडे की जयंती पर कई नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

उनका साहस देशवासियों के लिए बड़ी प्रेरणा

भारत के पहले स्वतंत्रता संग्राम के महानायक मंगल पांडे की जयंती पर देशभर के नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके साहस को नमन किया। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर मंगल पांडे को याद करते हुए लिखा कि महान स्वतंत्रता सेनानी मंगल पांडे को उनकी जयंती पर आदरपूर्ण श्रद्धांजलि। वे ब्रिटिश हुकूमत को चुनौती देने वाले देश के अग्रणी योद्धा थे। उनके साहस और पराक्रम की कहानी देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत बनी रहेगी।

राज ठाकरे की निशिकांत को चेतावनी

भाषा विवाद पर वार पलटवार गहराया

तुम मुंबई आ जाओ, हम यहां के समंदर में डुबो-डुबोकर मारेंगे

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र में भाषा के विवाद में भाषा की मर्यादा टूटती नजर आ रही है। एमएनएस अध्यक्ष राज ठाकरे ने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे को चैलेंज किया है कि मुंबई आओ, समुद्र में डुबो-डुबोकर मारेंगे। राज ठाकरे ने कहा कि मैं दुबे को बोलता हूं, तुम मुंबई में आ जाओ, मुंबई के समंदर में डुबो-डुबोकर मारेंगे। उन्होंने कहा कि अगर किसी ने यहां मराठी का अपमान किया, तो उसके गाल और हमारे हाथ की 'युति' जरूर होकर रहेगी। हम अपनी स्टाइल में आपको जवाब देंगे।

मीरा रोड पर जिसे पीटा गया वो सही हुआ
राज ठाकरे ने कहा कि मुंबई के मीरा रोड में जो कुछ हुआ, जिसे पीटा गया, वो सही हुआ उसे महाराष्ट्र स्टाइल में जवाब दिया गया। महाराष्ट्र में रह रहे हो, शांति से रहो, मराठी सीखो।

अब कांग्रेस नेता ने कहा ईंट का जवाब पत्थर से दें

राज-दुबे के बीच चल रहे अब इस विवाद में कांग्रेस के नेता विजय वडेट्टीवार भी कूद पड़े हैं। इतना ही नहीं उन्होंने ये तक कह दिया कि ईंट का जवाब पत्थर से दो। इसकी वजह बताते हुए कहा कि ईंट से जवाब देने से दो टांके, जबकि पत्थर से जवाब देने से चार टांके लगेंगे। ऐसे में दोनों घायल होंगे और दोनों को नुकसान होगा।

ठीक से उम्मीदवार नहीं किए गए थे तय

पिछली गलतियां होती रहेंगी तो हमारा गठबंधन में रहना मुश्किल हो जाएगा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

शिवसेना (उबाठा) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने सवाल उठाया है कि अगर 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा की तरह सीट बंटवारे और उम्मीदवारों के चयन में देरी जैसी गलतियां दोबारा हुईं तो महा विकास आघाडी (एमवीए) का क्या औचित्य रह जाएगा। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में एमवीए के प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद का उत्साह विधानसभा चुनाव के दौरान पार्टियों के खुद के जीतने पर केंद्रित व्यक्तिगत अहंकार में बदल गया, जो अंततः उनकी हार का कारण बना। उन्होंने कहा कि चुनावों के दौरान कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में उम्मीदवार तय नहीं किए गए थे। यह एक गलती थी जिसे सुधारना होगा। अगर भविष्य में ऐसी गलतियां होती रहीं तो साथ रहने का कोई मतलब नहीं है।

महाविकास अघाडी पर उद्धव ने उठाए सवाल

सहयोगियों को 'बड़ी' सीटें देनी पड़ी

मुखपत्र 'सामना' को दिए साक्षात्कार में ठाकरे ने अफसोस जताया कि उनकी पार्टी को लोकसभा चुनाव के दौरान अपने एमवीए सहयोगियों को वे सीट देनी पड़ीं, जो उसने पहले कई बार जीती थीं। विधानसभा चुनाव के दौरान सीट बंटवारे पर बातचीत आखिरी क्षण तक चली। इस झगड़े से जनता के बीच हमारे बारे में गलत संदेश गया। चुनाव के दौरान रियायतों की घोषणा करने की होड़ से शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी (शरदचंद्र पवार) और कांग्रेस के गठबंधन एमवीए को नुकसान हुआ।

उधर 'महामुलाकात' पर शिंदे ने कसा तंज

रंग बदलने में गिरगिट से भी तेज निकले उद्धव

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उद्धव पर तीखा हमला बोला है। उन्हें रंग बदलने वाला गिरगिट करार देते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने 2019 में देवेंद्र फडणवीस के साथ धोखा किया।

चुनाव आयोग की विशेष पुनरीक्षण मुहिम में बड़ा खुलासा

अब तक बिहार के 94.68 फीसदी मतदाता सूची में शामिल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

चुनाव आयोग (ईसीआई) ने बताया कि बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत अब तक 94.68 फीसदी मतदाताओं को कवर कर लिया गया है। राज्य में कुल 7,89,69,844 मतदाताओं में से 90.12 फीसदी लोगों से फॉर्म प्राप्त हुए हैं। हालांकि, 4.67 फीसदी मतदाता अपने पते पर नहीं मिले, 1.61 फीसदी की मृत्यु हो चुकी है। 0.75 फीसदी लोग एक से अधिक स्थानों पर नामांकित हैं। 2.3 फीसदी ने स्थायी रूप से पता बदला है और 0.01 प्रतिशत का पता नहीं चल पाया है।

अंतिम लिस्ट 30 सितंबर को होगी जारी, डेटा भी पेश किया

सभी दलों को भी जानकारी दी जाएगी

एसआईआर आदेश के अनुसार प्रत्येक बीएलए प्रतिदिन अधिकतम 50 फॉर्म प्रमाणित करके जमा कर सकता है। यह प्रक्रिया चुनाव आयोग की उस प्रतिबद्धता का हिस्सा है, जिसके तहत कोई भी पात्र मतदाता छूटे नहीं। अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर को प्रकाशित की जाएगी और फिर से सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को उसकी प्रिंट और डिजिटल कॉपी मुफ्त में दी जाएगी तथा वेबसाइट पर उपलब्ध कराई जाएगी।

बीएलए ने पूरी जानकारी साझा की
आयोग ने यह भी बताया कि जिन मतदाताओं को मृत, स्थायी रूप से स्थानांतरित, एक से अधिक स्थानों पर नामांकित या अनुपलब्ध पाया गया है, उनकी सूची जिला स्तरीय राजनीतिक दलों के अध्यक्षों और उनके द्वारा नियुक्त 1.5 लाख बूथ लेवल एजेंट्स (बीएलए) के साथ साझा की गई है, ताकि वे 25 जुलाई से पहले इन मामलों की पुष्टि कर सकें।

1 अगस्त को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित होगी

चुनाव आयोग ने कहा कि 1 अगस्त को ड्राफ्ट इलेक्टोरल रोल (प्रारूप मतदाता सूची) प्रकाशित की जाएगी। इसके बाद एक महीने तक सभी राजनीतिक दलों और आम जनता को सुझाव और सुधार भेजने का अवसर दिया जाएगा। आयोग ने स्पष्ट किया कि सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को यह प्रारूप सूची मुफ्त में प्रिंट और डिजिटल रूप में दी जाएगी और इसे चुनाव आयोग की वेबसाइट पर भी अपलोड किया जाएगा, ताकि जनता आसानी से इसे देख सके। आयोग ने आश्वस्त किया कि कोई भी पात्र मतदाता छूटेगा नहीं।

वेरावल-जबलपुर सोमनाथ एक्सप्रेस

खाने-पानी की ज्यादा कीमत पर बोला तो स्टाफ ने यात्री को पीटा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

हर व्यक्ति चाहता है कि उसकी यात्रा सुखद और आरामदायक हो। ट्रेन का सफर तो वैसे भी रिश्ते बनाने का सफर होता है। हालांकि कई बार ऐसी घटनाएं सामने आती हैं जो कि यात्रा का सारा मजा खराब कर देती हैं। ट्रेन में खाने को लेकर लोग अकसर सोशल मीडिया पर शिकायत करते हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। दावा किया गया है कि एक यात्री ने जब खाने और पानी की ज्यादा कीमत को लेकर आवाज उठाई तो पैंट्री स्टाफ मारपीट पर उतारू हो

गया। आईआरसीटीसी और रेलवे कई बार यात्रियों को आश्वस्त कर चुका है कि इस तरह का व्यवहार नहीं होगा। इसके बाद भी यात्रियों के साथ दुर्व्यवहार की घटनाएं कष्टदायी हैं। यह मामला गाड़ी संख्या11462 का है। यानी, वेरावल-जबलपुर सोमनाथ एक्सप्रेस का है।

एक पेड़ की तरह है निवेश, अभी लगाएंगे तो भविष्य में देगा छाया

● निवेश की यात्रा शुरू कर रहे हैं तो जान लें कुछ जरूरी नियम ● सबसे पहले निवेश के लिए लक्ष्य लेकर चलें और रुकें नहीं ● हमेशा लंबी अवधि के लिए निवेश करें और उसे हर साल बढ़ाते जाएं

निवेश मंत्रा
विनोद कौशिक

निवेश एक पेड़ की तरह है। यदि आप इस समय निवेश रूपी पौधा रोपेंगे तो यह बुढ़ापे में आपको छाया देगा और भविष्य को सुरक्षित रखेगा। अगर आप भी अपनी निवेश यात्रा शुरू करने जा रहे हैं या कर चुके हैं तो कुछ नियमों को अपने जीवन में उतार लें। इससे आप आसानी से अपने सपने को पूरा कर सकेंगे। अपने गोल पूरे कर सकेंगे। सबने इन्वेस्टमेंट यानी निवेश शब्द तो बहुत बार सुना होगा। चाहे परिवार की बातचीत, समाचार अपडेट या रोजमर्रा के जीवन में भी, लेकिन क्या आप कभी यह सोचने से रोके हैं कि इसका क्या मतलब है? सबसे सरल अर्थ में, इन्वेस्टमेंट आज पैसे, समय या ऊर्जा देने के बारे में है, आशा है कि यह भविष्य में कुछ और बढ़ेगा। कल्पना करें कि यह एक पौधा रोपने की तरह है, आप कोशिश करते हैं, इसे सावधानी से पोषण करते हैं, यह जानकर कि किसी दिन यह आपको छाया, फल या शायद कुछ सुंदरता भी प्रदान करेगा। यही इन्वेस्टमेंट यानी निवेश का मंत्र है। हमेशा लंबी अवधि के लिए निवेश करें और उसे हर साल बढ़ाते जाएं।

आखिर क्या है निवेश

निवेश एक प्रक्रिया है, जिसमें व्यक्ति या संगठन अपने पैसे को विभिन्न प्रकार की संपत्तियों या वित्तीय साधनों में लगाते हैं, जिससे उन्हें भविष्य में आय या लाभ प्राप्त हो सके। निवेश का उद्देश्य आमतौर पर अपने पैसे को बढ़ाना, आय अर्जित करना, या भविष्य के लिए बचत करना होता है। निवेश एक एसेट और/या एक आइटम है जो या तो अप्रिशिएशन प्राप्त करने या इनकम जनरेट करने के लिए अर्जित किया जाता है। इन्वेस्टमेंट में वृद्धि एक निश्चित अवधि में एसेट/आईटम के मूल्य में वृद्धि है। इससे स्टॉक खरीदना, रियल एस्टेट में इन्वेस्ट करना, गोल्ड खरीदना, या साइड बिजनेस शुरू करना भी हो सकता है। प्रत्येक विकल्प में वृद्धि की क्षमता होती है, विशेष रूप से अगर अच्छी तरह से मैनेज किया जाता है और हां, इसमें कुछ जोखिम शामिल हैं- वहां कोई आश्चर्य नहीं है, लेकिन ये इन्वेस्टमेंट वेल्थ-बिल्डिंग के अवसर प्रदान कर सकते हैं।

निवेश के प्रकार

1. **वित्तीय निवेश** : इसमें शेयर, बॉन्ड, म्यूचुअल फंड, और अन्य वित्तीय साधन शामिल हैं।
2. **वास्तविक निवेश** : इसमें अचल संपत्ति, सोना, और अन्य भौतिक संपत्तियां शामिल हैं।
3. **व्यवसायिक निवेश** : इसमें व्यवसाय शुरू करने या व्यवसाय में हिस्सेदारी खरीदने के लिए निवेश करना शामिल है।

निवेश के लाभ

1. **आय अर्जित करना** : निवेश से आय अर्जित करने का अवसर मिलता है।
2. **पैसे का बढ़ना** : निवेश से पैसे का मूल्य बढ़ सकता है।
3. **भविष्य के लिए बचत** : निवेश से भविष्य के लिए बचत करने में मदद मिलती है।
4. **विविधीकरण** : निवेश से पोर्टफोलियो का विविधीकरण होता है, जिससे जोखिम कम होता है।
5. **कैपिटल प्रिज़र्वेशन** : जब आप इन्वेस्ट करते हैं, तो आप अपने पैसे को सुरक्षित रखते हैं और समय के साथ वैल्यू को खोने से रोकते हैं।
6. **टैक्स लाभ** : कुछ इन्वेस्टमेंट आपकी टैक्स योग्य आय को कम करने में मदद कर सकते हैं, जो हमेशा बोनस होता है!

निवेश के जोखिम

1. **बाजार का जोखिम** : बाजार की स्थितियों में बदलाव से निवेश का मूल्य प्रभावित हो सकता है।
2. **क्रेडिट जोखिम** : उधारकर्ता के डिफ़ॉल्ट करने से निवेश का मूल्य प्रभावित हो सकता है।
3. **लिक्विडिटी जोखिम** : निवेश को आसानी से बेचने में समस्या हो सकती है।
4. **जोखिम** : मुद्रास्फीति से निवेश का मूल्य प्रभावित हो सकता है।

ऐसे करें निवेश

1. **लक्ष्यों को परिभाषित करें** : सोचें कि आप अपने इन्वेस्टमेंट को प्राप्त करने के लिए क्या चाहते हैं।
2. **अपने जोखिम का आकलन करें** : सोचें कि आप नींद को खोए बिना कितना जोखिम ले सकते हैं।
3. **अपने इन्वेस्टमेंट चुनें**: आपके लिए सही महसूस करने वाले स्टॉक, बॉन्ड, रियल एस्टेट और फंड का मिश्रण चुनें।
4. **नियमित रूप से इन्वेस्ट करें**: हर महीने एक निश्चित राशि अलग रखने पर विचार करें. यह पहले खुद को भुगतान करने की तरह है।

ऐसे करता है काम

आप किसी कंपनी (एक एसेट) में शेयर खरीदने का निर्णय लेते हैं, जिसका आपको विश्वास है कि आपके पास एक आशाजनक भविष्य है। अगर कंपनी की वैल्यू बढ़ती है, तो आपके शेयरों की कीमत भी बढ़ती है या शायद आप किसी ऐसे क्षेत्र में भूमि (संपत्ति) का प्लॉट खरीदते हैं जिसे आप सोचते हैं कि समय के साथ महंगा हो जाएगा। दोनों मामलों में, आपका पैसा काम करने के लिए लगाया जाता है, और अगर चीजें अच्छी तरह से चलती हैं, तो यह आपको लगातार ध्यान दिए बिना लौटना लाता है।

निवेश का महत्व

- इन्वेस्टमेंट आपके पैसे को महंगाई से बचा सकता है।
- आपको आय अर्जित करने में मदद कर सकता है।
- आपको अपने लॉन्ग-टर्म लक्ष्यों के करीब ला सकता है।
- समय के साथ अपनी कैश वैल्यू खोने के बजाय, इन्वेस्टमेंट आपको रियल वेल्थ

बनाने में मदद कर सकता है

- कंपाउंडिंग होती है-जहां आपका रिटर्न गुणा होता है और समय के साथ अपना रिटर्न जनरेट करना शुरू करता है।
- इसलिए, चाहे रिटायरमेंट के लिए बचत हो या उस ड्रीम वेकेशन, इन्वेस्टमेंट आपके सभी वर्तमान और भविष्य के लक्ष्यों को आसानी से पूरा कर सकता है।

निवेश से पहले यह जान लें

जोखिम सहिष्णुता: आप अपने इन्वेस्टमेंट के कुछ या सभी को खोने के विचार से कितना आरामदायक हैं?
समय सीमा: क्या आप शॉर्ट टर्म या लॉन्ग टर्म के लिए इन्वेस्ट करना चाहते हैं?
फाइनेंशियल लक्ष्य: आप अपने इन्वेस्टमेंट के माध्यम से क्या प्राप्त करना चाहते हैं?
विविधता: विभिन्न क्षेत्रों में अपने इन्वेस्टमेंट को फैलाकर जोखिम को मैनेज करने में मदद मिल सकती है, जैसे कि आपके सभी अंडे एक ही टोकरी में न डालें।

इसलिए करें इन्वेस्टमेंट

महंगाई से सुरक्षा: इन्वेस्टमेंट अक्सर महंगाई की तुलना में तेजी से बढ़ते हैं, जिससे आपके पैसे की वैल्यू को सुरक्षित रखा जाता है।
पैसिव आय जनरेट करें: कुछ इन्वेस्टमेंट, जैसे डिविडेंड-भुगतान स्टॉक, नियमित कैश फ्लो प्रदान कर सकते हैं।
फाइनेंशियल लक्ष्य प्राप्त करें: इन्वेस्टमेंट आपको बड़े जीवन की घटनाओं, जैसे घर खरीदना या आराम से रिटायर होना आदि के लिए बचत करने में मदद करता है। इन्वेस्ट करना शुरू करना कभी भी बहुत जल्दी नहीं है, जितनी जल्दी आप शुरू करते हैं, कंपाउंडिंग का लाभ मिलेगा।

ग्रीन एफडी : सुरक्षित निवेश के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी करें योगदान

अभी सभी बैंक ग्रीन डिपॉजिट की सुविधा नहीं दे रहे हैं। फिर भी, कई बड़े सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों ने इस दिशा में कदम उठाया है। मोहित गांग के मुताबिक, एसबीआई, बैंक ऑफ इंडिया, एक्सिस बैंक, केनरा बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा जैसे बैंक ग्रीन डिपॉजिट योजनाएं शुरू कर चुके हैं।

बचत
बिजनेस डेस्क

जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण जैसी चुनौतियों से जूझ रही दुनिया अब निवेश के तरीकों में भी धीरे-धीरे बदलाव कर रही है। इन्हीं नए नए तरीकों के बीच भारत में अब एक नया फाइनेंशियल प्रोडक्ट तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। इस लोकप्रिय प्रोडक्ट को नाम दिया है ग्रीन डिपॉजिट। यह एक ऐसा निवेश विकल्प है, जो न केवल सुरक्षित और अच्छा रिटर्न देता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी अहम भूमिका निभाता है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जून 2023 में ग्रीन डिपॉजिट के लिए एक स्ट्रक्चर जारी किया था, जिसमें बैंकों को जमा पैसे को सिर्फ ग्रीन प्रोजेक्ट्स में लगाने की अनुमति दी गई है। इस प्रोजेक्ट्स में मुख्य रूप से सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक गाड़ियां, पानी और वेस्ट मैनेजमेंट आदि शामिल होते हैं। ग्रीन डिपॉजिट एक सामान्य फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) की तरह ही है, लेकिन इसका असर कहीं अधिक बड़ा और पॉजिटिव है। इसमें बैंकों को सालाना रिपोर्टिंग और थर्ड पार्टी ऑडिट जैसी पारदर्शिता की शर्तें पूरी करनी होती हैं, जिससे निवेशकों का भरोसा मजबूत होता है। स्टेट बैंक, एक्सिस, यूनियन बैंक जैसे कई बड़े बैंक इस विकल्प की पेशकश कर रहे हैं। अगर आप एक ऐसा निवेश चाहते हैं जो आपको आर्थिक लाभ के साथ-साथ धरती को भी लाभ पहुंचाए, तो ग्रीन डिपॉजिट एक समझदारी भरा कदम हो सकता है।

यह कैसे करता है काम

ग्रीन डिपॉजिट में भी निवेशक अपने पैसे को बैंक में एक निश्चित समय के लिए एफडी की तरह जमा करते हैं, और बदले में उन्हें उसका ब्याज मिलता है, लेकिन इस योजना की खासियत यह है कि जमा किए गए पैसे का इस्तेमाल केवल उन परियोजनाओं में किया जाता है, जो पर्यावरण के लिए फायदेमंद हों। इन परियोजनाओं में सौर और पवन ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन, जलवायु परिवर्तन से बचने के लिए हो रहे काम, पानी, वेस्ट मैनेजमेंट और ग्रीन बिल्डिंग आदि शामिल हो सकते हैं। बैंकिंग एक्सपर्ट कहते हैं, "जब कोई व्यक्ति या संस्था ग्रीन डिपॉजिट में निवेश करता है, तो बैंक उस पैसे को ऐसी परियोजनाओं के लिए लोन देने या निवेश करने में उपयोग करता है।

ऐसे समझें उदाहरण

उदाहरण के लिए, यह पैसा सौर ऊर्जा प्लांट बनाने, इलेक्ट्रिक गाड़ियां बनाने आदि को बनाने या फिर उसके लिए रिसर्च में इस्तेमाल किया जा सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक ने यह सुनिश्चित करने के लिए सख्त नियम बनाए हैं कि इन फंड्स का उपयोग केवल इन्हीं चीजों के लिए ही हो। बैंकों को हर साल इन फंड्स के उपयोग और उनके होने वाले पर्यावरणीय प्रभाव की जानकारी सार्वजनिक करनी होती है।

क्या कहते हैं जानकार

ग्रीन डिपॉजिट में निवेश की प्रक्रिया एफडी की तरह ही होती है। निवेशक को एक निश्चित पैसा (जो आमतौर पर 5,000 रुपये से शुरू होकर 10 करोड़ रुपये तक हो सकती है) जमा करना होता है। जमा करने का समय और ब्याज दर बैंक के नियमों पर निर्भर करती है। इस पैसे को डीआईसीजीसी के तहत बीमा किया जाता है, जिससे निवेशक का पैसा सुरक्षित रहता है।

नियमों और पारदर्शिता

दूसरा अंतर नियमों और पारदर्शिता में है। ग्रीन डिपॉजिट पर भारतीय रिजर्व बैंक की पूरी नजर रहती है और इसके लिए अलग से दिशानिर्देश हैं। इसकी वजह से बैंकों को फंड्स के उपयोग की पूरी जानकारी देने और हर साल ऑडिट करवाना पड़ता है। इसके विपरीत, एफडी में ऐसी कोई शर्त या पारदर्शिता की जरूरत नहीं होती। ब्याज दरों की बात करें तो ग्रीन डिपॉजिट की दरें सामान्य एफडी के बराबर या कभी-कभी थोड़ी अधिक हो सकती हैं, क्योंकि बैंक पर्यावरण के प्रति जागरूक निवेशकों को आकर्षित करने के लिए कभी-कभी अच्छी दरें ऑफर करते हैं। एक और जरूरी अंतर नैतिक प्रभाव का है। ग्रीन डिपॉजिट में निवेश करके व्यक्ति पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन से निपटने में योगदान देता है, जो इसे एक नैतिक और जिम्मेदार निवेश विकल्प बनाता है। सामान्य एफडी में ऐसा कोई पर्यावरणीय या सामाजिक प्रभाव नहीं होता।

ग्रीन डिपॉजिट के क्या फायदे

ग्रीन डिपॉजिट का सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह निवेशकों को पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने का मौका देता है। अगर आप जलवायु परिवर्तन या प्रदूषण जैसी समस्याओं को लेकर चिंतित हैं, तो यह योजना आपके पैसे को सही दिशा में लगाने का एक तरीका है। इसके अलावा, इसकी ब्याज दरें सामान्य एफडी की तुलना में प्रतिस्पर्धी होती हैं, जिससे निवेशक को आर्थिक लाभ भी मिलता है। यह योजना उन लोगों के लिए भी खास है, जो अपने निवेश को पर्यावरण, सामाजिक और शासन मानकों के आधार पर करना चाहते हैं। ग्रीन डिपॉजिट के जरिए निवेशक अपने पोर्टफोलियो में विविधता ला सकते हैं और साथ ही पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी भी निभा सकते हैं। बैंकों द्वारा हर साल दी जाने वाली रिपोर्ट और तीसरे पक्ष के ऑडिट से निवेशकों को यह भरोसा रहता है कि उनका पैसा सही जगह पर इस्तेमाल हो रहा है। साथ ही, डीआईसीजीसी के तहत बीमा होने से यह निवेश पूरी तरह सुरक्षित भी है।"

एफडी से कितना अलग है ग्रीन डिपॉजिट

ग्रीन डिपॉजिट और एफडी में कई समानताएं हैं। हालांकि, कुछ बुनियादी अंतर दोनों को अलग बनाते हैं। सबसे बड़ा अंतर यह है कि ग्रीन डिपॉजिट में जमा किए गए पैसे का इस्तेमाल सिर्फ पर्यावरण को लाभ पहुंचाने वाले परियोजनाओं में किया जाता है, जबकि एफडी में जमा पैसे का इस्तेमाल बैंक अपने सामान्य कारोबार, लोन देने या दूसरे निवेश में उपयोग कर सकता है। इस तरह ग्रीन डिपॉजिट में निवेश करने वाला हर व्यक्ति यह दावा कर सकता है कि उसका पैसा पर्यावरण से जुड़ी परियोजनाओं के लिए हो रहा है।

जवानी में कर लें इतना निवेश की बुढ़ापे में न गिननी पड़े परेशानियां

- रूल ऑफ 70 से जानिए बुढ़ापे में कितना पैसा होगा काफी
- आज की अर्थव्यवस्था में पैसा सबसे बड़ी जरूरत बन चुका
- जवानी में गलत फैसले लिए गए, तो बुढ़ापा मुश्किल होगा
- युवावस्था से ही रिटायरमेंट को मजबूत फंड बनाना शुरू करें
- अच्छा फंड भविष्य में आर्थिक तंगी से बचाएगा, जीवन आरामदायक बनेगा

जानकारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी रिटायरमेंट प्लानिंग कर रहे हैं तो जरा ध्यान दें। आप जितना जल्दी निवेश शुरू करेंगे। उतना ही बुढ़ापे में सुरक्षित होंगे। इसलिए जरूरी है कि जवानी में इतना निवेश कर लें कि बुढ़ापे में परेशान न होना पड़े। इसके लिए आप रूल ऑफ 70 के फार्मूले को भी फॉलो कर सकते हैं। इससे पता चल जाएगा कि बुढ़ाप अच्छे से काटने के लिए आपको कितने धन की जरूरत होगी। आज की अर्थव्यवस्था में पैसा सबसे बड़ी जरूरत बन चुका है। अगर जवानी में गलत फैसले लिए गए, तो बुढ़ापा मुश्किल हो सकता है। इसलिए जरूरी है कि युवावस्था से ही रिटायरमेंट के लिए मजबूत फंड बनाना शुरू करें, ताकि भविष्य में आर्थिक तंगी से बचा जा सके और जीवन आरामदायक बना रहे।

हमेशा महंगाई का ध्यान रखें

आप भी सोचते होंगे कि अगर आपके पास एक करोड़ रुपये हों, तो जिंदगी की सारी ज़रूरतें पूरी हो जाएंगी, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि यही रकम आने वाले वक्त में आपके लिए कितनी मायने रखेगी। आज जो रकम बड़ी लगती है, वो कल को शायद उतनी काम की न हो। महंगाई हर साल धीरे-धीरे बढ़ती रहती है और इसके साथ हमारी जरूरतों की कीमत भी। ऐसे में अगर आपने भविष्य की प्लानिंग सही से नहीं की, तो रिटायरमेंट के बाद दिक्कतें हो सकती हैं। कई बार हम यह मान लेते हैं कि जितना पैसा आज हमें काफी लग रहा है, वही आगे भी काफी रहेगा, लेकिन असलियत इससे बिल्कुल अलग है। इसलिए जरूरी है कि आप आज ही यह समझें कि आपकी रकम भविष्य में कितनी टिक पाएगी और उसी के हिसाब से अपनी बचत और निवेश की योजना बनाएं।

ऐसे जानें 'रूल ऑफ 70'

आपके पैसों की वैल्यू भविष्य में कितनी रह जाएगी, यह जानने के लिए 'रूल ऑफ 70' एक सरल तरीका है। इसमें आपको बस मौजूदा महंगाई दर जाननी होती है। जब आप 70 को उस महंगाई दर से भाग देंगे, तो जो संख्या निकलेगी, वह यह बताएगी कि कितने साल में आपके पैसों की आधी हो जाएगी। उदाहरण के लिए, अगर महंगाई दर 7% है, तो 70/7=10 साल। यानी 10 साल में आपके 1 करोड़ की वैल्यू 50 लाख जैसी हो जाएगी।

क्यों जरूरी है सही फाइनेंशियल प्लानिंग

लोग अक्सर सोचते हैं कि एक तय रकम जोड़ लेना ही काफी है, लेकिन वे महंगाई के असर को नजरअंदाज कर देते हैं। केवल सेविंग्स करना काफी नहीं है, आपको यह भी समझना होगा कि वो रकम भविष्य में क्या वैल्यू रखेगी। रूल ऑफ 70 जैसे सिंपल फॉर्मूलों से आप अपनी योजना को रियलिस्टिक बना सकते हैं। इससे आपको साफ नजर आएगा कि भविष्य में कितना पैसा वाकई जरूरी होगा।

स्मार्ट प्लानिंग

बुढ़ापे में आर्थिक तंगी से बचने के लिए युवावस्था से ही बचत और निवेश शुरू करें। हर महीने आय का कम से कम 20% रिटायरमेंट फंड में डालें। एसआईपी, पीपीएफ, और म्यूचुअल फंड जैसे विकल्प अपनाएं। महंगाई दर को ध्यान में रखते हुए फंड टारगेट तय करें। रूल ऑफ 70 से समझें पैसों की घटती वैल्यू और उसी अनुसार लॉन्ग टर्म प्लान तैयार करें।

सही लक्ष्य तय करें

बुढ़ापे में आर्थिक तंगी से बचने के लिए जरूरी है कि आप जल्द से जल्द निवेश शुरू करें। नियमित रूप से अपने फाइनेंशियल टारगेट्स की समीक्षा करें। बाजार की स्थितियों और महंगाई के हिसाब से अपनी रणनीति में बदलाव करते रहें। याद रखें, समय के साथ रुपये की वैल्यू घटती है, लेकिन सही प्लानिंग से आप अपनी भविष्य की जरूरतों को पूरा कर सकते हैं।

विकल्पों का विश्लेषण

निवेश की प्लानिंग एक प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति या संगठन अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए निवेश रणनीति तैयार करते हैं। इसमें निवेश के उद्देश्यों, जोखिम सहनशक्ति, समय सीमा, और निवेश विकल्पों का विश्लेषण करना शामिल है। निवेश के उद्देश्यों को निर्धारित करना, जैसे कि आय अर्जित करना, पैसे का बढ़ना, या भविष्य के लिए बचत करना। निवेश की प्लानिंग एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है जो व्यक्ति या संगठन को अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकती है।

ईपीएफओ के डिजिटल प्लेटफॉर्म में हो रहा बदलाव, आखिर क्या होगा असर

माना जा रहा है कि जब प्रतिस्पर्धा सीमित होती हैतो मूल्य निर्धारण पारदर्शी नहीं रह जाता। इससे परियोजना की लागत अनावश्यक रूप से बढ़ने की आशंका रहती है। ईपीएफओ के टेंडर में अगर अधिक से अधिक कंपनी हिस्सा लेगी तो इसका लाभ उन्हें ही होगा और प्रतिस्पर्धा की वजह से ईपीएफओ को कम लागत में एक बेहतर सेवा प्रदाता कंपनी की सेवा मिलेगी।

बिजनेस डेस्क

देश के 27 करोड़ से अधिक कामगारों की बचत की संरक्षक संस्था के रूप में कार्य कर रही कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने 14 जुलाई 2025 को अपने आईटी सिस्टम (ईपीएफओ प्लेटफार्म) पर व्यापक बदलाव की तैयारी शुरू कर दी है। स्वभाविक है कि इस बदलाव से लोगों पर व्यापक असर भी दिखाई देगा। कुछ राहत मिलेगी तो कुछ खतरे भी बढ़ सकत हैं। ईपीएफओ के इस बदलाव से जुड़ी हालिया प्रक्रिया विशेषकर एजेंसी के चयन हेतु जारी एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट(ईओआई) को लेकर विशेषज्ञों और उद्योग जगत ने पारदर्शिता, निष्पक्षता और संभावित पक्षपात को लेकर गहरी चिंता जताई है। एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट दस्तावेज़ में एक प्रमुख शर्त यह है कि बोलीदाता ने प्रस्तावित कोर बैंकिंग सोल्यूशन (सीबीएस) को किसी अनुसूचित कॉर्मसियल बैंक में लागू किया हो। पहली नजर में यह एक सामान्य, अनुभव आधारित मानदंड लगता है, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार यह शर्त ईपीएफओ की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं है।

खातों का रख-रखाव, अंशदान प्रबंधन, पेंशन का वितरण आदि है। इसके लिए एक मजबूत, स्केलेबल और यूज़र-फ्रेंडली डिजिटल प्लेटफॉर्म जरूरी है, लेकिन इसके लिए कोर बैंकिंग सॉल्यूशन (सीबीएस) की अनिवार्यता अप्रासंगिक मानी जा रही है। इसका कारण ये है कि ईपीएफओ का काम कोर बैंकिंग से संबंधित नहीं है। ईओआई की भाषा से यह प्रतीत होता है कि बैंकिंग क्षेत्र को सेवा देने वाली कंपनी को प्राथमिकता दी जा रही है। प्री-बिड मीटिंग में शामिल कंपनियों ने यह भी ये सवाल उठाये किया कि दस्तावेज़ में वर्णित तकनीकी विशिष्टताएँ एक कंपनी विशेष की क्षमताओं से काफी मेल खाती हैं। कम्पनियों ने ईरपीएफओ पोर्टल पर क्वेरी जेनेरेट कर अपनी चिंता व्यक्त की लेकिन ईपीएफओ ने कंपनियों के सभी आपत्ति को दरकिनार कर दिया।

नवाचार की राह में बाधा

ईओआई की शर्तों से कई प्रतिष्ठित कंपनियां इस काम के लिए बिड की करने की प्रक्रिया से बाहर हो सकती हैं, खासकर जिन्होंने डिजिटल गवर्नेंस और सार्वजनिक सेवाओं के लिए बेहतरीन समाधान विकसित किए हैं लेकिन बैंकिंग सीबीएस पर काम नहीं किया है। ईओआई बैठक में भाग लेने वाली प्रमुख कंपनियां टीसीएस, इंफोसिस, विप्रो, सीआईपीएल, एडब्ल्यूएस, एचसीएल सॉफ्टवेयर और फिन्सिल थीं। जबकि केवल एक-दो कंपनियां ही सीबीएस का अनुभव रखती हैं।

इस पर क्या है विशेषज्ञों की राय

ईपीएफओ कोई बैंक नहीं

ईपीएफओ कोई बैंक नहीं है। इसकी कार्यप्रणाली सार्वजनिक सेवा मंच जैसी है। ऐसे में बैंकिंग सीबीएस की अनिवार्यता तकनीकी दृष्टि से गैरजरूरी और रणनीतिक रूप से भ्रामक है। -पवन दुग्गल, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर एवं सायबर सुरक्षा विशेषज्ञ

उद्देश्य समाधान ढूंढना नहीं

यह आरएफपी किसी खास उत्पाद के लिए रिवर्स इंजीनिरिड लगती है। ये बहुत ही रिस्ट्रीक्टिव है एवं इसका उद्देश्य समाधान ढूंढना नहीं, बल्कि समाधान में किसी ख़ास बोलीदाता (बिडर) को लाभ पहुंचाना है। -अनूज प्रकाश अवस्थी, टेक्नोलॉजी एडवोकेट, सुप्रीम कोर्ट।

नवाचार-विरोधी भी

- डिजिटल एवं आईटी के काम के लिए टेंडर की प्रक्रिया में हिस्सा लेने वाली एक प्रमुख कंपनी एमनेक्स टेक्नॉलाजी का कहना है कि यह सिर्फ खराब खरीद प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह नवाचार-विरोधी भी है। यह सरकार के 'मेक इन इंडिया' और 'ओपन इनोवेशन' के मूल सिद्धांतों के भी खिलाफ है।
- वहीं वित्त मंत्रालय में वरिष्ठ सलाहकार के पद पर काम कर चुके एक अधिकारी ने बताया कि टेंडर प्रक्रिया में किसी विशेष शर्त को जोड़ना या किसी खास कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए शर्तों का निर्धारण जीएफआऱ एवं सीवीसी के नियमों का उल्लघन है। उनके मुताबिक, अगर प्रतियोगिता का दायरा सीमित होगा, तो बोली की कीमतें बाजार के अनुरूप नहीं होंगी।

ईपीएफओ के लिए आगे की राह

- ईओआई जमा करने की अंतिम तिथि जैसे-जैसे नज़दीक आ रही है, ईपीएफओ पर यह दबाव बढ़ रहा है कि वह इस प्रक्रिया की समीक्षा करे, और योग्यताओं को कार्य-आधारित और समाधान-उन्मुख तरीके से परिभाषित करे। साथ ही इस प्रक्रिया मेंतकनीकी रिप्रजेंटेशन को प्रमुखता दी जाए। मूल्यांकन की प्रक्रिया में विविध पारदर्शी मानदंड जोड़े जाएं साथ ही पूरी प्रक्रिया में निष्पक्ष दृष्टिकोण अपनाया जाए।

टेस्ट कॅरियर के स्वर्णिम दौर में केएल राहुल, उनके बल्ले से निकलेंगे कई शतक: शास्त्री

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने कहा कि 'फ्रंटफुट' तकनीक में बदलाव से केएल राहुल को इंग्लैंड में बल्लेबाजी में सफलता मिल रही है और उन्होंने उम्मीद जताई कि अगले तीन चार साल तक वह इसी लय को बनाए रखेंगे। राहुल ने तीन टेस्ट में दो शतक और एक अर्धशतक की मदद से 375 रन बनाए हैं।

वह अब तक श्रृंखला में शुभमन गिल, ऋषभ पंत और जैमी स्मिथ के बाद सर्वाधिक रन बनाने वाले चौथे बल्लेबाज हैं। शास्त्री ने कहा,'मुझे लग रहा है कि उसने फ्रंट फुट की तकनीक में थोड़ा बदलाव किया है। इसके अलावा डिफेंस के समय स्टांस भी बदला है।' उन्होंने कहा कि नई तकनीक से उनके बोल्ड या पगबाधा आउट होने की संभावना भी कम हुई है । शास्त्री के अनुसार, बल्लेबाज केएल राहुल अपने टेस्ट करियर के स्वर्णिम दौर में हैं और उन्हें उम्मीद है कि भारत का यह सलामी बल्लेबाज आने वाले वर्षों में कई शतक लगाएगा।

स्विंग लेती गेंदों का सामना करने के लिए राहुल के पास तकनीक

शास्त्री ने यह भी कहा कि इंग्लैंड के हालात में स्विंग लेती गेंदों का सामना करने के लिए भी राहुल के पास तकनीक है। उन्होंने कहा,' वह तकनीक का धनी है। अभी तक गेंद में इतना मूवमेंट दिखा नहीं है लेकिन अगर गेंद मूव भी करती है तो उसके पास इसका सामना करने की तकनीक है।' उन्होंने आगे कहा, 'दुनिया में ऐसा कोई नहीं होगा, जिसने यह कहा हो कि राहुल के पास प्रतिभा नहीं है। गुस्सा इस बात का था कि इतना प्रतिभाशाली होते हुए भी वह प्रदर्शन नहीं दे पा रहा लेकिन इस श्रृंखला में उसे शानदार लय में देखा है।' शास्त्री ने उम्मीद जताई कि उसका बल्लेबाजी औसत अगले कुछ साल में 50 के आसपास रहने वाला है।

राहुल अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म पर

शास्त्री ने एक खास तकनीकी बदलाव पर भी प्रकाश डाला जिसने काफी फर्क डाला है। उन्होंने कहा, मैं देख रहा हूं कि उसने अपने अगले पैर, अपनी मूवमेंट और डिफेंडिंग करते समय थोड़ा सा बदलाव किया है। उनकी तकनीक में अच्छे बदलाव आए हैं,जिससे उनके लिए मिड-विकेट की ओर शॉट मारना पहले से भी आसान हुआ है। उन्होंने आगे बताया कि कैसे इस बदलाव से राहुल की बल्लेबाजी में काफी निखार आया है। पहले जिस तरह वह आउट हो रहे थे, उसमें सुधार देखने को मिला है। 33 साल की उम्र में, राहुल के अब 35.3 की औसत से 3,632 टेस्ट रन हैं, जिसमें 10 शतक और 18 अर्धशतक शामिल हैं। पांच मैचों की सीरीज में भारत 1-2 से पीछे चल रहा है, ऐसे में सभी की निगाहें 23 जुलाई को मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में शुरू होने वाले चौथे टेस्ट मैच पर टिकी हैं।

चैपल ने कहा, गिल की असली परीक्षा अब होगी शुरू

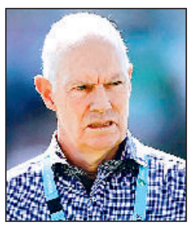

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ग्रेग चैपल का मानना है कि शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ बल्लेबाजी में शानदार प्रदर्शन किया है और युवा कप्तान के रूप में अपनी क्षमता की झलक दिखाई है, लेकिन उनकी असली परीक्षा अब शुरू होगी जबकि भारत पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला में 1-2 से पीछे चल रहा है। भारत इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में तीसरा टेस्ट मैच 22 रन से हार गया और श्रृंखला में 1-2 से पिछड़ गया। दोनों टीमें 23 जुलाई से मैनचेस्टर में एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट में आमने-सामने होंगी। चैपल ने अपने कॉलम में लिखा, 'भारतीय टीम अब इंग्लैंड के खिलाफ अंतिम दो टेस्ट मैच की तैयारी कर रही है। ऐसे में अब सभी की नजरें उनके 25 वर्षीय कप्तान शुभमन गिल पर टिकी हैं। एक प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी के रूप में उन्होंने बल्लेबाजी में कमाल का प्रदर्शन किया है और नेतृत्व क्षमता की झलक भी दिखाई है, लेकिन उनकी असली परीक्षा अब होगी। यह वह मौका है जो टेस्ट कप्तान के रूप में उनकी दिशा तय करेगा।'

गिल को अपनी साख स्थापित करने का मौका

उन्होंने कहा, 'चयनकर्ता और गिल जिन खिलाड़ियों का चयन करते हैं उन पर उन्हें भरोसा बनाए रखना होगा। उन्हें खिलाड़ियों के एक मुख्य समूह की पहचान करनी होगी जिन पर उन्हें विश्वास रहे कि वे अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।' चैपल ने लिखा है, ' उन्हें अपनी स्पष्ट योजना बनानी होगी और प्रत्येक खिलाड़ी को उसकी भूमिका से अवगत कराना होगा। टीम में शामिल प्रत्येक खिलाड़ी को अपनी भूमिका पता होनी चाहिए।

खबर संक्षेप

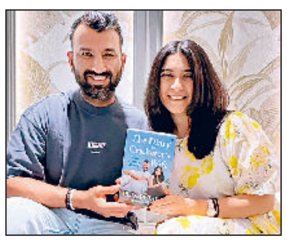

पुजारा के जीवन पर लिखी किताब लंदन में लांच

लंदन। पूजा पुजारा की अपने पति और भारतीय क्रिकेटर चेतेश्वर पर लिखी किताब 'द डायरी ऑफ अ क्रिकेटर वाइफ' को लाड्र्स क्रिकेट मैदान की लाइब्रेरी में जगह मिली है, जिसे शुक्रवार को आधिकारिक रूप से लंदन के नेहरू सेंटर में लांच किया गया। किताब की लेखिका पूजा का कहना है कि इस किताब में हर किसी के लिए कुछ न कुछ है। इसमें पूजा ने एक पत्नी के मैदान के बाहर के नजरिए से भारतीय बल्लेबाज के 2010 से 2023 तक के अंतरराष्ट्रीय करियर की उपलब्धियों और संघर्षों के बारे में लिखा है। लाइब्रेरी में किताब के औपचारिक प्रस्तुतीकरण के बाद पुजारा ने कहा, 'क्रिकेट के इस मैदान (भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन) में घंटी बजाने और लॉड्र्स में इस किताब की एक प्रति प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया जाना सम्मान की बात थी।

काउंटी चैंपियनशिप में यॉर्कशर के लिए नहीं खेल पाएंगे गायकवाड़

लंदन। भारत के मध्यक्रम के बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ निजी कारणों से यॉर्कशर की तरफ से काउंटी चैंपियनशिप में नहीं खेल पाएंगे। इस 28 वर्षीय खिलाड़ी ने यॉर्कशर के साथ पांच मैचों में खेलने के लिए समझौते पर सहमति व्यक्त की थी, जिसकी शुरुआत 22 जुलाई को स्कारबोरो में मौजूदा चैंपियन सरे के खिलाफ मैच से होनी थी। लेकिन यॉर्कशर ने एक बयान में पुष्टि की कि गायकवाड़ उपलब्ध नहीं होंगे। यॉर्कशर के मुख्य कोच एंथनी मैकग्रा ने कहा, 'दुर्भाग्यवश गायकवाड़ निजी कारणों से अब काउंटी चैंपियनशिप में नहीं खेल पाएंगे। यह निराशाजनक है। मैं आपको इसके कारणों के बारे में कुछ नहीं बता सकता, लेकिन हमें उम्मीद है कि सब कुछ ठीक होगा।

महिला राष्ट्रीय शिविर में भाग लेगीं 40 खिलाड़ी

बेंगलुरु। हॉकी इंडिया ने 21 जुलाई से 29 अगस्त तक भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र (साइ) पर होने वाले सीनियर महिला राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिये 40 खिलाड़ियों के नाम की घोषणा की। पांच सितंबर से चीन के हांगझोउ में होने वाले महिला एशिया कप को देखते हुए यह शिविर काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है । यह टूर्नामेंट 2026 एफआईएच महिला विश्व कप में सीधे क्वालीफाई करने का भी जरिया होगा।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

सिर्फ 40 रन बनाते ही हिटमैन को पीछे छोड़ देंगे ऋषभ

डब्ल्यूटीसी रिकॉर्ड: मैनचेस्टर में पंत के पास रोहित को पीछे छोड़ने का सुनहरा अवसर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय बल्लेबाज और विकेटकीपर ऋषभ पंत के पास टेस्ट क्रिकेट में रोहित शर्मा के रिकार्ड को तोड़ने का सुनहरा मौका है। भारत और इंग्लैंड के बीच 23 जुलाई से मैनचेस्टर में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच में पंत रोहित को पछाड़कर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) इतिहास में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन सकते हैं। पंत ने डब्ल्यूटीसी में फिलहाल 2677 रन बनाए हैं, जबकि रोहित ने इस चैंपियनशिप में 2716 रन बनाए हैं। यानी पंत को रोहित को पीछे छोड़ने के लिए 40 रन और बनाने की जरूरत है। पंत के पास चौथे टेस्ट के दौरान यह उपलब्धि हासिल करने का सुनहरा मौका रहेगा।

अभी पंत दूसरे स्थान पर

भारतीय बल्लेबाजों में डब्ल्यूटीसी इतिहास में रोहित ने 69 पारियों में 2716 रन बनाए हैं। दूसरे स्थान पर पंत हैं, जिन्होंने 67 पारियों में 2677 रन बनाए हैं। विराट कोहली 79 पारियों में 2617 रन बनाकर इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं। वहीं, कप्तान शुभमन गिल ने डब्ल्यूटीसी इतिहास में 65 पारियों में 2500 रन बनाए हैं, जबकि रवींद्र जडेजा ने 64 पारियों में 2212 रन बनाए हैं वह शीर्ष पांच बल्लेबाजों में शामिल हैं।

पंत की उपलब्धता को लेकर संशय

पंत की चौथे टेस्ट में उपलब्धता को लेकर भी संशय चल रहा है। पंत को तीसरे टेस्ट मैच में विकेटकीपिंग के दौरान चोट लगी थी और वह विकेट के पीछे जिम्मेदारी नहीं संभाल रहे थे। पंत की जगह विकेटकीपिंग के लिए ध्रुव जुरेल उतरे थे। मीडिया रिपोट्र्स के अनुसार, पंत को मैनचेस्टर में चौथे टेस्ट में खेलने के लिए फिट घोषित हो गए हैं। तीसरे टेस्ट मैच के बाद पंत की फिटनेस को लेकर गिल ने कहा था, पंत स्कैन के लिए गए हैं और चोट ज्यादा गंभीर नहीं है इसलिए वह चौथे टेस्ट से पहले फिट हो जाएंगे। भारतीय टीम के लिए सीरीज में बने रहने के लिए चौथा टेस्ट जीतना काफी जरूरी है। अगर भारत अगला मुकाबला गंवा देता है तो सीरीज हार जाएगा। पंत इस सीरीज में अच्छी फॉर्म में चल रहे हैं और चौथे टेस्ट मैच में भी उनसे अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

टेस्ट में इतिहास बनाने से 31 रन दूर रूट

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट टेस्ट क्रिकेट में एक ताकत रहे हैं। कप्तानी छोड़ने के बाद से, 34 वर्षीय रूट टेस्ट क्रिकेट में बेहद प्रभावशाली रहे हैं और अब जैक्स कैलिस और राहुल द्रविड़ के शानदार टेस्ट रिकॉर्ड को तोड़ने की राह पर हैं।

गौरतलब है कि रूट को टेस्ट क्रिकेट इतिहास में तीसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बनने के लिए केवल 31 रनों की जरूरत है। सचिन तेंदुलकर 15921 रनों के साथ इस सूची में शीर्ष पर हैं, उनके बाद रिकी पोंटिंग 13378 रनों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। जैक्स कैलिस और राहुल द्रविड़ क्रमशः 13289 और 13288 रनों के साथ तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। रूट, जिनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 13259 रन हैं, मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में भारत के खिलाफ आगामी टेस्ट में कैलिस और द्रविड़ को आसानी से पीछे छोड़ सकते हैं। वह चौथे टेस्ट में पोंटिंग को पीछे छोड़कर टेस्ट इतिहास में दूसरे सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन सकते हैं। रूट को केवल 119 रनों की जरूरत है, जो रूट जैसे कद के खिलाड़ी के लिए आसानी से हासिल किया जा सकता है। हालाँकि, सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बनने के लिए उन्हें तेंदुलकर को पीछे छोड़ने के लिए समय चाहिए।

फिडे महिला विश्व कप

हम्पी ने युक्सिन को हराया सेफा में पहुंचने से एक ड्रॉ दूर

एजेंसी ▶▶| बातुमी (जॉर्जिया)

भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी ने शनिवार को क्वार्टर फाइनल के पहले गेम में चीन की युक्सिन सोंग को हराकर फिडे विश्व महिला शतरंज कप के अंतिम चार चरण में पहुंचने की ओर कदम बढ़ाया। हम्पी ने 53 चाल में चीन की खिलाड़ी को हराया। इस बीच भारतीय खिलाड़ियों दिव्या देशमुख और डी हरिका के बीच 31 चाल के बाद मुकाबला ड्रॉ रहा। चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त टिंगजी लेई दिन की दूसरी विजेता खिलाड़ी रहीं। उन्होंने काले मोहरों से खेलते हुए जॉर्जिया की नाना जाग्निद्जे के खिलाफ जीत हासिल की जिससे वह सेमीफाइनल में पहुंचने का प्रबल दावेदार हैं। दूसरे क्वार्टर फाइनल मुकाबले में आर वैशाली ने पूर्व विश्व महिला चैंपियन चीन की झोंगयी टैन से 73 चाल के बाद ड्रॉ खेला। विश्व कप की कुल पुरस्कार राशि 691250 अमेरिकी डॉलर है जिसमें से 50000 अमेरिकी डॉलर विजेता खिलाड़ियों को मिलेंगे। इसमें अगले महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए तीन क्वालीफाइंग स्थान भी दांव पर हैं जिससे अगले महिला विश्व चैंपियनशिप मैच में मौजूदा चैंपियन वेनजुन जू के प्रतिद्वंदी का फैसला होगा।

- विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में पहली बार पहुंची भारत की चार खिलाड़ी

वैशाली के सामने कठिन चुनौती, पूर्व महिला विश्व चैंपियन से होगा मुकाबला

यह पहला अवसर है जब किसी एक देश की चार खिलाड़ी प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में पहुंची हैं। क्वार्टर फाइनल में हरिका का सामना दिव्या देशमुख से होगा, जिससे कम से कम एक भारतीय का सेमीफाइनल में जगह बनाना तय हो गया है। आर. वैशाली के सामने सबसे कठिन चुनौती है क्योंकि उनका सामना क्वार्टर फाइनल में पूर्व महिला विश्व चैंपियन चीन की तान झोंगयी से होगा। इस तरह से भारत की कुल तीन खिलाड़ियों के पास सेमीफाइनल में जगह बनाने का मौका होगा। यह प्रतियोगिता अगले महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफायर भी है। एक अन्य क्वार्टर फाइनल में चीन की टिंगजी लेई का मुकाबला जॉर्जिया की नाना दजाग्निडेज़ से होगा।

इंग्लैंड ने भारत को आठ विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर की

भाषा ▶▶| लंदन

इंग्लैंड ने वर्षा से प्रभावित दूसरे एकदिवसीय मैच में शनिवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम को आठ विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर ली। इससे पहले दिन में, इंग्लैंड की शानदार गेंदबाजी के सामने सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना (42) और दीप्ति शर्मा (नाबाद 30) की संयमित बल्लेबाजी से भारतीय महिला टीम ने तीन मैच की श्रृंखला में बारिश से प्रभावित 29 ओवर के दूसरे वनडे में आठ विकेट पर 143 रन बनाये। लगातार बारिश के कारण मैच शुरू होने में काफी विलंब हुआ और इसे 29-29 ओवर का कर दिया गया था। शुरुआत में इंग्लैंड को 29 ओवर में 144 रन का लक्ष्य प्राप्त करना था, लेकिन फिर से बारिश होने के कारण लक्ष्य को संशोधित कर 24 ओवर में 115 रन कर दिया गया, तब 18.4 ओवर में इंग्लैंड का स्कोर एक विकेट पर 102 रन था। घरेलू टीम ने अंततः संशोधित लक्ष्य को 21 ओवर में हासिल कर मैच जीत लिया। इससे पहले इंग्लैंड ने बादलों की आंख मिचौली के बीच टॉस जीत कर गेंदबाजी करने का फैसला किया। तेज गेंदबाज एम अर्लाॅट (26 रन पर दो विकेट) ने पारी के दूसरे ही ओवर में प्रतिका रावल (तीन) को बोल्ड कर भारत को बड़ा झटका दिया।

महिला यूरो 2025...

बर्न। स्पेन के खिलाड़ी स्विट्जरलैंड के बर्न के स्टेडियन वैंकडॉर्फ स्टेडियम में स्पेन और स्विट्जरलैंड के बीच महिला यूरो 2025 क्वार्टर फाइनल फुटबॉल मैच के अंत में जश्न मनाते हुए।

फ्रीस्टाइल ग्रैंड स्लैम में एरिगैसी हारकर बाहर

लास वेगास। भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी का फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम में स्वप्निल सफर सेमीफाइनल में आर्मेनिया के पूर्व खिलाड़ी और अब अमेरिका की तरफ से खेल रहे लेवोन अरोनियन से 0-2 से हार के साथ समाप्त हो गया। एरिगैसी ने प्रतियोगिता में इससे पहले शानदार प्रदर्शन किया था तथा वह फ्रीस्टाइल ग्रैंड स्लैम के अंतिम चार में पहुंचने वाले पहले भारतीय बने थे। अरोनियन के खिलाफ वह अपनी जादुई लय बरकरार नहीं रख पाए और उन्हें दोनों बाजियों में हार का सामना करना पड़ा। इस भारतीय खिलाड़ी ने सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए प्रारंभिक दौर के प्ले-ऑफ में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को तथा क्वार्टर फाइनल में हिकारू नाकामुरा को हराया था।

एशिया जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप : हांगकांग से मुकाबला आज

भारत ने यूएई को दी मात, क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी ▶▶| सोलो (इंडोनेशिया)

भारत ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को ग्रुप डी के मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पर 110-83 से जीत दर्ज करके बैडमिंटन एशिया जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। भारत ने इससे पहले ग्रुप के अपने शुरुआती मुकाबले में शुक्रवार को श्रीलंका को हराया था। ग्रुप की एक अन्य टीम हांगकांग ने भी अपने दोनों मुकाबले जीते हैं और उसने भी भारत के साथ क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह सुरक्षित कर ली है। ग्रुप डी के शीर्ष पर रहने वाली टीम का फैसला करने के लिए अब भारत और हांगकांग के बीच रविवार को मुकाबला होगा। यह टूर्नामेंट रिले स्कोरिंग प्रारूप के तहत खेला जा रहा है, जहां टीमें 10 मैचों में 110 अंक हासिल करने कोशिश करती हैं। भारत ने यूएई के खिलाफ शुरू से ही दबदबा बना दिया था। पहले मैच में लड़कियों के एकल में रुजुला रामू ने मायशा खान को 11-5 से हराया। इसके बाद मिश्रित युगल में सी लालरामसांगा और तारिणी सूरी ने बढ़त को 22-11 तक पहुंचा दिया।

- भारत ने अपने शुरुआती मुकाबले में श्रीलंका को हराया था

नहीं होगा प्ले ऑफ मुकाबला

भारत ने इस मिश्रित टीम प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2011 में किया था, जब उसने कांस्य पदक जीता था। पिछले वर्ष भारत क्वार्टर फाइनल में मलेशिया से 2-3 से हारकर पदक से चूक गया था। इस प्रतियोगिता में कुल 17 टीम भाग ले रही हैं, जिन्हें चार ग्रुप में बांटा गया है। तीन ग्रुप में चार-चार जबकि एक ग्रुप में पांच टीम शामिल है। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें क्वार्टर-फ्राइनल में पहुंचेंगी। इस साल की चैंपियनशिप में 110 अंकों की रिले प्रणाली अपनाई गई। प्रत्येक मुकाबले में 10 मैच होते हैं (पुरुष एकल, महिला एकल, पुरुष युगल, महिला युगल और मिश्रित युगल में दो-दो मैच) और जो टीम सबसे पहले 110 अंक तक पहुंचती है उसे विजेता घोषित किया जाता है। इस प्रतियोगिता में तीसरे स्थान के लिए प्ले ऑफ मुकाबला नहीं होगा और सेमीफाइनल में हारने वाली दोनों टीमों को कांस्य पदक मिलेगा।

शमी की घरेलू क्रिकेट में वापसी की उम्मीद, बंगाल टीम से खेल सकते हैं

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बाद से ही प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से बाहर चल रहे अनुभवी भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी आगामी घरेलू सत्र में मैदान पर वापसी कर सकते हैं क्योंकि उन्हें बंगाल की 50 सदस्यीय संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया गया है।

बंगाल क्रिकेट संघ ने शनिवार को जो सूची जारी की उसमें तेज गेंदबाज आकाश दीप और शीर्ष क्रम के बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन भी शामिल हैं। यह दोनों अभी भारतीय टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर हैं। तेज गेंदबाज मुकेश कुमार, बल्लेबाज अनुस्तुप मजूमदार, स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर शाहबाज अहमद और विकेटकीपर-बल्लेबाज अभिषेक पोरेल भी संभावित खिलाड़ियों में शामिल है। शमी सत्र के शुरुआती टूर्नामेंट दलीप ट्रॉफी में पूर्वी क्षेत्र के लिए भी खेल सकते हैं, जो 28 अगस्त से शुरू होगा। अगर सब कुछ अनुकूल रहा तो इस टूर्नामेंट से शमी की प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी हो सकती है। शमी ने टखने की चोट से उबरने के बाद इस साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की तरफ से आखिरी बार खेले थे।

आईआईटी हैदराबाद के दीक्षांत समारोह में बोले मंत्री वैष्णव

भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात 40 अरब अमेरिकी डॉलर पार

इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन, एआई, सेमीकंडक्टर, दूरसंचार क्षेत्र और रेलवे अगली पीढ़ी के लिए आधार

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 'इंडिया एआई मिशन' के तहत नि:शुल्क डेटासेट और अन्य सामग्री अपलोड की जा रही है। लगभग 10 लाख लोगों को एआई के इस्तेमाल का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत 2047 तक दुनिया की शीर्ष दो अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होगा

- **भारत की पहली सेमीकंडक्टर चिप 2025 में आएगी**
- **पहली बुलेट ट्रेन 2027 तक शुरू होने की पूरी उम्मीद**

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को कहा कि भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात पिछले 11 वर्षों में 8 गुना वृद्धि के साथ 40 अरब अमेरिकी डॉलर को पार कर गया है और घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन 6 गुना बढ़ गया है। यह वृद्धि विकास की अभूतपूर्व गति है, जो बहुत कम देशों ने पहले कभी देखी है। यह दोहरे अंकों की सीएजीआर दर है जिससे कोई भी कॉर्पोरेट ईर्ष्या करेगा। आईआईटी हैदराबाद के 14वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए, वैष्णव ने भारत की विकास गाथा और अगली पीढ़ी के लिए आधार के पांच उदाहरण दिए- इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन, एआई, सेमीकंडक्टर, दूरसंचार क्षेत्र और रेलवे।

उन्होंने भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना की तेज प्रगति का जिक्र भी किया, जिसके अगस्त या सितंबर 2027 तक चालू होने की उम्मीद है। वैष्णव ने कहा कि इस साल व्यावसायिक स्तर पर पहली भारत में बनी सेमीकंडक्टर चिप आएगी। उन्होंने इसका श्रेय पीएम नरेंद्र मोदी को दिया।

भारत ने सौ 5जी प्रयोगशालाएं स्थापित की

मंत्री वैष्णव ने कहा कि लगभग साढ़े तीन वर्षों में, भारत एक संपूर्ण 4जी दूरसंचार स्टैक डिजाइन कर सकता है। आज, यह लगभग 90,000 दूरसंचार टावरों पर स्थापित है, जो दुनिया के कई देशों के नेटवर्क से भी अधिक है। दूरसंचार पहल के हिस्से के रूप में, सरकार ने 100 5जी प्रयोगशालाएं स्थापित की हैं, जहां छात्र 5जी उपकरणों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर सकते हैं, दुनिया के उपयोग के मामलों पर काम करने और व्यावहारिक समाधान विकसित करने में मदद मिलेगी।

10 लाख लोगों को एआई प्रशिक्षित कर रहे

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 'इंडिया एआई मिशन' के तहत निःशुल्क डेटासेट और अन्य सामग्री अपलोड की जा रही है। लगभग 10 लाख लोगों को एआई के इस्तेमाल का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे के पास इस समय वंदे भारत का तीसरा संस्करण पहले से ही मौजूद है, जिसका निर्माण चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत 2047 तक दुनिया की शीर्ष दो अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होगा।

270 कॉलेजों को ईडीए उपकरण दिए

मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र में प्रतिभाओं को विकसित करने के लिए केंद्र ने लगभग 270 कॉलेजों और संस्थानों को कैडेंस, सिनोप्सिस और सीमेंस के नवीनतम ईडीए उपकरण दिए हैं और यदि स्टार्टअप को जोड़ दिया जाए तो यह संख्या 340 हो जाती है। दुनिया में कहीं भी सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में इतना बड़ा प्रतिभा विकास कार्यक्रम नहीं चलाया गया है।

भारत की पहली घरेलू निर्मित सेमीकंडक्टर चिप इसी साल व्यावसायिक स्तर पर तैयार हो जाएगी। उन्होंने बताया कि भारत में 2025 में एक और मेड इन इंडिया सेमीकंडक्टर चिप तैयार की जाएगी, जो पूरी तरह व्यावसायिक होगी।

छह सेमीकंडक्टर संयंत्र का निर्माण हो रहा

केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भरोसा जताया कि भारत आने वाले वर्षों में दुनिया के शीर्ष पांच सेमीकंडक्टर उत्पादक देशों में एक बनने की राह पर है। आज कुछ सबसे जटिल चिप हैदराबाद, बेंगलुरु, पुणे, गुरुग्राम और चेन्नई जैसे शहरों में डिजाइन किए जाते हैं। अब हम सेमीकंडक्टर चिप का निर्माण शुरू कर रहे हैं। हमने पहले ही छह सेमीकंडक्टर संयंत्र को मंजूरी दे दी है। उनका निर्माण कार्य जारी है। हमारे पास 2025 में पहली भारत निर्मित सेमीकंडक्टर चिप होगी।

चार यूरोपीय देशों के साथ हुए समझौते पर केंद्रीय मंत्री गोयल का बड़ा खुलासा

एक अक्टूबर से लागू होगा भारत-ईएफटीए ट्रेड एग्रीमेंट, निवेश और रोजगार के बढ़ेंगे अवसर

समझौते के तहत भारत को समूह से 15 वर्षों में 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता प्राप्त हुई है, जबकि स्विस घड़ियों, चॉकलेट और कटे और पॉलिश किए गए हीरों जैसे कई उत्पादों को कम या शून्य शुल्क पर अनुमति दी गई है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और चार देशों के यूरोपीय समूह ईएफटीए के बीच मुक्त व्यापार समझौता एक अक्तूबर से लागू होगा। दोनों पक्षों ने 10 मार्च, 2024 को व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) पर हस्ताक्षर किए। समझौते के तहत, भारत को समूह से 15 वर्षों में 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता प्राप्त हुई है, जबकि स्विस घड़ियों, चॉकलेट और कटे और पॉलिश किए गए हीरों जैसे कई उत्पादों को कम या शून्य शुल्क पर अनुमति दी गई है।

समझौते से 10 लाख लोगों को सीधे रोजगार मिलेगा

भारतीय सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा

सेवा क्षेत्र में, वाणिज्य मंत्रालय ने पहले कहा था कि भारत ने ईएफटीए को 105 उप-क्षेत्रों की पेशकश की है, जैसे लेखांकन, व्यावसायिक सेवाएं, कंप्यूटर सेवाएं, वितरण और स्वास्थ्य। दूसरी ओर, देश ने स्विट्जरलैंड से 128 उप-क्षेत्रों में, नॉर्वे से 114, लिकटेंस्टीन से 107 और आइसलैंड से 110 उप-क्षेत्रों में प्रतिबद्धताएं हासिल की हैं। जिन क्षेत्रों में भारतीय सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा।उनमें कानूनी, दृश्य-श्रव्य, अनुसंधान एवं विकास, कंप्यूटर, लेखांकन और लेखा परीक्षा शामिल हैं।

भारतीयों को स्विस उत्पाद सस्ती दरों पर मिलेंगे

भारत अपनी टैरिफ लाइनों या उत्पाद श्रेणियों का 82.7 प्रतिशत हिस्सा देने की पेशकश कर रहा है, जो ईएफटीए निर्यात का 95.3 प्रतिशत है, जिसमें से 80 प्रतिशत से अधिक आयात सोना है।

यूएस में कार सवार ने भीड़ को रौंदा

28 घायल, 10 की हालत गंभीर वाहन चालक पुलिस गिरफ्त में

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका के लॉस एंजिलिस में शनिवार को एक कार सवार ने भीड़ पर गाड़ी चढ़ा दी। इस हादसे में 28 लोग घायल हो गए, जिनमें 10 की हालत गंभीर है। यह हादसा स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 2 बजे वेस्ट सांता मोनिका बुलेवार्ड पर वर्मोंट नाइट क्लब के पास हुआ, जो एक म्यूजिक वेन्यू के पास है। लॉस एंजिलिस फायर डिपार्टमेंट (एलएएफडी) की टीम ने मीडिया को बताया कि घायलों को अस्पताल पहुंचाने का काम जारी है। हादसे के बाद इलाके को पुरी तरह घेर लिया गया। अधिकारियों ने अभी तक वाहन या चालक की पहचान नहीं की है।

गोली चलने की आवाज सुनी

हादसे के समय मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने बताया कि अचानक एक तेज रफ्तार गाड़ी भीड़ में घुसी, जिससे अफरा-तफरी मच गई। सड़क पर एक ग्रे रंग की कार डैमेज हालत में दिखी, मलबा बिखरा पड़ा था। हादसे के बाद कार सामने से बुरी तरह डैमेज हो गई। एक महिला ने मीडिया बताया कि उसने कार के भीड़ में घुसने से पहले गोली चलने की आवाज सुनी थी। उसने कहा कि ड्राइवर हादसे के बाद गाड़ी में ही था, बाद में सुरक्षाकर्मियों ने उसे पकड़कर जमीन पर गिरा दिया।

2.73 लाख श्रद्धालुओं ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

जम्मू। इस वर्ष शांति और सुरक्षा के बीच अमरनाथ यात्रा जारी है। 3 जुलाई को शुरू हुई इस यात्रा में अब तक 2.73 लाख से अधिक श्रद्धालु पवित्र गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन कर लिए हैं। वहीं, शनिवार को जम्मू के भगवती नगर से 6,365 श्रद्धालुओं का नया जत्था दो काफिलों में रवाना हुआ। पहले काफिले में 92 वाहन सुबह 3:25 बजे बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुए, जिनमें 2,851 यात्री थे, जबकि दूसरा काफिला 119 वाहनों के साथ सुबह 3:53 बजे पहलगाम बेस कैंप के लिए रवाना हुआ, जिसमें 3,514 यात्री सवार थे। पवित्र गुफा, जो समुद्र तल से 3,888 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है, तक पहुंचने के लिए दो रास्ते हैं।

बस दुर्घटना में 21 की मौत, 34 घायल

तेहरान। ईरान के दक्षिणी हिस्से में भीषण बस दुर्घटना हुई है। यहां एक बस के पलट जाने से कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई। फार्स प्रांत के आपात संगठन के प्रमुख मसूद आबेद ने बताया कि प्रांत की राजधानी शिराज के दक्षिण में हुई इस दुर्घटना में 34 अन्य लोग घायल हुए हैं। दुर्घटना सुबह 11 बजकर 5 मिनट पर हुई। जैसे ही सूचना मिली राहत और बचाव दल तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गया और राहत कार्य शुरू कर दिया। सभी घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। यह बस एक अंतर-शहर यात्रा पर थी और अधिकतर यात्री परिवारों के सदस्य थे और छुट्टियां मनाने जा रहे थे।

आतिशबाजी के दौरान हादसा, 19 लोग झुलसे

बर्लिन। पश्चिमी शहर डसेलडोर्फ में आयोजित एक मेले में आतिशबाजी के दौरान हुए हादसे में कम से कम 19 लोग झुलस गए। इनमें से 4 लोग गंभीर रूप से झुलसे हैं, इनमें एक बच्चा भी शामिल है। राइन नदी के किनारे राइनकिर्मेस कार्यक्रम में शुक्रवार देर रात हुई घटना के बाद आपातकालीन सेवाएं व अग्निशमन दल तैनात हैं। डसेलडोर्फ अग्निशमन सेवा ने कहा कि पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है। राइन नदी के किनारे आयोजित 10 दिवसीय मेले में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

ऑनलाइन सट्टेबाजी एप का मामला

गूगल और मेटा को ईडी ने भेजा नोटिस, पूछताछ के लिए बुलाया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दुनिया की दो सबसे बड़ी दिग्गज कंपनियों गूगल और मेटा को नोटिस भेजा है। सट्टेबाजी एप के मामले में जांच कर रही ईडी ने दोनों कंपनियों के प्रतिनिधियों को 21 जुलाई को पेश होने का आदेश दिया है। इस दौरान ईडी दोनों से पूछताछ करेगी। दरअसल ईडी ऑनलाइन सट्टेबाजी एप के मामलों की जांच कर रही है। इससे जुड़े कई वित्तीय अपराध उजागर हो रहे हैं।

कई तेलुगू सेलेब्स का आया नाम

तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में 5 एफआईआर दर्ज होने के बाद ईडी एक्शन में आई और पिछले हफ्ते तेलुगु के 29 सेलेब्स के खिलाफ एक्शन लिया गया था। इस लिस्ट में एक्टर विजय देवरकोंडा, राणा दग्गुबाती, प्रकाश राज, निधि अग्रवाल, प्रणिता सुभाष और मांचू लक्ष्मी का नाम शामिल था।

एप हवाला और मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल

सट्टेबाजी एप मामले में ईडी को पता चला है कि कई ऑनलाइन बेटिंग एप हवाला और मनी लॉड्रिंग में भी शामिल हैं। ईडी की पूछताछ में सामने आया कि गूगल और मेटा जैसे प्लेटफॉर्म पर इन एप्स को धड़ल्ले से प्रमोट किया जा रहा है। गूगल और मेटा विज्ञापन के लिए इन एप्स को कई स्लॉट्स देते हैं।

अहमदाबाद विमान हादसाः भारतीय पायलट संघ का एक्शन

विदेशी मीडिया संस्थानों को भेजा कानूनी नोटिस, माफी मांगने को कहा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अहमदाबाद में 12 जून को हुए विमान हादसे को लेकर विदेशी मीडिया की भ्रामक रिपोर्टिंग पर भारतीय पायलट संघ (एफआईपी) ने आपत्ति जताई है। एफआईपी ने 'द वॉल स्ट्रीट जर्नल' और 'रॉयटर्स' को कानूनी नोटिस भेजा है।

मृत पायलटों की प्रतिष्ठा को अपूरणीय क्षति

नोटिस में दोनों संस्थानों से गलत रिपोर्टिंग के लिए माफी मांगने की मांग की गई है। भारतीय पायलट संघ (एफआईपी) के अध्यक्ष सीएस रंधावा ने बताया कि हमने कानूनी कार्रवाई शुरू की है। हमने उनसे माफी मांगने के लिए कहा है। 'द वॉल स्ट्रीट जर्नल' और 'रॉयटर्स' को भेजे एक ईमेल में, एफआईपी ने कहा कि हमें पता चला है कि अंतरराष्ट्रीय मीडिया के कुछ वर्ग बार-बार चुनिंदा और असत्यापित रिपोर्टिंग के माध्यम से विमान हादसे का निष्कर्ष निकालने का प्रयास कर रहे हैं। इससे मृत पायलटों की प्रतिष्ठा को गंभीर और अपूरणीय क्षति हुई है।

एनटीएसबी ने की कड़ी आलोचना

अमेरिकी संघीय एजेंसी राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) ने विमान हादसे पर मीडिया में आई हालिया कवरेज की कड़ी आलोचना की थी। एनटीएसबी की अध्यक्ष जेनिफर होमेंडी ने कहा था कि एअर इंडिया 171 दुर्घटना पर हालिया मीडिया रिपोर्टें समय से पहले और अटकलें लगाने वाली हैं। इतने बड़े पैमाने की जांच में समय लगता है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109